खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :31° C
न्यूनतम: 17° C

मेरठ, बुधवार 15 अप्रैल 2026 मेरठ संस्करण: वर्ष 19 अंक 313 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com वैसाख कृष्ण पक्ष 13 विक्रमी सम्वत् 2083 26 शव्वाल 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

नोएडा में वेतन बढ़ाने को श्रमिक आंदोलन सही: राहुल गांधी पेज 2

मिचेल स्टार्क और दीप्ति शर्मा बने विजडन के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर खेल टाइम्स

क्या सभ्यताओं का संघर्ष है ईरान का अमेरिका से युद्ध सम्पादकीय

अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी संप्रभुता का घोर उल्लंघनः ईरान पेज 12

संक्षिप्त समाचार

बहू ने ससुराल वालों से मांगा 170 करोड़ का सोना, दावा खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 170 करोड़ रुपये के सोने के दावे से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल वैवाहिक विवाद में बड़ा फैसला सुनाते हुए महिला की ओर से दायर घरेलू हिंसा केस को खारिज कर दिया। अदालत ने स्पष्ट कहा कि बिना ठोस और विशिष्ट आरोपों के दर्ज ऐसे मामलों को शुरुआती स्तर पर ही समाप्त कर देना चाहिए। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि सिर्फ परिवार के सदस्यों के नाम लेकर, बिना उनके किसी प्रत्यक्ष भूमिका के आरोप लगाए, आपराधिक मुकदमा चलाना कानून का दुरुपयोग होगा। अदालत ने इस मामले को गढ़ा गया बताते हुए कड़ी टिप्पणी की। मामले में महिला ने आरोप लगाया था कि तलाक समझौते के तहत उसे 120 करोड़ रुपये के गहने और 50 करोड़ रुपये के सोने के बिस्कुट दिए जाने का वादा किया गया था।

सरकारी नौकरियों में समानता के अधिकार का पालन करना जरूरी: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा है कि अगर सेवा नियमों में अनुभव, योग्यता या वरिष्ठता के आधार पर छूट का प्रावधान है, तो किसी कर्मचारी को केवल डिग्री न होने की वजह से प्रमोशन से वंचित नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें एक सहकारी समिति के कर्मचारी को पदोन्नति देने से इन्कार कर दिया गया था। न्यायालय ने माना कि जब अन्य कर्मचारियों को समान छूट दी गई, तो इस मामले में शैक्षिक योग्यता में रियायत न देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि 'भेदभाव अन्याय का ही दूसरा नाम है।' अदालत ने जोर दिया कि सरकारी नौकरियों में समानता के अधिकार का पालन करना अनिवार्य है।

राजस्थान के बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 41 डिग्री के पार

नई दिल्ली। देश के उत्तर, मध्य और पश्चिमी राज्यों में तापमान बढ़ने लगा है। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। राजस्थान के बाड़मेर-जैसलमेर में पारा 41डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मप्र के रतलाम में भी तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो हफ्तों तक कोई नया सिस्टम एक्टिव नहीं होगा। इससे गर्मी तेजी से बढ़ेगी। हालांकि पूर्वोत्तर राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा दक्षिण भारत में केरल और कर्नाटक में तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर के भद्रवाह, उत्तराखंड के केदारनाथ और सिक्किम के लाचेन में बर्फबारी से बंद हुए रास्ते खोलने काम चल रहा है।

फिर इस्लामाबाद में ही होगी ईरान-अमेरिका के बीच शांतिवार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दिए संकेत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिया है कि अगले दो दिनों में पाकिस्तान में कुछ महत्वपूर्ण हो सकता है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान बातचीत की मेज पर लौटने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रम्प ने न्यूयॉर्क पोस्ट के एक रिपोर्टर से कहा कि आपको वहीं रहना चाहिए, क्योंकि अगले दो दिनों में कुछ हो सकता है और हम वहां जाने के लिए अधिक इच्छुक हैं। उन्होंने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर की प्रशंसा करते हुए उन्हें शानदार बताया। शांति वार्ता के लिए जिनेवा को भी एक संभावित स्थान के रूप में सुझाया गया था, लेकिन ट्रम्प ने इस संभावना को कमतर आंका। हमें ऐसे देश में क्यों जाना चाहिए जिसका इससे कोई लेना-देना नहीं है?

ट्रम्प ने पीएम मोदी से फोन पर की बात

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच 40 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई। इस साल दोनों नेताओं के बीच यह तीसरी फोन कॉल थी। इससे पहले मार्च के अंत में पीएम मोदी और ट्रम्प के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। दोनों नेताओं ने होर्मुज के बंद होने पर चिंता जताई थी। इस वार्ता के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा था कि मुझे राष्ट्रपति ट्रम्प का फोन आया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है।

लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने की तैयारी कर रही है। सरकार इसके लिए संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन विधेयक (संशोधन) बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल, 2026 लाएगी। सरकार ने इनसे जुड़े ड्राफ्ट सभी सांसदों को भेजे हैं।

इसके मुताबिक, 850 सीटों में से 815 सीटें राज्यों को और 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों को दी जाएंगी। इसके लिए 16 अप्रैल से 18 अप्रैल तक संसद का तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है। इसमें महिला आरक्षण बिल पर भी चर्चा होगी। एक और जरूरी बदलाव आबादी की

- 2029 से लागू होगा, महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिलेगा
- सीटें बढ़ाने पर दक्षिणी राज्यों का विरोध

परिभाषा है। इससे संसद को यह तय करने का अधिकार मिलता है कि सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए किस डेटा को आधार बनाया जाए। परिसीमन बिल के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात कही गई है। इन बदलावों को 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना है। हालांकि इस पर विरोध भी शुरू हो गया है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि सरकार यह सब 2029 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक फायदा लेने के उद्देश्य से कर रही है। अगर सरकार महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देना चाहती है, तो मौजूदा 543 सीटों में ही यह लागू किया जा सकता है। सीटों के पुनर्वितरण से उत्तर भारत को ज्यादा फायदा होगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि अगर सीटें अनुपात के आधार पर बढ़ाई गईं, तो दक्षिणी राज्यों में महिलाओं,एससी और एसटी समुदायों को नुकसान हो सकता है।

यह कदम दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक ताकत को कम करने की साजिश हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला आरक्षण के बाद यूपी में सबसे ज्यादा 40 लोकसभा सीटें बढ़ सकती है। यहां 80 से बढ़कर 120 हो जाएंगी। महाराष्ट्र में महिलाओं के लिए 24 सीटें आरक्षित हो जाएंगी। यहां लोकसभा की सीटें 48 से बढ़कर 72 हो जाएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बिहार में महिला सीटों की संख्या 20 हो सकती है। यहां कुल सीटें 40 से 60 तक पहुंच सकती है। एमपी में 15 महिला आरक्षित सीटें बढ़ सकती हैं। तमिलनाडु में 20 और दिल्ली में 4 यानी महिला सीटें होंगी। झारखंड में 7 महिला आरक्षित सीटें बढ़ने का अनुमान है।

पीएम मोदी ने किया दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे का लोकार्पण

उत्तराखंड, यूपी व दिल्ली को 212 किमी लम्बे इकोनॉमिक कॉरिडोर की दी सौगात

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के लिए मंगलवार का दिन बेहद खास और ऐतिहासिक रहा। प्रदेशवासियों का इंतजार उस समय खत्म हो गया जब पीएम नरेंद्र मोदी ने देहरादून- दिल्ली इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। इससे पहले पीएम मोदी ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

केन्द्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पीएम मोदी को ब्रह्मकमल का स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री मोदी को शॉल और नंदा देवी राजजात यात्रा का स्मृति चिह्न भेंट किया। पीएम बनने के बाद मोदी मंगलवार को 28वीं बार उत्तराखंड पहुंचे। उन्होंने 11,963 करोड़ की लागत से बने 212 किमी लंबे दून-दिल्ली एलिवेटेड एक्सप्रेस-वे की सौगात दी। इसके अलावा एक हजार मेगावाट क्षमता के देश के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज संयंत्र का भी लोकार्पण किया। देहरादून में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है, जो पहले अकल्पनीय था। अमृतसर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर समेत कई बड़े प्रोजेक्ट प्रगति के नए द्वार खोल रहे हैं, जिनसे लोगों की उम्मीदें जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से समय की बचत होगी, यात्रा सस्ती होगी और किराया-भाड़ा कम खर्च होगा। साथ ही हजारों श्रमिकों को रोजगार मिला है और इंजीनियरों सहित कई क्षेत्रों को इसका लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के पर्यटन को इससे बड़ा फायदा होगा। देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और चारधाम यात्रा के लिए यह इंफ्रास्ट्रक्चर अहम साबित होगा। राज्य विंटर टूरिज्म, विंटर स्पोर्ट्स और वेड इन इंडिया के लिए तेजी से उभर रहा है, वहीं शीतकालीन धार्मिक यात्राओं में भी लगातार वृद्धि हो रही है।

- पीएम मोदी ने कई जल विद्युत परियोजनाओं का भी दिया तोहफा
- 21वीं सदी का भारत बना रहा विकास की नई भाग्य रेखाएं

पीएम मोदी ने सहारनपुर में किया रोड शो डाट मंदिर में की पूजा-अर्चना

सहारनपुर/बिहारीगढ़/छुटमलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण करने से पूर्व सबसे पहले सहारनपुर में रोड शो किया। प्रधानमंत्री का विमान सुबह करीब 11 बजे उतरा, लेकिन आमजन सुबह 7 बजे से ही कतारों में खड़े होकर उनके दर्शन के लिए उत्सुक दिखाई दिया। जैसे ही प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का काफिला रोड शो पर निकला, पूरे क्षेत्र में मोदी-मोदी और भारत माता की जय के नारों से माहौल गूंज उठा। प्रधानमंत्री मोदी इस दौरान सिद्धपीठ मां डाट काली मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन की अपील

पीएम मोदी ने कहा कि 16 अप्रैल से संसद में विशेष चर्चा होगी। सभी राजनीतिक दल नारी शक्ति वंदन बिल को मिलकर आगे बढ़ाएं। कहा कि मैंने आज देश की सभी बहनों के नाम एक खुला पत्र लिखा है। बड़े आग्रह के साथ देश की माताओं और बहनों को इस कार्य में शामिल होने का आह्वान किया है। मैं आज देवभूमि से देश के सभी दलों से फिर अपील करूंगा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में समर्थन करें। पीएम मोदी ने कहा कि लंबे इंतजार के बाद संसद ने नारी शक्ति वंदन बिल पास किया है, जो महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का अधिकार देता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इस अधिकार को लागू करने में देरी नहीं होनी चाहिए। 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद होने वाले चुनावों से ही इस व्यवस्था को लागू किया जाना चाहिए, ताकि महिलाओं की भागीदारी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में और मजबूत हो सके।

विकास की नई सौगात लेकर आता है पीएम का दौरा: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड आगमन पर स्वागत करते हुए कहा कि उनका प्रत्येक दौरा उत्तराखंड के लिए नई ऊर्जा और विकास की नई सौगात लेकर आता है। उन्होंने कहा आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश और उत्तराखंड को 12 हजार करोड़ की लागत से बने एशिया के सबसे लंबे ऐलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर की सौगात मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड देश का श्रेष्ठ राज्य बनने के लिए अपने विकल्प रहित संकल्प के साथ 'विकास भी और विरासत भी' की अवधारणा के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र में कार्य कर रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार अभूतपूर्व काम कर रही है। ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए साल में पूरे देश में दो लाख करोड़ -शेष पृष्ठ दो पर

सम्राट के हाथ होगा बिहार का राजपाट

नीतीश युग का अंत, भाजपा को मिलेगा पहला सीएम

पटना। भाजपा पहली बार बिहार में अपना सीएम बनाने जा रही है। सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। एनडीए के विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सम्राट चौधरी लोक भवन पहुंचे और वहां राज्यपाल से मिलकर नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।

सम्राट चौधरी के साथ सभी दलों के प्रमुख भी शामिल थे। अब बुधवार को 11.00 बजे सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। एनडीए की नई सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी लोकभवन पहुंचे हैं। उनके साथ नितिन नवीन और शिवराज सिंह पहुंचे हैं। जदयू की ओर से उमेश सिंह कुशवाहा भी लोकभवन पहुंचे हैं। बिहार विधानसभा के सेंट्रल हाल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायक दल की बैठक में सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से नेता चुन लिया गया। नीतीश कुमार ने उन्हें माला पहनाई। इसमें एनडीए के सभी विधायक और वरिष्ठ नेता पहुंचे हैं। भाजपा नेता नीरज कुमार सिंह ने सम्राट चौधरी के भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर कहा कि बरसों के बाद भाजपा को यह मौका मिला है। एनडीए का शासन होगा, बिहार सम्राट चौधरी के नेतृत्व में काफी विकास करेगा। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने सम्राट चौधरी के भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर कहा कि बहुत खुशी की बात है कि सम्राट चौधरी भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए हैं।

- राजभवन पहुंचे, सरकार बनाने का दावा पेश किया, आज सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण

वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर फटा, 10 मजदूरों की मौत

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 10 मजदूरों की मौत हो गई है। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने 4 मौतों की पुष्टि की है।

वहीं 18 घायलों को रायगढ़ के जिंदल फॉर्टिस अस्पताल लाया गया, जहां 6 मजदूरों ने दम तोड़ दिया है। बाकी 12 घायलों की हालत भी गंभीर है। मजदूर 80 फीसदी झुलस गए हैं। घटना डभरा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में हर रोज की तरह सामान्य काम चल रहा था। इस दौरान अचानक दोपहर करीब 2 बजे बायलर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से झुलसे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और प्रशासन अधिकारी मौके पर पहुंचे। ट्यूब फटने से हादसा हुआ है।

- 30-40 मजदूर झुलसे, 12 की हालत गंभीर, 80 फीसदी जले, परिजनों का हंगामा

अतीत की गलतियों को सुधारेगा दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर

अबूबकर शिब्ली

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार अब राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास को सुदृढ़ औद्योगिक अवसंरचना के साथ जोड़कर देख रही है। जिसके चलते सरकार राज्य के परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के प्रयास में लगी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंगलवार को राष्ट्र को समर्पित किया गया ग्रीनफील्ड दिल्ली-देहरादून आर्थिक कॉरिडोर इसी श्रृंखला की अगली कड़ी है। दरअसल, उत्तर प्रदेश लंबे समय से विकास की दौड़ में एक पिछड़ा राज्य रहा है। जिसका मुख्य कारण वर्ष 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद राज्य की अर्थव्यवस्था का प्राथमिक क्षेत्र (कृषि) से सीधे तृतीय क्षेत्र (सेवा) में चले जाना रहा है। लगभग तीन दशकों तक द्वितीय क्षेत्र (उद्योग) इस राज्य में उपेक्षित ही रहा। जिसका परिणाम यह हुआ कि राज्य में अपेक्षित रोजगार सृजन नहीं हो पाया, क्योंकि उद्योग ही रोजगार सघन क्षेत्र हैं। इसी उपेक्षा के कारण दीर्घकाल में राज्य सामाजिक आर्थिक विकास की दृष्टि से पिछड़ता चला गया और उत्तर प्रदेश की गिनती 'बीमारू' राज्यों में की जाने लगी। अतीत में हुई इस नीति गतिहीनता से सबक लेते हुए मौजूदा सरकार प्रदेश में उद्योग आधारित विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। राज्य में निजी निवेश आकर्षित करने के लिए बेहतर व सुरक्षित परिवहन अवसंरचना पहली और अनिवार्य शर्त है। मंगलवार को प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया दिल्ली देहरादून आर्थिक कॉरिडोर निवेश आकर्षण की दिशा में एक नवीन अध्याय है। यह कॉरिडोर न केवल उत्तराखंड -शेष पृष्ठ दो पर

- राज्य में उद्योग आधारित विकास को मिलेगी गति
- ब्रांड के रूप में स्थापित होगी वुड कार्विंग व होजरी इंडस्ट्री

नोएडा हिंसा के बाद योगी सरकार ने बढ़ाई मजदूरी

नोएडा/लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा में श्रमिकों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद अंतरिम मजदूरी दरों में वृद्धि करते हुए नई दरें एक अप्रैल 2026 से लागू कर दी हैं।

सरकारी आदेश के अनुसार मजदूरी दरों को तीन श्रेणियों गौतमबुद्ध नगर (नोएडा)-गाजियाबाद, नगर निगम क्षेत्र तथा अन्य जिलों में विभाजित किया गया है। गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद -शेष पृष्ठ दो पर

कर्मचारियों के प्रदर्शन में फिर हुआ बवाल

नोएडा। जिले में वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर सोमवार को हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद नोएडा के फेज 2 में प्रदर्शनकारी मंगलवार को फिर से जमा हो गए। उन्होंने पत्थरबाजी की है। हालात को काबू में करने के लिए यहां पुलिस तैनात कर दी गई है। प्रदर्शनकारियों को भीड़ से हटाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

आशा भोसले के निधन पर सोनिया ने परिजनों को लिखा भावुक पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके परिजनों को एक भावुक शोक पत्र लिखा है। श्रीमती गांधी ने आशा भोसले के बेटे आनंद और हेमंत भोसले को संबोधित पत्र में कहा कि आशा भोसले के निधन के साथ भारतीय संगीत का एक स्वर्णिम युग समाप्त हो गया है। उन्होंने आशा जी को एक महान कलाक. ार, प्रतीक और करोड़ों लोगों को अपनी आवाज से खुशी देने वाली हस्ती बताया। पत्र में उनकी बहुमुखी प्रतिभा का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें उन्होंने शास्त्रीय, लोक और पॉप संगीत में अपनी अमिट छाप छोड़ी।

एसएसपी के नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट चलाने पर मामला दर्ज

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बडगाम जिले में एसएसपी के नाम से फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट चलाने और लोगों को प्रभावित करने के आरा. प में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पल्लर बडगाम निवासी समीर अली भट फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट के जरिए चैट के स्क्रीनशॉट साझा कर खुद को एसएसपी का करीबी बताकर लोगों पर प्रभाव डालने की को. शिश कर रहा था। जांच में पाया गया कि आरोपी पहले से कई मामलों में संलिप्त है और वह एसएसपी बडगाम के नाम से फर्जी अकाउंट संचालित कर रहा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 319 और आईटी अधिनियम की धारा 66-सी के तहत मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

आसमान छूती महंगाई के साथ मजदूरी बढ़ाने की बात वाजिब

नोएडा में वेतन बढ़ाने को श्रमिक आंदोलन सही

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नोएडा में श्रमिकों के वेतन बढ़ाने को लेकर किए गए आंदोलन को सही ठहराते हुए कहा है कि आसमान छूती महंगाई के साथ मजदूरी बढ़ाने की बात वाजिब है और उनकी इस मांग पर संवेदनशीलता के साथ ध्यान दिया जाना चाहिए।

■ जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है, उसके अनुसार न्यूनतम मजदूरी भी बढ़नी चाहिए: राहुल

गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर नोएडा में कल कई कंपनियों में श्रमिकों द्वारा वेतन बढ़ाने के लिए किए आंदोलन का समर्थन किया और कहा कि जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है, उसके अनुसार उनकी न्यूनतम मजदूरी भी बढ़नी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि कल नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वह इस देश के श्रमिकों की आखिरी पुकार थी-जिसकी हर आवाज को अनसुना किया गया, जो मांगते-मांगते थक गया। नोएडा में काम करने वाले एक मजदूर की 12,000 रुपये मासिक आय में से 4,000-7,000 रुपये किराए में चले जाते हैं। जब तक 300 रुपये की सालाना बढ़ोतरी मिलती है, मकान मालिक 500 रुपये सालाना किराया बढ़ा देता है। आय बढ़ने से पहले ही यह बेलगाम महंगाई जीवन का गला घोंट देती है और कर्ज की गहराई में डुबो देती है, यही है 'विकसित भारत' का सच। उन्होंने आगे लिखा कि एक महिला मजदूर ने कहा रसोई गैस के दाम बढ़ते हैं, पर हमारी आय नहीं। इन लोगों ने शायद इस गैस संकट के दौरान अपने घर का चूल्हा जलाने के लिए 5,000 रुपये तक का गैस सिलेंडर खरीदा होगा। यह सिर्फ नोएडा की बात नहीं है और न ही सिर्फ भारत की। दुनियाभर में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है। मगर अमेरिका के शुल्क युद्ध, वैश्विक महंगाई और बाधित आपूर्ति शृंखला का बोझ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मित्र' उद्योगपतियों पर नहीं पड़ा। इसकी सबसे बड़ी मार उस मजदूर पर पड़ी है, जो दिहाड़ी कमाता है और तभी रोज खाता है। वह मजदूर, जो किसी युद्ध का हिस्सा नहीं, जिसने कोई नीति नहीं बनाईजिसने बस काम किया, चुपचाप, बिना शिकायत और अपने अधिकार की मांग करने पर उसे मिलता क्या है। दबाव और अत्याचार।

संशोधन विधेयक सांसदों को उपलब्ध न कराना लोकतंत्र का मजाक : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि जिस संविधान संशोधन विधेयक को लेकर सरकार 16 अप्रैल से संसद की बैठक बुला रही है, उसे अब तक सांसदों को उपलब्ध न कराना सरकार की मनमानी और लोकतंत्र का मजाक उड़ाने जैसा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को यहां एक बयान में कहा कि सरकार ने पहले 29 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाने की विपक्ष की मांग ठुकराकर मनमानी की और अब तक सांसदों के साथ इस विधेयक को साझा न कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अवहेलना की है। उन्होंने कहा कि संसद की बैठक 16 अप्रैल से शुरू हो रही है। यह बैठक ऐसे समय बुलाई जा रही है जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुनाव प्रचार चरम पर होगा।

दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे परियोजना का मुख्य आकर्षण है वन्यजीव गलियारारा

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ एक्सप्रेस-वे दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ेगा

सहारनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून तक निर्मित 212 किलोमीटर लंबे छह लेन ग्रीनफील्ड दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे को राष्ट्र को समर्पित किया। यह एक्सप्रेस-वे दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ेगा। करीब तीन वर्ष में तैयार इस एक्सप्रेस-वे पर वाहन बिना रुके तेज गति से संचा. लित हो सकेंगे और दिल्ली से देहरादून की यात्रा लगभग ढाई घंटे में पूरी की जा सकेगी।

परियोजना में 16 प्रवेश एवं निकास प्वाइंट, 12 टोल प्लाजा तथा 76 किलोमीटर सर्विस रोड का निर्माण किया गया है। करीब 13 हजार करोड़ रुपये की लागत से बने इस एक्सप्रेस-वे पर 62 फ्लाईओवर और 113 अंडरपास बनाए गए हैं। परियोजना में पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा गया है। वन्यजीवों की आवा. जाही के लिए विशेष अंडरपास तथा हाथियों के लिए सुरक्षित गलियारा विकसित किया गया है। परियोजना का मुख्य आकर्षण 12 किलोमीटर लंबा वन्यजीव गलियारा है। इसके नीचे राजाजी नेशनल पार्क और शिवालिक वन क्षेत्र में हिरण, हाथी तथा अन्य वन्यजीव सुरक्षित रूप से आवागमन कर सकेंगे। गलियारे का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि वाहनों की रोशनी और ध्वनि का वन्यजीवों पर न्यूनतम प्रभाव पड़े।

इस एक्सप्रेस-वे से उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली के बीच संपर्क मजबूत होगा। इसके साथ ही पर्यटन, व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। राज्यमंत्री जसवंत सैनी और भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह राणा ने कहा कि यह परियोजना केवल सड़क मार्ग नहीं, बल्कि विकास और रफ्तार का नया मार्ग है।

मायावती ने केंद्र-राज्य सरकारों पर साधा निशाना

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बी आर अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए देशवासियों, विशेषकर पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का पूरा जीवन गरीबों, वंचितों, शोषितों और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और सम्मान के लिए संघर्ष में बीता। मायावती ने अपने संदेश में कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से समानता और न्याय की गारंटी सुनिश्चित की, जिससे वे अमर हो गए और देश हमेशा उनका कृतज्ञ रहेगा। उन्होंने बसपा समर्थकों द्वारा पूरे देश में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए धन्यवाद भी दिया। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र और राज्यों की

■ संविधान के उद्देश्य सही ढंग से लागू होते, तो देश पूरी तरह आत्मनिर्भर और विकसित बन चुका होता

सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि बाबा साहेब के मानवतावादी और बहुजन-कल्याणकारी संविधान के उद्देश्यों को सही ढंग से लागू किया गया होता, तो आज देश पूरी तरह आत्मनिर्भर और विकसित बन चुका होता। उन्होंने आरोप लगाया कि अभी भी देश में करोड़ों लोग गरीबी, बेरोजगारी, जातिवाद और शोषण जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

नोएडा में हिंसा के लिए सरकार जिम्मेदार

इंटेलिजेंस पूरी तरह फेल रही: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने नोएडा में हुई घटना को लेकर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इसे सरकार की नाकामी बताते हुए कहा कि इंटेलिजेंस पूरी तरह फेल रही और प्रशासन को पहले से जानकारी होने के बावजूद घटना को होने दिया गया। उन्होंने कहा कि अगर यह कोई बड़ी साजिश है तो इसकी जिम्मेदारी सीधे तौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारतीय जनता पार्टी पर आती है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 में भाजपा को सत्ता से हटाया जाएगा और उनकी पार्टी बाबा

साहब के संविधान पर आधारित समाज की स्थापना करेगी। अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री पर व्यक्तिगत हमला करते हुए कहा कि उनसे बड़ा झूठ बोलने वाला कोई संत नहीं है। उन्होंने उन्हें नकली संत बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार का संविधान से कोई सरोकार नहीं है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा नेता हार के डर से भूमिगत हो गए हैं, लेकिन जनता मिलकर उन्हें हराने और सत्ता से हटाने का काम करेगी। उन्होंने भीमराव अंबेडकर के संविधान को ष्लोहे की तलवारष बताते हुए कहा कि यह देश के लोगों को न्याय और सम्मान दिलाने का माध्यम है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के दौरान बाबा साहब की प्रतिमाओं को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया गया है और चुनाव से पहले बजट के जरिए जनता को गुमराह करने की को. शिश की जाती है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदेश में दलितों, पिछड़ों और पीडीए वर्ग के खिलाफ भेदभाव जारी है, हालांकि जनता अब इन साजिशों को समझ चुकी है। अखिलेश यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं द्वारा 400 से अधिक सीटें जीतने और संविधान बदलने के दावे किए गए थे, लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने मतदान के जरिए संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की है।

अंबेडकर जयंती पर मुख्यमंत्री योगी ने बाबा साहब के आदर्शों को बताया पथप्रदर्शक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न' बी आर अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने बाबा साहब के आदर्शों को बताया पथप्रदर्शक बताया। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि बाबा साहब ने समता, न्याय और बंधुत्व के उच्च आदर्शों से आलोकित, समरस एवं समावेशी समाज की मजबूत आधारशिला रखी। भारतीय संविधान के निर्माण में उनका योगदान अतुलनीय है, जिसने देश को लोकतांत्रिक मूल्यों की सुदृढ़ दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि अंत्योदय और लोक-कल्याण के प्रति समर्पित बाबा साहब सच्चे अर्थों में मां भारती के अमूल्य रत्न हैं। उनका संपूर्ण जीवन समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब का प्रेरक जीवन और उनके आदर्श हम सभी के लिए सदैव पथप्रदर्शक रहेंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि बाबा साहब के विचारों को आत्मसात कर समाज में समानता, न्याय और समरसता स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास करें।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 77550.25
निफ्टी 24050.60

सोना 151700
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 239685
प्रति किलो

पश्चिम एशिया संकट: वाहन उद्योग के लिए अप्रैल में होगी अग्नि परीक्षा

नई दिल्ली, वार्ता

वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम का मानना है कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर अप्रैल में अग्नि परीक्षा होगी।

सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने मंगलवार को वाहनों की थोक बिक्री के आंकड़े जारी करने के बाद संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा कि मार्च में उत्पादन प्रभावित नहीं हुआ है, लेकिन अप्रैल में कंपनियां दबाव महसूस कर रही हैं और इस महीने कंपनियों की 'अग्नि परीक्षा' होगी। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि युद्ध लंबा न चले यदि ऐसा होता है वाहनों की बिक्री में एकल अंक की वृद्धि के कुछ अनुमान सही साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल लोग जानकारी लेने के लिए शोरूम में आ रहे हैं, लेकिन खरीदारी का फैसला लेने में देरी कर रहे हैं। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रमुख श्री चंद्रा ने कहा कि अप्रैल के पहले दो सप्ताह में पश्चिम एशिया संकट का दबाव पड़ना शुरू हो गया है और उत्पादन की लागत बढ़ी है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले एल्युमीनियम की आपूर्ति पहले पश्चिम एशिया से होती थी, अब कंपनियां उसका विकल्प खोज रही हैं। उन्होंने कहा अप्रैल में यह साफ होगा कि आपूर्ति बढ़ने की रफ्तार और पहले से मौजूद कलपुर्जों और कच्चे माल के भंडार की खपत की रफ्तार में कितना संतुलन बन पाता है। चंद्रा ने कहा कि वाहन उद्योग में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाले प्रोपेन और एलपीजी की कमी चिंताजनक है। कुछ चुनिंदा पेट्रो-रसायन के दाम बढ़ रहे हैं और परिवहन की लागत भी बढ़ी है।

सियाम के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में वाहनों की घरेलू बिक्री 10.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,82,65,519 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान यात्री वाहनों की बिक्री 7.9 प्रतिशत बढ़कर 46,43,439 इकाई पर पहुंच गई। दुपहिया की बिक्री 10.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,17,05,974 इकाई पर रही। श्री चंद्रा ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में सभी खंडों में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है। सात साल बाद यह स्थिति बनी है जो वाहन निर्माता कंपनियों के लिए खुशखबरी है। उन्होंने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर की दरों में पिछले साल सितम्बर में की गई कटौती से ग्राहक धारणा मजबूत बनी हुई है।

इंडिगो की चार दिन की सेल, टिकट पर 10 प्रतिशत तक छूट

नई दिल्ली। प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने मंगलवार से चार दिन की सेल की घोषणा की है जिसमें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर बुकिंग में 10 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी। 'समर गेटअवे' सेल के तहत 14 अप्रैल से 17 अप्रैल के बीच बुकिंग कराई जा सकती है, जबकि यात्रा की तारीख 01 जुलाई से 09 अक्टूबर 2026 के बीच होने की शर्त रखी गई है। यात्री इंडिगो की वेबसाइट, मोबाइल एप, एआई-संचालित असिस्टेंट 6ईस्काई, इंडिगो के व्हाट्सएप नंबर (91-70651 45858), या चुनिंदा ट्रैवल पार्टनर के वेबसाइट्स और ऐप के माध्यम से बुकिंग करते समय 'एसयूएमआर 10' (अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में) प्रोमो कोड का उपयोग करके इस ऑफर का लाभ उठा सकते हैं।

वाहनों की घरेलू बिक्री 10.4 प्रतिशत बढ़कर नए रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली।

पहली छमाही के सुस्त प्रदर्शन के बावजूद वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और रेपो दरों में कटौती के कारण वित्त वर्ष 2025-26 में वाहनों की घरेलू बिक्री 10.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,82,65,519 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, पूरे वित्त वर्ष के दौरान यात्री वाहनों की बिक्री 7.9 प्रतिशत बढ़कर 46,43,439 इकाई पर पहुंच गई। दुपहिया की बिक्री 10.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,17,05,974 इकाई पर रही। सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्र ने रिपोर्ट जारी करने के मौके पर बताया कि वित्त वर्ष

2025-26 में सभी खंडों में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है। सात साल बाद यह स्थिति बनी है जो वाहन निर्माता कंपनियों के लिए खुशखबरी है।

वित्त वर्ष के दौरान वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 12.6 प्रतिशत मजबूत वृद्धि देखी गई और यह एक साल पहले के 9,58,679 इकाई से बढ़कर 10,79,871 इकाई पर रही। तिपहिया की बिक्री में भी 12. 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 8,36,231 इकाई हो गई। हालांकि तिपहिया के खंड में ई.रिक्शा की बिक्री में 29.6 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। श्री चंद्रा ने कहा कि जीएसटी की दरों में पिछले साल सितम्बर में की गई कटौती से ग्राहक धारणा मजबूत बनी हुई है।

इसके साथ ही रिजर्व बैंक द्वारा पिछले साल रेपो दरों में की गई कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती और सरकार द्वारा आयकर छूट की सीमा बढ़ाने से भी बिक्री बढ़ाने में मदद मिली है।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

पीएम मोदी...

भी खर्च नहीं होते थे, आज 12 लाख करोड़ से ऊपर होते हैं। उत्तराखंड में ही सवा दो लाख करोड़ से ऊपर की परियोजनाओं पर काम जारी है। कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थी। अब सड़क गांव तक पहुंच रही है। वीरान गांव फिर जीवंत हो रहे हैं।

ये रहे उपस्थित' कार्यक्रम में मंच पर प्रदेश के राज्यपाल ले.ज. (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण, पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत, विजय बहुगुणा, डा. रमेश पोखरियाल निशंक, तीरथ सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, गणेश जोशी, रेखा आर्य, खजान दास, डा. धन सिंह रावत, सौरभ बहुगुणा, मदन कौशिक, राम सिंह कैड़ा, भरत चौधरी, प्रदीप बत्रा, सांसद अनिल बलूनी, अजय भट्ट, माला राज्यलक्ष्मी शाह, नरेश बंसल उपस्थित रहे। वहीं, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता वर्चुअल माध्यम से शामिल हुईं। कार्यक्रम में इनके अलावा उत्तराखंड के विधायकगण, दायित्वधारी, भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम जनता मौजूद रही।

अतीत की...

से लेकर दिल्ली तक विकास की एक श्रृंखला स्थापित करेगा, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद के लिए भी विकास के नए द्वार खोलेगा, क्योंकि इस कॉरिडोर का एक तिहाई से अधिक हिस्सा सहारनपुर से होकर गुजरता है। यही कारण है कि यह कॉरिडोर जनपद में परिवहन कनेक्टिविटी और बेहतर जीवन स्तर के साथ ही औद्योगिक विकास के नए अवसर पैदा करेगा। इस कॉरिडोर के किनारे राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक क्लस्टर्स विकसित करने की योजना है। जिससे न सिर्फ पर्याप्त रोजगार सृजन होगा। बल्कि सहारनपुर की वुड कार्विंग और होजरी इंडस्ट्री को भी ब्रांड आधारित उन्नति के अवसर मिलेंगे।

इसके साथ ही यह उत्तराखंड की चारधाम महामार्ग परियोजना के साथ जुड़कर धार्मिक पर्यटन को भी मजबूत करेगा। इतना ही नहीं यह कॉरिडोर वर्तमान में तनाव से गुजर रहे मानव-वन्यजीव संबंधों को भी बेहतर बनाते हुए हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र के साथ संतुलित विकास का वाहक बनेगा। यह हाईवे शिवालिक रेंज में 12 किमी. लंबे वन्यजीव गलियारे के ऊपर से होकर गुजरेगा। जिसमें 6 वन्यजीव व 2 पृथक हाथी अंडरपास शामिल हैं। इससे मानव व वन्यजीव अपने अपने क्षेत्र में संतुलित एवं विकसित जीवन यापन का अनुभव करेंगे। संक्षेप में कहे तो यह कॉरिडोर केंद्र व राज्य सरकार के व्यापक विजन का हिस्सा है, जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित सहारनपुर में क्षेत्रीय व पर्यावरणीय संतुलन के साथ सुदृढ़ औद्योगिक अवसंरचना पर केंद्रित है। इससे सामाजिक आर्थिक विकास के नए अवसर उत्पन्न होंगे। साथ ही यह उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाने का दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

नोएडा हिंसा...

में अकुशल श्रमिकों की मजदूरी 11,313 रुपये से बढ़ाकर 13,690 रुपये, अर्द्धकुशल श्रमिकों की 12,445 रुपये से बढ़ाकर 15,059 रुपये तथा कुशल श्रमिकों की 13,940 रुपये से बढ़ाकर 16,868 रुपये कर दी गई है। नगर निगम वाले अन्य शहरों में अकुशल श्रमिकों की मजदूरी 11,313 रुपये से बढ़ाकर 13,006 रुपये, अर्द्धकुशल श्रमिकों की 12,445 रुपये से बढ़ाकर 14,306 रुपये तथा कुशल श्रमिकों की 13,940 रुपये से बढ़ाकर 16,025 रुपये निर्धारित की गई है। सरकार ने सोशल मीडिया पर न्यूनतम मजदूरी 20 हजार रुपये प्रतिमाह तय किए जाने के दावों को भ्रामक और निराधार बताया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति की बैठक के बाद सोमवार देर रात लिया गया।

प. बंगाल विधानसभा चुनाव में 2,926 उम्मीदवार मैदान में

नई दिल्ली/कोलकाता। चुनाव आयोग ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की है। चुनाव आयोग के अनुसार नामांकन वापसी की अंतिम तिथि के बाद राज्य में कुल 2,926 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर 1,478 उम्मीदवार और दूसरे चरण में 142 सीटों पर 1,448 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि नौ अप्रैल थी, जबकि 10 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटिनी) और 13 अप्रैल को नाम वापसी की अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। चुनाव कार्यक्रम के तहत दूसरे चरण के लिए मतदान 29 अप्रैल को कराया जाएगा।

अंबेडकर के विचारों से प्रेरित हैं सरकार की योजनाएं: नितिन

नई दिल्ली, वार्ता

भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को कहा कि सरकार की योजनाएं बाबा साहब अंबेडकर के विचारों से प्रेरित है और इसी का अनुकरण करते हुए केंद्र सरकार 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जा रही है।

श्री नितिन ने आज यहां भाजपा मुख्यालय में संविधान के शिल्पकार डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलित अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से बाबासाहेब को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने

का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय ने समावेशी विकास के जरिए विकसित भारत का सपना देखा था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार साकार करने का प्रयास कर रही है।

महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाते हुए केंद्र सरकार 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जा रही है। भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अतीत में अंबेडकर को उचित सम्मान नहीं मिला। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थित सरकार बनने के बाद ही बाबा. साहेब को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने अंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थों का विकास, संविधान दिवस की शुरुआत और अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर की स्थापना जैसे कदम उठाकर उनके विच. ारों को सम्मान दिया है। इस मौके पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा नेता नदीम चौहान ने 17 गांवों में मनाई बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

सिवाल खास। सिवाल खास विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी व समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता नदीम चौहान ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई। मंगलवार को आयोजित बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जयंती के दौरान सिवाल खास विधानसभा में जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित हुई जिसमें दर्जनों जगह पर सपा नेता नदीम चौहान अतिथि के रूप में मौजूद रहे इस दौरान नदीम चौहान सुबह से लेकर रात के नौ बजे तक दलित समाज के बीच रहे। वह सरूरपुर, नगर पंचायत सिवालखास, रोहटा, माजरा, घसौली, दिलावरा, जगेठी, रसूलपुर, धौलड़ी, सिसौला खुर्द, जानी खुर्द, पांचाली खुर्द और घाट सहित कई गांवों व कस्बों में आयोजित कार्यक्रमों में मौजूद रहे। हर जगह नदीम चौहान का दलित समाज के लोगों ने दिल से स्वागत किया और कहा कि नदीम चौहान हर समय उनके साथ रहते हैं। वहीं नदीम चौहान ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन सामान्य शिक्षा और दलित समाज के अधिकारों के साथ-साथ सर्व समाज के अधिकारों को दर्शाता है उनका जीवन केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायक है।

नदीम चौहान ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं और यह बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान को बचाए रखने के लिए भाजपा के सामने मजबूती से खड़े हैं इसीलिए आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में दलित समाज को मजबूती के साथ अखिलेश यादव को वोट देना चाहिए क्योंकि भाजपा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान को धीरे-धीरे मिटाना चाहती है जिसकी शुरुआत सोशल मीडिया पर भी देखने को मिल रही है। उन्होंने दलित समाज के लोगों से कहा कि वह एकजुट होकर भाजपा को आईना दिखाएं और अपने अधिकारों और सम्मान की लड़ाई को मजबूत करें वहीं दलित समाज के लोगों ने भी नदीम चौहान के पीठ थपथपाई और आने वाले चुनाव में मजबूती के साथ उन्हें साथ देने का वादा किया।

बाबा साहेब की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होते नदीम चौहान।

अंबेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण करते कांग्रेस महानगर अध्यक्ष रंजन शर्मा, हेमंत गुर्जर।

अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण करते राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेई, कैंट विधायक अमित अग्रवाल, पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल महानगर अध्यक्ष विवेक रस्तौगी।

रसूलपुर धौलडी में शिया समुदाय के लोगों ने अंबेडकर जयंती पर पिलाया मीठा जल

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। मंगलवार को जानी ब्लॉक के गांव रसूलपुर धौलडी में 135वीं अंबेडकर जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इसी उपलक्ष में यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा अंबेडकर पार्क से होते हुए कर्बला रोड पर से गुजरी। इस दौरान शिया समुदाय के लोगों ने इमामबाड़ा अबू तालिब के गेट पर करबला रोड पर इमाम हुसैन की याद में मीठा जल पिलाकर जाटव समाज के लोगों को यात्रा में शामिल सद्भावना का परिचय दिया और आपसी भाईचारे का संदेश दिया जिसमें ग्रामीणों ने शिया समुदाय के लोगों की सराहना की। इस दौरान ग्राम प्रधान उम्मीदवार जमा काजमी, नजीर नकवी, तनवीर हैदर, भाजपा नेता नगीन अब्बास, मेहंदी असगर, मोहिब नकवी, सागर इमाम, अहमद हसन, मोहम्मद ममनून काजमी, कौकब काजमी, समाज सेवी हसन राजा, इस्लाम शाह, रहबर रजा फूल शाह, सुभान अलीशा, डाक्टर अली मेंहदी काजमी काफी तादाद में शिया समुदाय के लोग मौजूद रहे।

कई विधानसभाओं में योगेश वर्मा ने केक काटकर मनाया बाबा साहेब का जन्मदिन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की 137वीं जयंती पर देशभर में कार्यक्रम आयोजित हुए वहीं जनपद मेरठ में भी जगह-जगह बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही साथ उनके अनुयाईयों ने इस दिन को एक उत्सव की तरह मनाया। पूर्व विधायक योगेश वर्मा ने जगह-जगह केक काटे और दलित समाज के बीच जाकर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों पर माल्यार्पण किया। इस दौरान दलित समाज के लोगों ने भी जगह-जगह कई विधानसभा में योगेश वर्मा का स्वागत किया। योगेश्वर वर्मा ने दलित समाज के लोगों से कहा कि भीमराव अंबेडकर की जयंती मात्र एक दिन नहीं है बल्कि यह दलित समाज की जिंदगी की शुरुआत का दिन है। बाबा साहब ने जिस दिन जन्म लिया उस दिन से दलित समाज की जिंदगी के उत्थान के दिन शुरू हो गए थे उन्होंने दलित समाज के लोगों से एकजुट रहने और समाज को मजबूत करने की अपील की है। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने जो हमें संविधान दिया है उसके दायरे में ही हमारी ताकत है और यह ताकत जब ही संभव है। जब हम एक जुटता के साथ वोट करें वोट की ताकत से ही हमें अपने दुश्मनों को चोट देनी है। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में एक जुटता के साथ रहे और अपने समाज के जिम्मेदार लोगों को मजबूत बनाने का काम करें ताकि वह विधानसभा और संसद में पहुंचकर अपने समाज की आवाज को बुलंद कर सकें। इस दौरान उनके साथ पर ब्लॉक प्रमुख राजन वर्मा व राहुल गौतम मौजूद रहे।

समाजसेवी अलाउद्दीन सैफी के निधन पर लोगों ने जताया दुख

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मंगलवार को मेरठ के रोहटा गांव में समाजसेवी अलाउद्दीन सैफी का बीमारी के चलते निधन हो गया। उनके निधन की खबर सुनते ही शोक की लहर दौड़ गई जिसके बाद समाजसेवी व जनप्रतिनिधि उनके घर पहुंचे और परिवार वालों को संतावना दी। अलाउद्दीन सैफी हर समाज में मजबूत पकड़ रखे थे। उनके निधन की खबर के बाद क्षेत्र के विधायक गुलाम मोहम्मद परिवार को सहारा देने पहुंचे। विधायक ने कहा अलाउद्दीन सैफी बड़े मिलनसार व्यक्ति थे हमेशा उनकी कमी खलेगी वहीं लोक दल के वरिष्ठ नेता रणबीर दहिया परिवार वालों से मिले और दुख प्रकट किया। उधर, समाजवादी पार्टी के पूर्व राज्य मंत्री शकील भारती ने भी जनाजे में शिरकत की उन्होंने कहा कि अलाउद्दीन जैसी शख्सियत बार-बार पैदा नहीं होती। सिवाल खास विधानसभा पूर्व प्रत्याशी नदीम चौहान भी अलाउद्दीन सैफी के आवास पहुंचे और परिवार वालों को संतावना दी समाजवादी पार्टी के जिला पंचायत सदस्य सम्राट मलिक ने भी दुख प्रकट किया। जोहर की नमाज के बाद अलाउद्दीन सैफी को सुपुर्द खाक किया गया।

अंबेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण करते जिलाधिकारी।

ऋषभ एकेडमी में बैसाखी व अंबेडकर जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। ऋषभ एकेडमी में बैसाखी पर्व एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 12 की छात्रा प्रियंका ने डॉ. अंबेडकर के जीवन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उनके संघर्ष और योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कक्षा 5 के छात्रों ने बैसाखी पर्व के महत्व को बताते हुए सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सभी ने सराहा। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने मिलकर सामूहिक भोज का भी आयोजन किया, जिससे आपसी प्रेम, भाईचारा और एकता की भावना को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के अध्यक्ष दिनेश चंद्र जैन, सचिव डॉ. संजय कुमार जैन, कोषाध्यक्ष योगेंद्र प्रकाश जैन, प्रधानाचार्य शरद त्यागी एवं उप-प्रधानाचार्य पवन कपूर सहित अन्य पदाधिकारियों ने सभी को बैसाखी एवं अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को सामाजिक समरसता और महान व्यक्तित्वों के आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर परीक्षितगढ़ में निकाली शोभा यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। कर गुजर गए जो वो भीम थे, दुनिया को जगाने वाले भीम थे, हमने तो सिर्फ इतिहास पढ़ा है यारों, इतिहास को बनाने वाले मेरे भीम थे। भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर नगर व देहात क्षेत्र में बाबा साहब की जयंती धूमधाम हर्षोल्लास से मनाई गई। मंगलवार को नगर में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की शोभा यात्रा का शुभारंभ हस्तिनापुर के पूर्व विधायक योगेश वर्मा तथा चेयरमैन हिटलर त्यागी ने माल्यार्पण तथा फीता काट कर किया। शोभायात्रा आशे नाथ कुटी आश्रम से होते हुए मेरठ बस स्टैंड भगत सिंह चौक शिव चौक मवाना स्टैंड कितौर स्टैंड होते हुए कुटी आश्रम पर संपन्न हुई जिसमें काफी संख्या में युवा हाथों में नीले झंडे बैनर लेकर डीजे की धुन पर नाचते हुए चल रहे थे तथा जगह-जगह नगर वासियों ने शोभा यात्रा पर फूलों से वर्षा की तथा स्वागत किया गया वहीं जगह-जगह लड्डू बांटे गए। वहीं जगह-जगह पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हुए थे। पुलिस प्रशासन ने पूरी तरह मुस्तैद रहकर नगर व देहात क्षेत्र में शोभायात्रा संपन्न कराई।

वहीं बाबा साहब की जयंती पर भगत सिंह चौक पर भारतीय किसान संघर्ष मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता राहुल भाटी युवा जिला अध्यक्ष शादाब सैफी, निगम पहलवान वसीम सैफी, सिमरू आदि ने छबील लगाकर लोगों को शरबत पिलाया। वहीं देहात क्षेत्र के ग्राम अगवानपुर गांवडा गोविंदपुरी दुवेशपुर बहलोलपुर दबथला मादपुर गांव में भी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता महिलाएं बच्चे हाथों में झंडा और बैनर लेकर जय भीम के नारों के साथ काफी संख्या मौजूद रहे। इस मौके पर कमेटी अध्यक्ष विष्णु शरण देवीदास गौतम, सभासद हम कुमार, रवि गौतम, धर्मेंद्र ठेकेदार, महेंद्र सिंह, भिकारी महिपाल आदि का शोभा यात्रा में विशेष सहयोग रहा।

अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते व्यापारी नेता मंसूर इस्लाम व मुस्लिम समाज के लोग।

सिर्फ संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि युग पुरुष थे बाबा साहेब: संजय चौधरी

शाह टाइम्स संवाददाता

सरूरपुर। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के पावन अवसर पर सिवाल खास विधानसभा के ग्राम सरूरपुर में भव्य रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा नेता संजय चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के शुभारंभ पर भाजपा नेता संजय चौधरी ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूरा क्षेत्र 'बाबा साहेब अमर रहें' और 'जय भीम' के नारों से गुंजायमान हो उठा। रैली में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने हिस्सा लेकर बाबा साहेब के प्रति अपनी अटूट आस्था प्रकट की। संजय चौधरी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब केवल एक संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि एक युगपुरुष थे जिन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया। उनके दिखाए 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के मार्ग पर चलकर ही हम एक सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार बाबा साहेब के 'अंत्योदय' के सपने को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। रैली के दौरान ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से कार्यक्रम आयोजक जगदीश प्रमुख, आदेश शर्मा, बबलू, देवेन्द्र, प्रदीप, जितेंद्र सहित सैकड़ों ग्रामीण व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

गांव-गांव में अंबेडकर जयंती की धूम, आतिर मंजूर ने किया भव्य माल्यार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

किठौर। किठौर विधानसभा क्षेत्र में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती पूरे उत्साह, श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आतिर आरिफ मंजूर ने क्षेत्र के मेदपुर, हसनपुर, गोविंपुरी, रूकनपुर सहित कई गांवों में पहुंचकर बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान गांव-गांव में लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। स्थानीय ग्रामीणों, युवाओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बाबा साहेब के आदर्शों को याद किया। आतिर आरिफ मंजूर ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन संघर्ष, समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में उनके विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं, जिन्हें अपनाकर समाज को मजबूत और समरस बनाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से बाबा साहेब के बताए रास्ते पर चलने और शिक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। साथ ही समाज में भाईचारा, एकता और अधिकारों के प्रति जागरूकता बनाए रखने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान जगह-जगह पुष्प अर्पण, सभा और विचार गोष्ठियों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। पूरे क्षेत्र में अम्बेडकर जयंती के अवसर पर सम्मान और गौरव का माहौल बना रहा।

अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में शिरकत करते हुए सपा जिलाध्यक्ष कर्मवीर सिंह गुमी, सपा नेता अमित शर्मा, महानगर अध्यक्ष आदिल चौधरी।

अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते भाजपा नेता अंकित चौधरी व अन्य।

लहूलुहान हालत में गंग नहर के नीचे मिला फेरी वाला

शरीर में सिर से लेकर पैर तक गहरे घाव, साइकिल से सोमवार को निकला था फेरी करने

शाह टाइम्स संवाददाता

मवाना। नगर के मोहल्ला तिहाई निवासी एक फेरी करने वाला व्यक्ति हस्तिनापुर रोड स्थित गंग नहर पुल के नीचे लहुलुहान हालत में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ रेफर कर दिया गया। उसके सिर से लेकर पैर तक दर्जनों गहरे घाव थे। परिजनों ने उसे लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। परिजनों के मुताबिक वह सोमवार को साइकिल से फेरी करने के लिए निकला था, लेकिन घर नहीं लौटा।

मंगलवार सुबह मवाना पुलिस को सूचना मिली कि खून से लथपथ एक व्यक्ति मध्य गंग नहर के नए पुलिस के नीचे पड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसकी सांसें चलता देख उसे तत्काल सीएचसी में भर्ती कराया। उसकी पहचाना गुलजार (55) पुत्र मेहरबान निवासी मोहल्ला तिहाई के रूप में हुई। उसके शरीर पर फैला खून सूख चुका था और सिर से लेकर पैर तक गहरे घाव थे। उसकी दायीं आंख को भी फोड़ा गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उसे डाक्टरों ने मेरठ के लिए रेफर कर दिया। परिजनों ने उसे मेरठ मेडिकल में भर्ती कराया है।

दस हजार रु. लेकर साइकिल से निकला था गुलजार

गुलजार के ममेरे भाई आस मोहम्मद कुरैशी ने बताया कि सोमवार को गुलजार साइकिल से दस हजार रुपए लेकर घर से मीरापुर जाने को कहकर निकला था। वह हर जगह साइकिल से ही जाता था और पुराना इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदकर बेचा करता था। घर से निकलने के बाद वह देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी सुबह तलाश की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। जब पुलिस ने उसे वहां से उठाया तो उसने अपना नाम पता बताया और तब जाकर परिजनों को इसकी जानकारी दी गई।

चप्पल तक मिली गायब

गंग नहर पुल के नीचे जहां गुलजार बेहोशी की हालत में पड़ा मिला, वहां उसके पैरों में चप्पल तक नहीं थी। उसकी साइकिल, फोन व जेब में रखे दस हजार रुपए भी गायब थे। परिजनों के मुताबिक उसके साथ लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। हालांकि पुलिस ने गुलजार से बात करने की कोशिश की, लेकिन वह बदहवास हालत में सिर्फ यही बोलता रहा कि वह नहर में गिर गया। जबकि उसके सिर में गहरे घाव लूट की ओर ही इशारा करते हैं। परिजनों के मुताबिक मेडिकल में उपचार के दौरान डाक्टरों ने उसकी एक आंख पूरी तरह खत्म होने की पुष्टि की। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

अवैध शराब बेचने वालों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जमानत पर छोड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। अंबेडकर जयंती पर शराब के ठेके बंद होने के बावजूद तथा शासन की गाइडलाइन को ठेंगा दिखाते हुए नगर में अलग-अलग स्थान पर दो युवक ब्लैक में शराब बेच रहे थे जिन्हें मुखबिर की सूचना पर थाना पुलिस ने इंग्लिश व कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया वहीं देर शाम उन्हें आबकारी नियम के अनुसरा थाने से जमानत दी गई। थाना अध्यक्ष सुदीश सिंह सिरोही ने बताया कि नगर निवासी मोहित पुत्र विजय लोहरे मोहल्ला निवासी राजा दरवाजा कस्बा थाना परीक्षितगढ़ अंबेडकर जयंती पर शासन की गाइडलाइन पर शराब के ठेके बंद होने के बावजूद शराब बेच रहा था जिसे मुखबिर की सूचना पर 96 पव्वे इंग्लिश शराब रॉयल ग्रीन व्हिस्की के साथ गिरफ्तार कर आव अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं नगर के मोहल्ला निवासी मनोज कुमार पुत्र स्वर्गीय सुरेंद्र कुमार मोहल्ला खजूरी दरवाजा थाना परीक्षितगढ़ को 28 लीटर अंग्रेजी शराब व 10 लीटर देसी शराब नाजायज के साथ गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों पर आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर बेल दी गई।

बाबासाहेब की जयंती पर छात्र नेता विजय बहादुर ने निकली शोभा यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। वरिष्ठ छात्र नेता विजय बहादुर एडवोकेट ने अपने क्षेत्र वासियों के साथ कालियागढ़ी जागृति विहार में भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती की पूर्व संध्या पर बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भव्य शोभायात्रा निकाली जिसमें मुख्य अतिथि योगेश वर्मा पूर्व विधायक हस्तिनापुर तथा विशिष्ट अतिथि रविराज सिंह एडवोकेट के द्वारा शोभा यात्रा का फीता काटकर शुभारंभ किया। पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष महिलाओं व पुरुषों की संख्या ज्यादा रही। शोभायात्रा में विभिन्न झांकियों ने लोगों को आकर्षित किया। विजय बहादुर एडवोकेट ने कहा वंचितों को अधिकार और समाज को समानता का मार्ग दिखने वाले बाबा साहेब के विचार हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे। रैली को सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय जाटव महासंघ, भीम जन सेवा समिति आदि संगठनों ने समर्थन किया। भव्य शोभायात्रा कालियागढ़ी जागृति विहार पैठ रोड से शुरू होकर मेडिकल कॉलेज, डिग्गी-बट्टा, यूनिवर्सिटी, तेजगढ़ के रास्ते जागृति विहार कालियागढ़ी पैठ रोड़ सेक्टर-8 पर समापन किया। विजय बहादुर ने समस्त क्षेत्र वासियों द्वारा इतना मान-सम्मान, प्यार देने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। शोभायात्रा को भव्य मनाने में विकास कुमार तिरखा एडवोकेट, रोहित, अमन, अंकुर, दीपांकर, रोहित बॉबी ,दीपांशु, राहुल अरविंद, गौरव कुमार, नीरज कुमार का मुख्य रूप से सहयोग रहा।

बाबा साहेब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मंगलवार को भारत रत्न भारतीय संविधान के शिल्पकार सामाजिक न्याय के महान प्रवर्तक बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर दौराला मंडल के धंजू गांव स्थित उनकी प्रतिमा/चित्र पर दौराला भाजपा मंडल अध्यक्ष मनिंदर विहान भराला के नेतृत्व में माल्यार्पण करते हुए संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करना किया। इस दौरान ग्राम प्रधान राहुल खरे, मंडल महामंत्री रवि पूनिया, मंडल उपाध्यक्ष डॉ धनेश कुमार, आईटी प्रभारी विनीत विहान, संजीत वाल्मीकि, पार्षद हितेश पाल, विवेक सैन, नवनीत खरे, अंकित विहान, विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

अब्दुल्लापुर में सोते हुए युवक पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

भावनपुर/लावड़। कस्बा लावड़ निवासी दानिश पुत्र स्व मुजम्मिल अपनी मौसी के लड़के तालिब पुत्र सलीम के साथ मेरठ के अब्दुल्लापुर में रहकर सड़क के किनारे फलों की दुकान लगाता है वो बीते कई वर्षो से वहां रहकर फलों का कारोबार कर रहा है। बताया जाता है कि सोमवार की देर रात वो अब्दुल्लापुर में अपनी दुकान पर ही सोया हुआ था और उसकी मौसी का बेटा तालिब रोज की तरह अपने घर सोया हुआ था तभी देर रात को लगभग आधा दर्जन युवक आए और सोते हुए दानिश पर धारदार हथियारों ओर लाठी डंडों से हमला कर दिया उन्होंने दानिश पर जान से मारने की नियत से जमकर प्रहार किए जिसमें उसके चेहरे पर आंख के ऊपर गंभीर चोट लग गई वही उसका सिर भी फट गया दानिश के चीखने चिल्लाने पर हमलावर उसे अधमरा कर फरार हो गए। दानिश को मेरठ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

वहीं थाना भावनपुर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने जिनके विरुद्ध मुकदमा किया पंजीकृत वो सीसीटीवी के सामने अपने घर में थे मौजूद।

बताया जाता है कि पुलिस ने जिन युवकों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है वो युवक घटना के समय अपने घर में मौजूद थे और घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी नजर आ रहे हैं। अब सवाल ये बनता है कि पुलिस ने बिना जांच किए दोनों युवकों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कैसे कर दिया और अगर वह आरोपी नहीं है ओर उनकी लोकेशन घर की है तो हमलावर आखिर कौन थे उसकी दानिश से क्या दुश्मनी थी जो इतनी बेरहमी से उसे मारना चाहते थे। ये जांच का विषय है। बताया जाता है कि जिन युवकों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत हुआ है दो दिन पहले उनकी तालिब से मामूली कहासुनी हुई थी। हालांकि घटना के समय वो युवक अपने घर में मौजूद थे जिसकी सीसीटीवी फुटेज भी उनके पास है।

पिता की मौत के बाद परिवार का पालन पोषण कर रहा है दानिश

मिली जानकारी के अनुसार लावड़ निवासी दानिश के पिता की लंबी बीमारी के बाद मौत हो गई थी जिसके बाद परिवार के पालन पोषण की जिम्मेदारी पूरी तरह उस पर आ गई जिसके बाद उसने मेहनत मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करना शुरू किया था। इसके बाद वह अब्दुल्लापुर में अपनी मौसी के लड़के तालिब के साथ फलों की दुकान लगाता है और रात को वहीं दुकान पर ही सोता है।

मासूम शर्मा की फिल्म 'लाइसेंस' का दूसरा गाना 'लाइसेंस का असला' हुआ रिलीज

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। हरियाणवी सुपरस्टार मासूम शर्मा अभिनीत फिल्म लाइसेंस का ट्रैक लाइसेंस का असला रिलीज हो गया है। यह गाना मासूम शर्मा के सिग्नेचर स्टाइल को दर्शाता है, जिसमें मजबूत बीट्स के साथ बोल्ड हरियाणवी बोलों का मिश्रण है, जो निश्चित रूप से इस क्षेत्र के प्रशंसकों के दिलों को छू लेगा। एक्टर, कंपोजर और गायक मासूम शर्मा ने कहा, 'लाइसेंस का असला' फिल्म की संगीतमय यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। 'गच लागे' की सफलता के बाद, हमारा लक्ष्य स्तर को और ऊंचा उठाना था, और यह गाना ठीक वैसा ही करता है। यह फिल्म के सार को पूरी तरह से पकड़ता है और रिलीज तक समग्र उत्साह को बढ़ाता है। यह ट्रैक फिल्म के रवैये और शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, और मुझे विश्वास है कि प्रशंसकों को यह पसंद आएगा।

संघर्ष और प्रेरणा से भरा है बाबा साहब का जीवनः नासिर सैफी

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा पश्चिम उत्तर प्रदेश मीडिया प्रभारी नासिर सैफी के लिसाड़ी रोड गुलमर्ग कॉलोनी स्थित कार्यालय पर संविधान के रचयिता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुए पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी गई। नासिर सैफी ने कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष और प्रेरणा से भरा है। बाबा साहब के विचारों ने भारत में सामाजिक न्याय और समानता की दिशा मे एक महत्वपूर्ण योगदान के साथ साथ हमारे देश को दुनिया का सबसे मजबूत संविधान दिया है। बाबा साहब के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान भाजपा नेता यूनुस सैफी, महानगर उपाध्यक्ष राशिद मेवाती, महानगर मीडिया प्रभारी आसिफ सैफी, महानगर सोशल मीडिया प्रभारी मुस्तकीम कुरैशी, सक्रिय सदस्य शादाब कुरैशी, आबिद सैफी उपस्थित रहे।

उत्साह और आस्था के साथ किठौर में मनाई गई बाबा साहेब की जयंती

चेयरमैन सलमान मुनकाद ने फीता काटकर किया शुभारंभ, भावभीनी श्रद्धांजलि दी

शाह टाइम्स संवाददाता

किठौर। कस्बा किठौर मंगलवार को उस वक्त जोश, श्रद्धा और उत्साह से सराबोर नजर आया, जब भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही धूमधाम और गरिमामय अंदाज में मनाई गई। इस ऐतिहासिक अवसर पर कार्यक्रम कमेटी के नेतृत्व एवं सहयोग से अम्बेडकर भवन पर भव्य, सुव्यवस्थित और गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र को एकता और सम्मान के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मेरठ- गढ़ मार्ग हापुड़ तिराहे से हुई, जहां सलमान मुनकाद, बाबूजी इल्यास, फरमान मुनकाद और चौधरी मशकूर द्वारा फीता काटकर आयोजन का शुभारंभ किया। इसके बाद सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कस्बे के गणमान्य नागरिकों, युवाओं और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे माहौल पूरी तरह बाबा साहेब के जयकारों से गूंज उठा। अपने प्रभावशाली संबोधन में सलमान मुनकाद ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, समानता और संविधान की शक्ति का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने सभी से उनके आदर्शों को अपनाने और समाज में भाईचारे को मजबूत करने का आह्वान किया। अम्बेडकर भवन को आकर्षक रोशनी और साज-सज्जा से इस तरह सजाया गया था कि पूरा परिसर भव्यता की मिसाल बन गया। कार्यक्रम के अंत में लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी और बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सभासद इमरान मुनवा, जानू सैफी, डॉक्टर बीर सिंह, डॉक्टर ज्ञानेंद्र, शोएब उर्फ गुड्डे, जावेद जुबैर, कासिम आफताब, जावेद शमसाद, आबिद दुल्हाघर, नेता जी गुलफाम, मास्टर जी आरिफ, छात्र नेता शान मोहम्मद, सागर ब्रह्मपाल, आरिफ कुरैशी, शेरू सज्जाद, अली त्यागी, कादिर जुल्फिकार, जुल्ला भैय्या, भूरा फिरासत, आतिफ हैदर, डॉक्टर तुषार सागर सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

दशमेश पब्लिक स्कूल रामराज में पर्सनालिटी डेवलपमेंट व प्रभावी शिक्षण कार्यशाला आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। रामराज की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था दशमेश पब्लिक स्कूल में पर्सनैलिटी डेवलपमेंट एवं प्रभावी शिक्षण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला प्रख्यात पर्सनैलिटी डेवलपमेंट विशेषज्ञ एवं टीचर ट्रेनर सुश्री शैघ्ली तिवारी द्वारा संचालित की गई। उन्होंने बताया कि बच्चों में अनुशासन के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होना अत्यंत आवश्यक है उन्होंने कहा कि बच्चों को स्कूल असेंबली में कविता पाठ भाषण समाचार पढ़ने के अवसर दिये जाने चाहिए। उन्होंने बच्चों में कम्युनिकेशन स्किल को बढ़ाने पर भी जोर दिया तथा बच्चों की शिक्षा को सरल बनाने के अनेकों टिप्स दिए ताकि बच्चे खेल-खेल में पढ़ाई को आसान तरीके से पढ़ सके। सुश्री शैघ्ली तिवारी को शिक्षा क्षेत्र में 20 वर्षों का समृद्ध अनुभव है तथा उन्होंने मुंबई, दिल्ली और मेरठ के प्रतिष्ठित विद्यालयों में कार्य किया है। कार्यशाला में शिक्षकों को आत्मविश्वासपूर्ण व्यक्तित्व और प्रभावी शिक्षण के लिए उपयोगी टिप्स दिये गये। कार्यक्रम में निदेशक डॉ. सिम्मी सहोता प्रधानाचार्य आमिर खान कोऑर्डिनेटर स्वाति अरोड़ा एवं मनजोत कौर तथा समस्त स्टाफ ने उनका स्वागत किया।

डॉ. कृष्णपाल ने बाबा साहेब को श्रद्धासुमन किए अर्पित

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। भारतीय संविधान के निर्माता, दलित, शोषित, वंचित, पिछड़ों व अखलियत के मसीहा, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के शेरगढ़ी, कुटी चौपला, जयभीम नगर, कालिया गढ़ी व अंबेडकर चौक में आयोजित कार्यक्रमों में डॉ. कृष्णपाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

रणबीर दहिया ने बाबा साहेब की मूर्ति पर किया माल्यार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। सिवाल खास के गांव रोहटा, घसौली, मीरपुर, डालमपुर, रसूलपुर जाहिद आदि गांव में बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। राष्ट्रीय लोक दल के वरिष्ठ नेता रणबीर दहिया ने क्षेत्र में पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। रणबीर दहिया ने कहा बाबा साहब ने संविधान का निर्माण कर देश को समानता स्वतंत्रता और न्याय का अमूल्य उपहार दिया। उनका जीवन हमेशा प्रेरणादायक रहेगा जब तक भारत है और भारत में संविधान है तब तक अंबेडकर हमारे बीच जिंदा रहेंगे। इस अवसर पर डॉक्टर देवेंद्र गौतम, पुकार बड़ौदा, जयराज सिंह एडवोकेट आदि प्रमुख रूप से प्रोग्राम में मौजूद रहे।

अंबेडकर जयंती पर किसान आंदोलन ने किया माल्यार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। पूर्वी कचहरी मार्ग स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर भारतीय किसान आंदोलन के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप त्यागी ने कहा कि बाबा साहेब द्वारा देखे गए समतामूलक भारत के सपने आज साकार होते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि देशभर में आंबेडकर जयंती के अवसर पर स्मृति गोष्ठियां, रैलियां, जनसभाएं, भंडारे और छबील का आयोजन कर लोगों ने उत्साहपूर्वक उन्हें याद किया। यह दर्शाता है कि देश के नागरिक समानता और न्याय की भावना से ओत-प्रोत हैं। कुलदीप त्यागी ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन वंचितों, शोषितों, महिलाओं, किसानों और गरीबों को मुख्यधारा में लाने के लिए समर्पित रहा। आज के दिन हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर उत्तराखंड प्रभारी मोहन सिंह नेगी, बृजेश चौहान, विपिन गुर्जर, एडवोकेट सुशील गौड़ और वरिष्ठ समाजसेवी आरपी सिंह सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बाबा साहेब की जयंती पर रसूलपुर धौलडी में निकली शोभायात्रा

एनएचएम पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष ने भी पिलाया शोभायात्रा में मीठा जल

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। जानी ब्लॉक के गांव रसूलपुर धौलड़ी व नानू कतेहपुर में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर शोभायात्रा बड़ी रथों, बग्गियों, ट्रैक्टर, डीजे, ढोल नगाड़ों के साथ भव्य झांकी का आयोजन किया गया जिसमें सभी महापुरुषों बाबा साहेब, तथागत बुद्ध, शाहू जी महाराज, ज्योतिबा फुले, बाबा गाडगे, झलकारी बाई सहित सभी महापुरुषों की तस्वीरों को रथ और बग्गियों पर सजाया गया। डीजे और ढोल नगाड़ों के साथ सभी जोश से भरपूर युवाओं के डांस और जय भीम और जब तक सूरज चांद रहेगा बाबा तेरा नाम रहेगा जैसे नारों ने झांकी में और चार चांद लगा दिए। हजारों की संख्या में सर्व धर्म सर्व जातियों के लोगों के साथ साथ अत्यधिक संख्या में महिलाओं ने भी झांकी में अपनी सहभागिता दिखाई। प्रवीण राजवंश नानू ने कहा कि बाबा साहेब मात्र दलितों के नेता नहीं है बल्कि उनका योगदान उनका संघर्ष उनके कार्य देश मे रहने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए है चाहे वह किसी भी धर्म किसी भी जाति से सरोकार रखते हो। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन देश के उत्थान और देश के नागरिकों की भलाई में न्यौछावर कर दिया। उनके योगदान की अगर बात की जाए तो महिलाओं को दिए गए सभी अधिकार, रिजर्व बैंक की स्थापना, भांखडा नांगल बांध, श्रमिकों को 8 घंटे की समय सीमा का निर्धारण, सभी को शिक्षा समानता स्वंत्रता का अधिकार सभी देश के प्रत्येक नागरिक को बाबा साहेब की बदौलत ही मिल पाए है। इस दौरान शोभायात्रा में मुख्य चौराहा पर एनएचएम पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष डॉक्टर नफीस राजपूत ने मीठा जल पिलाया जिसमें सभी ने उनकी सराहना की। उधर, आजाद समाज पार्टी के मंडल प्रभारी बिजेंद्र सूद, निक्की जाटव, हिन्दू युवा वाहिनी के गौरव गुर्जर, दीपक, राजे गौतम आदि मौजूद रहे।

बाबा साहेब पर अभद्र टिप्पणी से समाज के लोगों में रोष

परीक्षितगढ़। ग्राम दबथला में अंबेडकर जयंती पर गांव के ही प्रीत पुत्र मनोज कुमार अनुज पुत्र सतीश अमरदीप पुत्र उपदेश ग्राम दबथला थाना परीक्षितगढ़ ने सोशल मीडिया पर बाबा साहब के ऊपर अभद्र टिप्पणी कर दी जिससे समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया काफी संख्या में लोग इकट्ठा होकर परीक्षितगढ़ थाने पहुंचे तथा तीनों के खिलाफ नामजद तहरीर देते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गोकशी के शातिर वांछितों को भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। थाना पुलिस ने गोकशी के दो शातिर वांछित अपराधी जो काफी समय से फरार चल रहे थे उन अपराधियों को पकड़कर कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया थाना प्रभारी सुदीश सिंह सिरोही ने बताया कि 2025 में गांव झबबापुरी के जंगल मे गोकशी हुई थी जिसमें दस किलो गोमांस बरामद भी हुआ था उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देश में वांछित दो अपराधियों मेहंदी हसन व रज्जाक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत सिसौला बुजर्ग विकास खण्ड जानी खुर्द, मेरठ

पत्रांक: मीमो/2026-27 दिनांक: 13.04.2026

निविदा सूचना

जिलाधिकारी महोदय मेरठ के आदेशों के अनुपालन में ग्राम पंचायत सिसौला बुजर्ग में एस.बी.एम./पंचम राज्य वित्त आयोग/15वां वित्त/16वां वित्त आयोग एवं मनरेगा की धनराशि से वर्ष 2026-27 में कराये जाने वाले समस्त निर्माण कार्यों में प्रयुक्त होने वाली निर्माण सामग्री जैसे- 1. बालू रेत, मिट्टी भराव कार्य, ईंट, सीमेंट, कोरसेन्ड, रोड़ी, सरिया, डस्ट, कच्चा रोड़ा, पत्थर रोड़ा, इंटरलॉकिंग टाईल्स, फ्लोर व वॉल टाईल्स, 2. सोलर लाईट स्थापना व मरम्मत, स्ट्रीट लाईट स्थापना व मरम्मत, 3. लोहे की बेंच, ओपन जिम, लाईब्रेरी, स्कूल झूला, 4. टंकी फिटिंग, हैण्ड पम्प मरम्मत व रिबोर का सामान, 5. स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्र व पंचायत कार्यालय में स्टेशनरी/फर्नीचर एवं उपयोगी वस्तुओं की आपूर्ति, 6. विद्युत उपकरण फिटिंग व सामग्री, 7. वॉल पेटिंग, फ्लेक्सी, यूनिपोल, 8. स्टेशनरी, डस्टबिन, कम्प्यूटर उपकरण, कैमरा, प्रिन्टर, 9. चैनल फब्रिकेशन, दरवाजे, खिड़कियां आदि, 10. कोरोना/आपदा बचाव सामग्री, 11. तालाब/नाला सफाई कार्य हेतु जेसीबी व ट्रैक्टर ट्रॉली तथा सफाई उपकरण इत्यादि, 12. ई-रिक्शा क्रय, फोगिंग मशीन क्रय, वाटर कूलर, आर.ओ. आदि सामग्री की समय पर आपूर्ति, 13. कूड़ा निस्तारण हेतु प्लास्टिक/पेंट बोतल कटिंग मशीन क्रय, 14. सिटीजन इंफोरमेशन बोर्ड/सामग्री (मनरेगा) हेतू वित्तीय वर्ष 2026-27 में कार्यस्थल पर आपूर्ति करने के लिए पंजीकृत ठेकेदार-फर्म से निविदाएं दिनांक 23.04.2026 व समय पूर्वान्ह 11:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। समस्त आमन्त्रित निविदाएं दिनांक 23.04.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे पंचायत सचिवालय पर निविदादाता के समक्ष खोली जायेगी। निविदादाता का व्यापारकर/आयकर में पंजीकृत होना आवश्यक है। निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क देकर दिनांक 15.04.2026 से 22.04.2026 तक पंचायत सचिवालय से क्रय की जा सकती है। सम्बन्धित कार्य के लिए सामग्री आपूर्ति की निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

प्रधान
ग्राम पंचायत सिसौला बुजर्ग
वि.ख. जानी खुर्द, मेरठ।

सचिव
ग्राम पंचायत सिसौला बुजर्ग
वि.ख. जानी खुर्द, मेरठ।

सपाइयों ने जनपद में जगह-जगह मनाई भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता
बागपत। सपा कार्यालय पर सपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने भारतीय संविधान के शिल्पकार विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, महिलाओं के अधिकारों के रक्षक, भारत-रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई।

जयंती के अवसर पर जनपद में समाजवादी पार्टी के बैनर तले जगह-जगह जयंती पर कार्यक्रम किए गए। कार्यालय पर सपाइयों ने बड़ी संख्या में बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद जनपद प्रमुख रूप से विनयपुर, ढूकाली, फुलेरा, टटीरी, डौला, नगंला, डौलचा, लुहारा, खेकडा, रटौल, पुरा महादेव, चौहल्दा, अहैड़ा, तितरौदा, गुराना रोड बडौत, ढिकाना, निनाना में भाव्यऔर विशाल कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आज के इस पावन अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष रविंद्र देव यादव व पूर्व जिलाध्यक्ष बिल्लू प्रधान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के निर्माता और समानता के प्रतीक थे यह दिन उनके षशिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो के संदेश को याद करने, जातिवाद के खिलाफ उनके संघर्ष को सम्मानित करने और समानता व शिक्षा के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लेने का अवसर है। जनपद में विभिन्न स्थान पर जयंती के अवसर पर किए गए कार्यक्रमों में समाजवादियों ने डा. भीमराव अंबेडकर को याद करते हुए संविधान की रक्षा कलने और आमजन के अधिकारों के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रदेश सचिव संजीव त्यागी, जिला उपाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह गुर्जर, राहुल यादव, नगेंद्र सिंह, रवि बैसला, कर्मवीर गर्जर, काला विधूड़ी, राजवीर गर्जर, पवन, हिम्मद, संतरा देवी आदि मौजूद रहे।

बाबा साहब की जयंती पर अधिवक्ताओ ने किए पुष्पांजलि अर्पित

शाह टाइम्स संवाददाता
बडौत। तहसील में भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर सभी अधिवक्ता गणों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किए।

सभा की अध्यक्षता हरवीर सिंह एडवोकेट व संचालन महामंत्री पुष्पेंद्र कुमार एडवोकेट ने किया। वरिष्ठ समाजसेवी मोहित चौहान ने कहा कि डा.अम्बेडकर के विचार केवल एक वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे पूरी मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा डा. अम्बेडकर केवल एक संविधान निर्माता नहीं थे, बल्कि वे एक दूरदर्शी समाज सुधारक और महान शिक्षाविद् भी थे। हरबीर सिंह ने कहा कि आज के युवाओं को अपने जीवन में उतारने की अत्यंत आवश्यकता है। हरेंद्र तोमर कोषाध्यक्ष ने कहा कि संगीत की तरह ही समाज में भी समरसता होनी चाहिए, जैसा बाबासाहेब का सपना था। पुष्पेंद्र कुमार ने युवाओं से डा.अम्बेडकर की जीवनी पढ़ने और उनके बौद्धिक योगदान को समझने का आग्रह किया। समाज के वंचित वर्गों के प्रति बाबासाहेब के समर्पण को याद करते हुए उन्हें क्रांति का प्रतीक बताया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष ईश्वर सिंह, वेदपाल पवार, सतपाल पवार, तेजवीर सिंह, मोहित चौहान, सचिन चौहान गुलशन मौर्य, सत्येंद्र सिंह, मदन तेजान, रामप्रसाद, निखिल पोरिया, हरेंद्र तोमर, विनोद मान व अन्य लोग मौजूद रहे।

नगर पंचायत पर आधार कार्ड मशीन सेवा शुरु

शाह टाइम्स संवाददाता
रटौल। नगर पंचायत पर कस्बें के लोगो की समस्या देखते हुए नगर पंचायत ऑफिस पर आधार कार्ड मशीन लगा शुभारंभ किया गया है जिससे कस्बें के लोग आधार से सम्बंधित कार्य नगर पचायत कार्यलय पर करा सकेगे। नगर पचायत अध्यक्ष हाजी मुंतजिर नें कहा कि पहले कस्बें के लोगो को आधार ठीक कराने बाहर जाना पड़ता था अब वह अपने कस्बें में ही आधार से जुड़े कार्य करा सकेगे।

रटौल नगर पंचायत एक बड़ा कस्बा है यहा की आबादी तीस हजार है लेकिन यहा आधार कार्ड मशीन न होने के कारण लोगो को ढिकोली, बागपत आदि स्थानों पर जाना पड़ता था जिससे कस्बें के लोगो से पैसा भी वसूला जाता था। लोगो की समस्या देखते हुए नगर पंचायत चैयरमैन हाजी मुंतजिर नें नगर पंचायत कार्यलय पर ही आधार मशीन का कार्य शुरू करा दिया जिससे आधार करेक्शन, नये आधार कार्ड, या आधार से जुड़ी कोई भी समस्या को दूर किया जायेगा। मंगलवार को नगर पंचायत कार्यलय पर आधार मशीन सेंटर का उदधाटन हुआ है जिसमें बोलते हुए नगर पंचायत चौयरमैन हाजी मुंतजिर ने कहा कि लोगो की समस्या दूर करना ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वह जनता के चुने नुमाइंदे है, कस्बें के लोगो की कोई समस्या है उन्हें अवगत कराये साथ के साथ समाधान किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि वह जनता की सेवा करने के लिए नगर पचायत अध्यक्ष बने है और जनता का कार्य करना उनका फर्ज है। इस मौकें पर महबूब, सचिन, मनंसूर अली, गुडडू,आस मौहम्मद सहित लोग मौजूद रहे।

अनिकेत फार्म हाउस पर मनाई डॉ.अंबेडकर की 135 वीं जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता
बडौत। नगर की पूर्वी यमन नहर के निकट अनिकेत फार्म हाउस पर संविधान के निर्माता भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 135 वी जयंती बड़ी धूमधाम के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अरविंद कुमार ने की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजीव कुमार मान प्रमुख समाजसेवी रहे। विशिष्ट अतिथि नीरज मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डा.पंकज कुमार ने डा. भीमराव अंबेडकर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उनके आदर्शों पर चलने के लिए सभी लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप मे उपस्थित हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी बागपत श्याम सुंदर इकनोरिया ने डा.भीमराव अंबेडकर के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वह समाज सुधारक थे उन्होंने हमेशा समाज के हितों की रक्षा करते हुए समाज हित में कार्य किये। हम उनके बताएं मार्ग पर चलने का कार्य हमेशा करते रहेंगे।

एक नजर

धूमधाम से मनाई आंबेडकर जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता
बिनौली। आंबेडकर जयंती के अवसर पर दरकावदा गांव के अंबेडकर भवन परिसर में कार्यक्रम हुआ। जिसमें कलाकारों ने सास्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अनिल प्रधान, सईद प्रधान, भूरा ठेकेदार, इकबाल, दूधन, सुखपाल, मनोज, जयपाल, बिजेंद्र, विनोद, मिंटू, सलेकचंद, नसीम व संदीप ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी विच. ारधारा, आदर्श व सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प लिया।

बिनौली ब्लाक सभागार में ब्लॉक प्रमुख कुलदीप तोमर, बीडीओ नरेंद्र सिंह, एडीओ प्रेम कुमार व ब्लॉक कर्मियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। बिनौली, बरनावा, , सिरसली, जौहडी, जिवाना, गढ़ीदुल्ला, शेखपुरा आदि गांवों में भी कार्यक्रम हुए। उधर जिवाना के गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, सेंट आरवी कॉन्वेंट स्कूल, तितरौदा के ओमेगा वर्ल्ड सीनियर सेकेंडरी, बुडेढा के श्री नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज, बिनोली के न्यू एरा वर्ल्ड स्कूल, जय पारस पब्लिक स्कूल, बामनौली के आरएस कॉलेज आफ एजुकेशन आदि शिक्षण संस्थानों में भी अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम हुए। इस दौरान उनके चित्र व प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया।

दिल्ली-सहारनपुर एक्सप्रेसवे पर कट बंद करने के विरोध में धरने पर बैठे किसान

शाह टाइम्स संवाददाता
बडौत। दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेसवे पर गांगनौली अंडरपास के पास एक कट बंद किए जाने की सूचना पर क्षेत्र के लोग विरोध में उतर आए हैं। जमकर नारेबाजी करते हुए किसान धरने पर बैठ गए।

ग्रामीणों ने मंगलवार को जमकर धरना प्रदर्शन किया और घोषणा की कि कट बंद न हो इसके लिए वे रातभर पहरा देंगे। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि कट बंद किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। किसानों का हंगामा होता देख अधिकारी वहां से खिसक गए। भाकियू नेता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को सहारनपुर से उद्घाटन करेंगे। मार्ग को मंगलवार को वाहनों के लिए खोला जाना है। बताया कि गांगनौली गांव के अंडरपास के पास क्षेत्रवासी काफी समय से कट दिलाए जाने की मांग करते आ रहे हैं और यहां बनाए गए कट को किसी भी कीमत पर बंद नहीं होने देंगे। उन्हें सूचना मिली कि कट बंद करने के लिए अधिकारी व कर्मचारी पहुंच रहे हैं तो इसके विरोध में काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। बताया कि इस कट से करीब 40 गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा। इस कट को किसी भी कीमत पर बंद नहीं होने देंगे। लोगों ने कट पर ही रात्रि में पहरा देकर निगरानी शुरू कर दी। मौके पर 11 लोगों को निगरानी के लिए छोड़ा गया है। यदि रात्रि में अधिकारी कट बंद कराने पहुंचे तो वह सूचना दे सकें। इस मौके पर बिजेंद्र प्रधान, पूर्व प्रधान धर्मेंद्र राठी, विपिन राठी, संजीव राठी, रणसिंह, पवन राठी, राजेंद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

अम्बेडकर जयंती पर निकाली गई शोभा यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता
रटौल। अम्बेडकर जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। जयंती के मौकें पर कस्बें में शोभा यात्रा निक. ाली गई। वही एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बाबा सहाब भीम राव अंबेडकर के विच. ारों और समाज के हित के लिए की गयी बातो को साझा किया गया।

रटौल में अंम्बेडकर जयंती के मौकें पर बस स्टैंड स्थित अंबेडकर प्रतिमा पर सुबह से ही लोगो नें पुष्प अर्पित किए। कस्बें के चैयरमैन हाजी मुंतजिर नें भी पहुंच बाबा भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माला अर्पण की और बाबा भीम राव अंबेडकर के लिए विचार प्रकट किये। उन्होंने कहा कि बाबा सहाब नें हमेशा देश हित के लिए कार्य किया। वह हमेशा गरीबों और मजलूमों के हित की बात करते थे सविधान में भी उन्होंने देश हित के लिए काम किया माला अर्पण के बाद कस्बें में धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गयी, जो रटौल अंबेडकर भवन से लेकर कस्बें के विभिन्न मार्गो से होते हुए रटौल नाज फार्म हाऊस पर पहुंची जहा युवाओं के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाना है।

मुबारकपुर में आंबेडकर जयंती पर छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता
खेकडा। क्षेत्र के मुबारकपुर गांव में डा. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर हरिजन चौपाल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन विजेंद्र ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजक प्रदीप कुमार थे।

इस अवसर पर मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में केटी विंग के संस्थापक कपिल त्यागी और खेकड़ा स्थित महामना मालवीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य जितेंद्र धामा उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन और देश के लिए उनके महत्वपूर्ण योगदानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि कपिल त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब द्वारा रचित भारतीय संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता और शिक्षा का अधिकार प्रदान किया है। उन्होंने जोर दिया कि इन्हीं संवैधानिक मूल्यों के कारण आज भारत विश्व पटल पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बना चुका है। इस कार्यक्रम में अमित त्यागी, मित्तन पहलवान, राहुल, अजय, राजेंद्र, मुकेश, सत्यवीर, निकुंज त्यागी, सतीश त्यागी और गरीब राम सहित क्षेत्र के कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंत में, सभी उपस्थित लोगों ने डा. अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया।

डा. भीमराव आंबेडकर की 35वीं जयंती के अवसर पर दुवासु में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

मथुरा। भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान (क्न्ट ौन्), मथुरा के प्रशासनिक भवन में एक गरिमामय स्मारक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अभिजित मित्र द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार के रूप में डॉ. बी.आर.आंबेडकर के अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने सामाजिक न्याय, समानता एवं शिक्षा के क्षेत्र में जो अमूल्य कार्य किए, वे आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। डॉ. मित्र ने डॉ. आंबेडकर के समावेशी एवं प्रगतिशील समाज के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं छात्रों से उनके आदर्शों को अपने व्यावसायिक तथा व्यक्तिगत जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए डॉ. आंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके सिद्धांतों एवं मूल्यों का पालन करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अम्बेडकर की जयंती पर किया नमन

शाह टाइम्स संवाददाता
बडौत। शहर कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर पदाधिकारीयो व कांग्रेस समर्पित कार्यकर्ताओं ने भारतीय संविधान के शिल्पकार महान शिक्षाविद समाज सुधारक महान कानूनविद भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती बडे ही उत्साह पूर्वक धूमधाम से मनाई। उनकी तशवीर पर माल्यार्पण श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावपूर्ण स्मरण करते हुए शत-शत नमन किया।

इस मौके पर विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रदेश महासचिव एवं निवर्तमान जिलाध्यक्ष चौधरी रामकुमार सिंह ने कहा डा.भीमराव अम्बेडकर ने दुनिया के सबसे सर्वश्रेष्ठ सविंधान का निर्माण किया। बाबा साहब ने भारत का संविधान बनाकर सभी को एक साथ जोडकर चलने का नारा दिया था हमे उनके आदर्शों पर चलना चाहिए। उन्होंने असहाय गरीब दलितो शोषित तबके के लोगों किसान मजदूर महिलाओं को समान अधिकार सम्मान से फलीभूत किया। शहर अध्यक्ष रामहरि पंवार ने कहा कि अम्बेडकर ने शिक्षित बनो संगठित बनो सघर्ष करो का जो सपना देखा था। आज धरातल पर दिखाई देता है यह नारा सामाजिक सुधार और सशक्तिकरण के लिए उनके दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस अवसर पर मदन सिंह, शिवकुमार, औमबीर, डा.सुभाष, शमीम, शोकेन्द्र, रामरंग, चाहीराम, रविन्द्र, नन्दकिशोर, बोबी, प्रेमपाल औकार दत्त आदि उपस्थित रहे।

केटी विंग ने किए बाबा साहब अम्बेडकर के चित्र वितरित

शाह टाइम्स संवाददाता
खेकड़ा। क्षेत्र व जनपद के सैकड़ो गाँवों में प्रमुख समाजसेवी व व्यावसायिक कपिल त्यागी उर्फ केटी भैया की समाजिक संस्था केटी विंग की टीम ने गाँव-गाँव जाकर गाँव के प्रमुख व्यक्तियों सहित हरिजन बस्तियों में बाबा साहब डा.भीमराव अम्बेडकर के चित्रों को वितरित किया। इस दौरान गाँव मुबारिकपुर में बाबा साहब की जयन्ती पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।
बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कपिल त्यागी ने कहा बाबा साहब केवल संविधान के निर्माता ही नही अपितु वह स्वतन्त्र भारतवर्ष में कान्ति का विगुल फूंकने वाले केशव है। उन्होंने सामा. जिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े हुए लोगों को शिक्षा रूपी जादुई छड़ी देते हुए कहा शिक्षा शेरनी का वह दूध हैं इसे जो पियेंगा वह दहाड़ेगा। बाबा साहब के सिद्धान्तों से प्रेरित केटी विंग विक. सित बागपत निर्माण अभियान द्वारा बागपत को विकसित करने के लिए निरंतर गतिमान है।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एमएम इण्टर कॉलिज के प्रधानाचार्य जितेंद्र धामा ने बाबा साहब की जयन्ती पर शुभकामनाएं देते हुए कहा खेल, शिक्षा और सुरक्षा जैसे अभियानों के माध्यम से बागपत को शैक्षिक, आर्थिक, सामाजिक और वैचारिक रूप से केटी विंग द्वारा विकसित बनाने का यह प्रयास वंदनीय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कपिल त्यागी और संचालन बिजेंद्र बाबूजी ने किया। इस अवसर पर प्रदीप, मित्तल पहलवान, अमित त्यागी, राहुल, अजय, राजेन्द्र, मुक. ेश, सतवीर, सतीश, नकुल, सचिन, अक्षय आरोरा आदि उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न बाबासाहेब डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती को पर्व की तरह मनाया

शाह टाइम्स टाइम्स संवाददाता
बागपत। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा आज पूरे जनपद में भारत रत्न बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती को पर्व की तरह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर भाजपाइयों ने सर्वप्रथम बाबासाहेब की प्रतिमाओं एवं सार्वजनिक स्थलों पर विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया। तत्पश्चात सभी मंडलों, बूथों एवं शक्ति केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित कर बाबासाहेब के चित्र व तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यकर्ताओं ने बाबासाहेब के शशिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करोश के संदेश को आत्मसात करते हुए उनके बताए पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि बाबासाहेब ने संविधान के माध्यम से वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्ग को मुख्यधारा में लाने का कार्य किया। उनके विचार आज भी श्एक भारत-श्रेष्ठ भारतश के निर्माण में हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा जी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता के लिए बाबासाहेब की जयंती केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता का संकल्प दिवस है।

I iL—fr fofo e 21 fnu fn ;k Ik¶V fLdY I vkj rduhdh çf'k{k.k

'kkg VkbEl I ok nnkrk
eFkjkA संस्कृति विश्वविद्यालय में सॉफ्ट स्किल्स और तकनीकी दक्षता बढ़ाने के लिए 21-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका आयोजन आईटीसी एकादमी(भारत सरकार की एक पहल) द्वारा रेडिंगटन फाउंडेशन के सहयोग से किया गया था।

कार्यक्रम को दो हिस्सों में बांटा गया था, छह दिवसीय सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण, जिसके बाद आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी में 15-दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। शुरुआती छह दिनों में आवश्यक पारस्परिक कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों को प्रभावी संचार जिसमें मौखिक और गैर-मौखिक तकनीकें, सक्रिय श्रवण और आत्मविश्वास निर्माण, का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में समय प्रबंधन की रणनीतियाँ, कार्यों को प्राथमिकता देने के तरीके और पेशेवर शिष्टाचार जैसे ईमेल और कार्यस्थल पर व्यवहार को भी शामिल किया गया। सॉफ्ट स्किल्स के अंतिम सत्र में इंटरैक्टिव गतिविधियों और भूमिका-निभाने वाले अभ्यासों के माध्यम से नेतृत्व गुणों, टीम वर्क, निर्णय लेने की क्षमता और समस्या-समाधान पर विशेष जोर दिया गया। तकनीकी प्रशिक्षण सातवें दिन से शुरू हुआ और इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मूल सिद्धांतों का गहन ज्ञान प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को डेटा हैंडलिंग, एल्गोरिदम का उपयोग करके समस्या-समाधान और एआई अनुप्रयोगों के लिए बुनियादी प्रोग्रामिंग जैसी मुख्य अवधारणाओं से परिचित कराया गया।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 77/3 गर्ग कॉम्पलेक्स ई.के. रोड निकट एन.ए.एस. कालिज, मेरठ (उप्र) से प्रकाशित।
सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0121-4005303, 4007303
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
UPHIN/2007/20661
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आंबेडकर जयंती पर सुरक्षा चाक-चौबंद, डीएम एसपी खुद उतरे मैदान में, किया माल्यार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोमवार को पूरे जनपद में श्रद्धा, उत्साह और जनभागीदारी का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। शहर की सड़कों पर सुबह से ही लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जबकि आंबेडकर तिराहे पर हजारों की संख्या में लोग एकत्र होकर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करते नजर आए।

जिलाधिकारी अभिषेक पांडे और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने आंबेडकर प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर डा. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संविधान निर्माता के आदर्शों पर चलने का संदेश भी दिया। इसके बाद डीएम और एसपी ने थाना हापुड़ नगर क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने मुख्य मार्गों, चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण करते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या हुड़दंग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूरे शहर में जगह-जगह झांकियां, रैलियां और शोभायात्राएं निकाली गईं, जिनमें बड़ी संख्या में युवाओं और सामा. जिक संगठनों ने भाग लिया। आंबेडकर तिराहे पर माहौल पूरी तरह भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना रहा, जहां लोग नारों के साथ बाबा साहेब को नमन करते दिखे। पुलिस प्रशासन की सतर्कता के चलते कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। भारी भीड़ के बावजूद यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। वहीं, शहरवासियों ने भी प्रशासन के साथ सहयोग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

पिलखुआ में समरसता की पहल, हर वर्ग को साथ लेकर चलने का आहवान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिलखुआ। सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को रेलवे रोड स्थित बाल मुकुंद धर्मशाला में सामाजिक सद्भाव एवं समरसता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 70 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाज में एकता और समरसता के संदेश को मजबूत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह शिवकुमार ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हर परिवार में श्रद्धा, नम्रता और योग्यता जैसे गुणों का विकास होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता का अर्थ केवल समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के सभी वर्गों, जातियों और समुदायों के बीच आपसी सम्मान, अपनत्व और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना ही सच्ची समरसता है।

उन्होंने कहा कि जब समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान मिलता है, तभी वास्तविक समरसता स्थापित होती है। इसके लिए आवश्यक है कि हम भेदभाव, ऊंच-नीच और संकीर्ण मानसिकता को त्यागकर एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति और सहयोग का भाव अपनाएं। परिवार और संस्कारों को समाज की एकता का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि मजबूत परिवार ही समरस समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती के साथ हुआ, जहां पूरे हॉल में देशभक्ति का वातावरण बन गया और उपस्थित लोगों ने जोरदार नारों के साथ एकता और अखंडता का संदेश दिया। इस अवसर पर उपेंद्र जिला संघचालक, विपिन नगर संघचालक, अभिषेक, हरीश, पवन तोमर, मनोज शिशोदिया, वरुण शर्मा, देवेंद्र शर्मा, प्रद्युम्न, विजय शर्मा सहित विभिन्न समाजों के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आंबेडकर जयंती पर हापुड़ में स्टंटबाजी का तांडव

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जहां एक ओर शहर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला, वहीं दूसरी ओर कुछ युवकों की लापरवाही और खतरनाक स्टंट ने लोगों की सां. सें थाम दीं। हजारों लोगों की भीड़ के बीच ऐसे नजारे सामने आए, जिन्होंने किसी बड़े हादसे की आशंका को भी जन्म दे दिया।

शहर में विभिन्न स्थानों पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि कार्यक्रमों के साथ विशाल रैलियां निकाली जा रही थीं। सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा हुआ था और लोग 'जय भीम' के नारों के साथ बाबा साहब को नमन कर रहे थे। इसी दौरान कुछ युवक भीड़ के बीच ट्रैक्टर को तेज रफ्तार में गोल-गोल घुमाते नजर आए। ट्रैक्टर की गति इतनी अधिक थी कि उसका नियंत्रण बिगड़ने पर किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता था। इसी बीच मेरठ रोड से आंबेडकर तिराहे की ओर आ रही एक रैली में दो युवकों ने अचानक सड़क किनारे लगे ऊंचे होर्डिंग पर चढ़कर खतरनाक करतब करना शुरू कर दिया। जब उनसे इस जानलेवा स्टंट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बेखौफ अंदाज में कहा कि उन्हें किसी का डर नहीं है और वे आगे भी ऐसे ही स्टंट करते रहेंगे। वहीं आंबेडकर चौराहे पर एक युवक ने भीड़ के बीच अपने कंधे पर मोटरसाइकिल उठाकर लोगों को हैरत में डाल दिया। जनसैलाब और जोश के बीच इस तरह के खतरनाक स्टंट ने कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए।

हालांकि पुलिस और प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही थी, लेकिन भीड़ के बीच इस तरह की लापरवाही किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती थी।

मोटरसाइकिल से पटाखा छोड़ रहे युवक ने की अभद्रता

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर जहां एक ओर शहर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला, वहीं दूसरी ओर भारी भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती साबित हुआ। इसके बावजूद हापुड़ नगर पुलिस ने मुस्तैदी और सूझबूझ का परिचय देते हुए पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया।

आंबेडकर तिराहे और तहसील चौराहे सहित प्रमुख स्थानों पर हापुड़ कोतवाल विनोद पांडेय के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा। जगह-जगह बैरिकेडिंग कर यातायात और भीड़ को नियंत्रित किया गया, जिससे व्यवस्था सुचारू बनी रही। हजारों लोगों की मौजूदगी के बीच पुलिस लगातार निगरानी करती रही। इसी दौरान आंबेडकर तिराहे पर एक युवक बुलेट मोटरसाइकिल से लगातार पटाखे छोड़ रहा था, जिससे आसपास मौजूद लोग परेशान हो रहे थे और अफरा-तफरी का माहौल बन रहा था। स्थिति को भांपते हुए कोतवाल विनोद पांडेय स्वयं मौके पर पहुंचे और युवक को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने विनम्रता के साथ युवक से भीड़ में पटाखे न छोड़ने की अपील की, लेकिन युवक ने पुलिस के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए बीच सड़क में मोटरसाइकिल खड़ी कर शोर मचाना शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद कुछ समझदार लोगों ने आगे बढ़कर युवक को समझाया और जयंती के पावन अवसर पर शांति बनाए रखने की बात कही। काफी समझाने के बाद युवक शांत हुआ और स्थिति सामान्य हो सकी। पुलिस की तत्परता और संयमित रवैये के चलते एक बड़ा विवाद टल गया। कार्यक्रम के दौरान कहीं भी कोई बड़ा व्यवधान नहीं हुआ और पुलिस की सक्रियता के चलते आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

कार की खिड़कियों-छतों पर बैठकर स्टंट, हाईवे पर खतरा ही खतरा

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब कुछ युवकों ने हुड़दंग मचाते हुए हाईवे पर कब्जा जैसा माहौल पैदा कर दिया। चलती गाड़ियों की खिड़कियों और छतों पर बैठकर युवकों ने जानलेवा स्टंट किए, जिससे न केवल उनकी खुद की जान जोखिम में पड़ी, बल्कि पीछे चल रहे वाहनों की रफ्तार भी थम गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हुड़दंग कर रहे युवक गाड़ियों के काफिले के साथ हाईवे पर चल रहे थे और अचानक उन्होंने वाहन की छत और खिड़कियों पर बैठकर खतरनाक करतब दिखाने शुरू कर दिए। इस दौरान हाईवे पर यातायात बाधित हो गया और पीछे चल रहे वाहन धीमी गति से रेंगने को मजबूर हो गए। स्थिति ऐसी बन गई कि किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता था। हाईवे जैसे व्यस्त मार्ग पर इस तरह की लापरवाही ने आम लोगों में दहशत पैदा कर दी। इस घटना ने हाईवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जहां एक ओर यातायात नियमों की अनदेखी साफ नजर आई, वहीं दूसरी ओर ऐसे हुड़दंगियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी उठने लगी है। फिलहाल पुलिस प्रशासन मामले की जांच में जुटा है और वायरल वीडियो के आधार पर हुड़दंग करने वाले युवकों की पहचान कर कार्रवाई की बात कही जा रही है।

पारिवारिक झगड़ा हुआ हिंसक, दोनों पक्षों में जमकर मारपीट व पथराव

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद के गढ़ कस्बे में आपसी पारिवारिक विवाद उस समय हिंसक हो गया जब दो सगे भाइयों के बीच कहासुनी ने मारपीट और पथराव का रूप ले लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, गढ़ कस्बे की टंकी वाली गली में रहने वाले दो भाइयों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। रविवार को यह विवाद अचानक इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के परिवार आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते कहासुनी ने उग्र रूप ले लिया और दोनों ओर से जमकर मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर भी फेंके गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के दौरान आसपास के लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन गुस्से में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमला करते रहे। इसी बीच किसी ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना को लेकर गढ़ कोतवाली पुलिस भी हरकत में आ गई है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र बिष्ट ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

एक नजर

रील के चक्कर में हद पार, हापुड़ हाईवे पर युवक की शर्मनाक हरकत वायरल

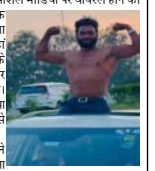

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद में रील बनाने और सोशल मीडिया पर वायरल होने की होड़ अब खतरनाक और शर्मनाक रूप लेती जा रही है। ताजा मामला दिल्ली-लखनऊ हाईवे का है, जहां एक युवक ने चलती गाड़ी के सनरूफ से बाहर निकलकर अशोभनीय तरीके से प्रदर्शन किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश है।

बताया जा रहा है कि प्रदर्शन करने वाला युवक एक बसपा नेता के जिला पंचायत सदस्य से जुड़ा बताया जा रहा है। युवक ने हाईवे जैसे व्यस्त मार्ग पर न केवल ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाईं, बल्कि सार्वजनिक मर्यादा को भी तार-तार किया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि युवक गाड़ी के सनरूफ से बाहर निकलकर शरीर का प्रदर्शन कर रहा है, जिससे आसपास चल रहे वाहन चालकों में असहजता और नाराजगी देखी गई। इस तरह की हरकत से हाईवे पर चल रहे अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई। अचानक ध्यान भटकने से किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक का काफिला कुछ दूरी तक इसी तरह हाईवे पर चलता रहा, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले का संज्ञान लेकर जांच की जा रही है और संबंधित युवक की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाबा साहेब डॉ० अम्बेडकर जन्मजयन्ती पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

y[kuÅA कार्यक्रम से पूर्व बाबा साहेब की प्रतिमा पर डॉ0 अम्बेडकर पार्क में माल्यार्पण कार्यक्रम किया गया, उसके बाद सभागार, जिला पंचायत में बाबा साहेब और भारत माता के चित्रों पर अथियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। सभा की अध्यक्षता करते हुए नरेन्द्र सिंह क्षेत्र सामाजिक समरसता संयोजक पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र ने कहा कि बाबा साहेब ने जिन विकृतियों के कारण बौद्ध धर्म को अपनाया, अगर ऐसा न करते तो देश में जगह जगह केरल और जम्मू कश्मीर हो जाते। मुख्य अतिथि राजेन्द्र क्षेत्र प्रचारक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघषों भरा रहा उनके जीवन संघर्ष को देश सदा स्मरण करेगा, उन्होंने हिन्दू धर्म को बटने नहीं दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ0 सौरभ मालवीय प्रदेश महामंत्री विद्या भारती, लखनऊ ने कहा कि बाबा साहब को यदि बाबा साहेब को ऋषि की संज्ञा दी जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। कार्यक्रम डॉ0 राम नरेश, परिक्रमा प्रसाद प्रधानाचार्य, श्याम किशोर बेचैन कवि, गंगा राम एडवोकेट ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के संयोजन चन्दन लाल वाल्मीकि ने बताया कार्यक्रम में वंचित समाज के प्रबुद्ध और अपने अपने क्षेत्र में दक्ष लोगों को डॉ0 अम्बेडकर रत्न सम्मान के रूप में, प्रतीक चिन्ह, अंग वस्त्र, मीठी नीम का पौधा और पुष्प माला देकर सम्मानित किया। श्याम किशोर बेचैन को अपने स्वच्छकार के राष्ट्रीय मंचों पर झाड़ू छोडे कलम उठाओ के लिए, दुर्गे उर्फ दुर्गा प्रसाद गिहार समाज, सदस्य जिला पंचायत, शहीद भगत सिंह निःस्वार्थ सेवा समित के संस्थापक जसपाल पाली, डॉ0 राजेश गौतम गरीबो और बेसहायों को निशुल्क चिकित्सा और परामर्श दे कर देश की सेवा में अपना योगदान दे रहे है। सभा में सदर विधायक विधायक योगेश वर्मा, डॉक्टर राम नरेश,सह संयोजक सामाजिक समरसता अवध प्रांत, अवधेश जिला संघ चालक, अविनाश विभाग प्रचारक, संजीव जिला कार्यवाह, अमरेश सह कार्यवाह, हरबंश पासी संपर्क प्रमुख, मुक. श धीमान सह जिला कार्यवाह, नीरज सिंह विभाग संपर्क प्रमुख, विजय सह नगर कार्यवाह, पवन गुप्ता ब्लाक प्रमुख, दिव्या सिंह ब्लाक प्रमुख, देव दत्त चढ्ढा, मंजू लता श्रीवास्तव, संजय गुप्ता, आशु मिश्रा, संतोष कुमार, गंगा राम एडवोकेट, सुरेंद्र शरण वाल्मीकि, कुंवर विकेंस, बबलू वाल्मीक, अभ्यास वाल्मीकि, संजय वाल्मीकि, बंपी वाल्मीकि, बी एल गौतम, अयोध्या प्रसाद गौतम कुमार अभिनव, आयुष्मान, सहित भारी संख्या में अम्बेडकर के अनुयाई उपस्थित रहे।

आउट सोर्सिंग कर्मचारियों का शोषण बर्दाश्त नहीं: प्रदीप

vyhx<A नगर निगम में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का किसी भी तरह का शोषण बर्दाश्त नहीं होगा। कर्मचारियों की समस्याओं का शीध्र निदान नहीं किया गया तो सभी कर्मचारी संघर्ष के लिए तैयार रहें उक्त विचार श्रमिक नेता प्रदीप शर्मा ने नगर निगम कर्मचारी यूनियन की आवश्यक बैठक में व्यक किए।

नगर निगम कर्मचारी यूनियन, अलीगढ़ की एक महत्वपूर्ण बैठक भारतीय मजदूर संघ जिला कार्यालय, रेलवे स्टेशन रोड, मधेपुरा में संपन्न हुई। बैठक में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए सभी सदस्यों का पटका पहनाकर सम्मान किया गया। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ श्रमिक नेता श्री प्रदीप शर्मा ने की, जिसमें बड़ी संख्या में श्रमिकों एवं विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अध्यक्षता करते हुए श्री प्रदीप शर्मा ने कहा कि यदि श्रमिक संगठित रहेंगे, तो उनकी कोई भी जायज मांग रोकी नहीं जा सकती। उन्होंने नगर निगम में व्याप्त वेतन विसंगतियों एवं आउटसोर्स कर्मचारियों के शोषण के खिलाफ निरंतर संघर्ष जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार सत्ताधारी दल एकजुट हो सकते हैं, उसी प्रकार श्रमिक संगठनों को भी एकजुट होकर मजदूरों के हितों की रक्षा करनी चाहिए। इसके उपरांत संभाग संगठन मंत्री श्री शंकर लाल जी ने संगठन के इतिहास और विचारधारा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 23 जुलाई 1955 को स्थापित भारतीय मजदूर संघ ने राष्ट्रहित में कार्य करते हुए श्रमिक कल्याण और औद्योगिक विकास को नई दिशा दी है। उन्होंने संगठन के मूलमंत्र "देश के हित में करेंगे काम, काम लेंगे पूरे दम" को दोहराते हुए कहा कि न्यूनतम मजदूरी श्रमिकों का अधिकार है और इसे सुनिश्चित कराया जाएगा।

इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष (रोडवेज) श्री विनोद शर्मा ने कहा कि श्रमिकों को अपने अधिकारों के लिए संगठित होना अत्यंत आवश्यक है। एकजुट होकर उठाई गई आवाज ही संगठन को मजबूत बनाती है और मांगों को पूरा कराने में निर्णायक भूमिका निभाती है। बैठक में भगवान सिंह ने यह गंभीर मुद्दा उठाया कि नगर निगम में 20 वर्षों की सेवा के बावजूद उनका स्थानांतरण किया जा रहा है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। वहीं, शेखर जीवन (ड्राइवर संघ अध्यक्ष) ने भी कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। संघ के अध्यक्ष ने बताया कि नगर निगम में लगभग 1050 आउटसोर्स कर्मचारी पिछले 20 वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं। निगम द्वारा करोड़ों रुपये की योजनाएं संचालित की जा रही हैं,लेकिन श्रमिकों के वेतन के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। वर्तमान में श्रमिकों को मात्र रुपये 366 प्रतिदिन दिए जा रहे हैं, जिसे बढ़ाकर रुपये 436 किया जाना अत्यंत आवश्यक है। जिले के प्रचार मंत्री श्री रवि कुमार सिंह ने श्रमिकों के शोषण को तत्काल बंद करने और लंबित मांगों का शीघ्र निस्तारण करने की मांग की।

भारतीय मजदूर संघ के महानगर अध्यक्ष श्री सुशील कुमार ने कहा कि राष्ट्र का निर्माण श्रमिकों के परिश्रम से होता है। यदि श्रमिकों का शोषण जारी रहा, तो राष्ट्र निर्माण की नींव कमजोर हो जाएगी। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि श्रमिकों को समय पर न्यूनतम मजदूरी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर श्रमिकों की प्रमुख मांगों में न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करना, मेडिकल अवकाश प्रदान करना, ईएसआई कार्ड बनवाना,साप्ताहिक अवकाश वेतन सहित देना प्रमुख रूप से शामिल हैं। बैठक में सोरन सिंह, रविंद्र सिंह, अशोक,अजय शर्मा, सुधीर कुमार, गोपाल जी, राजव. ीर सिंह, शहाबुद्दीन, सत्य प्रकाश, ताजुद्दीन, सतीश, मुमताज, सुनील कुमार, अमर, मोहित, तिलक सिंह, विनोद कुमार, राज. कुमार, राजपाल, पुरुषोत्तम कुमार, पुरुषोत्तम शर्मा, बिट्टू,भगवान सिंह, योगेंद्र सिंह, सुशील कुमार सिंह,वसीम अजहर, मनीष रावत, नगेंद्र कुमार, ललित, विशम्बर, दीपक, मुमताज अहमद, योगेंद्र कुमार, चंद्रकांत सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में सभी श्रमिकों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा एवं न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित कराने हेतु संघर्ष करने का दृढ़ संकल्प लिया।

2.8 किलो गांजे के साथ पकड़ा

eFkjkA थाना गोविंद नगर पुलिस ने दो किलो 800 गांजे के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। थाना गोविन्दनगर पुलिस टीम द्वारा मंगलवार को 80 फुटा रोड़ के किनारे हरीकेश गौतम की गली के सामने थाना गोविन्द नगर जनपद मथुरा से अभियुक्त आकाश पुत्र राजकुमार निवासी गुलाब कुंड कालोनी थाना मथुरा गेट जपनद भरतपुर (राजस्थान) को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना गोविन्दनगर पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। कार्यवाही करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी गोविंद नगर रवि त्यागी, रिंकेश शर्मा चौकी प्रभारी डीग गेट, एसआई मयंक वत्स आदि पुलिसकर्मी थे।

सपा जिला कार्यालय पर मनाई गई बाबा भीमराव आम्बेडकर जयंती

y[kuÅA समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा हजरतगंज स्थित भारत रत्न परम् पूज्य बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। पश्चात समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय 6, लाजपतराय भवन, कैसरबाग, लखनऊ पर में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' एवं जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान के साथ अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 में हुआ था, इन्होंने संविधान का निर्माण किया और कहा कि षिक्षित बनो, संघर्ष करो। डॉ साहब ने समाज की गैरबराबरी के विरूद्ध आन्दोलन किया। अपनी जाति के कारण अम्बेडकर जी को सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ा और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव सहन करना पड़ता था। समाजवादी पार्टी सदैव ही डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के आदर्षों पर चलती आ रही है।इस अवसर पर प्रदेश सचिव त्रिवेणी प्रसाद पाल, जिला उपाध्यक्ष अनिल पासी, गुड्डू लोधी, असफाक सिद्दीकी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छात्र सभा महेन्द्र कुमार यादव, यशवीर लोधी, प्रदेश महासचिव शिक्षक सभा दिनेश सिंह, बी0के0टी0 विधानसभा अध्यक्ष अजय रावत, आकाश गौतम, ज्ञान प्रकाश लोधी, व्यापार सभा जिलाध्यक्ष संजय यादव, परमेष्वर गौतम, षिक्षक सभा जिलाध्यक्ष अवधेश सिंह यादव, सीताराम लोधी, अल्पसंख्यक सभा जिलाध्यक्ष हारून अजीज, छात्र सभा जिलाध्यक्ष ओम लोधी, जिला कोषाध्यक्ष इश्तियाक अहमद, ऋषि प्रजापति, जिला सचिव मनोज यादव, सुजीत यादव, संगीत गौतम, अनवर अंसारी, एड0 रामनाथ रावत, प्रवेश यादव, हसीन गाजी, सुरेश रावत, मो0 आमिर, गोविन्द यादव, सचिन यादव, सूर्यभान यादव, गांधी रावत, त्रिभुवन सिंह, दीपक महाकाल, आनन्द यादव, संतोष रावत, हिमांशु लोधी, हरिकेश रावत, अखिलेश भार्गव, सचिन गौतम, शुभम यादव, करन लोधी, राज लोधी एवं संतोष रावत के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देश के हालात देखते हुए लें सबक: मौलाना अरशद

शाह टाइम्स संवाददाता

गंगोह। जमीयत-ए-उलमा हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि देश में जिस तरह के हालात हैं, इससे सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चियों के लिए अलग स्कूल बनाना चाहिए।

गंगोह में मौलाना हुसैन अहमद मदनी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा खोले गए मदनी पब्लिक स्कूल के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने सह शिक्षा (को-एजुक. शन) का विरोध करते हुए कहा कि जमीयत-ए-उलमा हिंद ने एक नीति बनाई है। देश के दौलतमंद लोगों से, वो हिंदू हो या मुसलमान, लड़कियों के लिए अलग और लड़कों के लिए अलग स्कूल बनवाने के लिए कहा जाएगा। देश के मौजूदा हालात को

देखते हुए लड़के और लड़कियों के लिए अलग अलग शिक्षण संस्थानों का होना बेहद जरूरी है। वरना कई तरह के मामले खड़े होते रहेंगे। उन्होंने शिक्षण संस्थानों को शिक्षा के साथ मजहबी शिक्षा देने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मजहबी शिक्षा से बच्चों को यह एहसास होगा कि दुनिया में जो कुछ करेंगे, मौत के बाद उसका हिसाब देना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से तरक्की तो होती ही है वहीं जीने का शऊर भी पैदा होता है। उन्होंने सभी से अपने बच्चों को हर हाल में तालीम दिलाने की अपील की। शाहीन ग्रुप के डायरेक्टर डा. अब्दुल कदीर ने कहा कि लड़कियों को पढ़ना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था देश भर में दीनी तालीम के साथ दुनियावी तालीम के लिये इंग्लिश मीडियम स्कूल खोल रही है। जिनमे गरीब, मिस्कीन बच्चों को फ्री शिक्षा का इंतजाम किया जा रहा है। उन्होंने ट्यूशन को कैंसर बताते हुए कहा कि उनके स्कूल में कमजोर बच्चों को अतिरिक्त समय देकर फ्री पढ़ाया जाएगा। मौलाना अजहर मदनी ने कहा कि कम खाएं, भूखे रहें लेकिन बच्चों को हर हाल में पढ़ाएं। शोभित यूनिवर्सिटी के केयर टेकर सूफी जहीर अख्तर ने कहा कि शिक्षा ही ऐसी चीज है जिसे कोई छीन नही सकता। कार्यक्रम के अंत मे मुफ्ती खालिद सैफुल्लाह ने देश की खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ कराई। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत कुरान की तिलावत के साथ की गई।

काफी संख्या लोग मौजूद लोगों ने मौलाना हुसैन अहमद मदनी चेरिटेबल ट्रस्ट के इस कदम की सराहना की है।

ढांग गिरने से दो बच्चों की मौत, दो घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। थाना क्षेत्र के गांव संगमौर के निकट ईंट भट्टे पर काम करने वाले मजदूरों के बच्चे खेलते समय अचानक मिट्टी की ढांग गिरने से उसके नीचे दब गए। इस हादसे में दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम संगमौर के निकट स्थित एक भट्टे पर काम करने वाली लेबर मजदूरों के पांच बच्चे भट्टे पर लगे मिट्टी के ढेर में बनी गहरी खाई में खेल रहे थे। बच्चों के खेलते समय अचानक ऊपर से मिट्टी की ढांग भरभराकर गिर गई और सभी बच्चे उसके नीचे दब गए। मौके पर मौजूद मजदूरों ने आनन फानन में मिट्टी को हटाकर बाहर उन्हें निकाला।

इस हादसे में नौ वर्षीय जुनैद पुत्र नसीम व 10 वर्षीय आमिया पुत्री हारून निवासी कांधला की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि इनके साथ खेल रहे दो अन्य बच्चो को घायल अवस्था में चिलकाना के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक द्वारा बच्चों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया गया। अचानक इस हादसे में हुई बच्चों की मौत से परिजनो में कोहराम मचा हुआ है तथा उनका रो रो कर बुरा हाल है।

जनपदभर में आस्था के साथ मनाई गई बाबा साहेब डा.भीमराव आम्बेडकर जयंती

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जनपदभर में भारत रत्न डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके आर्दशों को अपनाने पर जोर दिया गया।

भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर सपा सपा जिला कार्यालय पर आज बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। जिलाध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद ने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने जीवन भर संघर्ष करते हुए वंचित समाज को उनके अधिकार दिलाने का जो अमूल्य योगदान दिया उसको कभी बुलाया नहीं जा सकता। इस दौरा पूर्व विधायक वीरेंद्र ठाकुर, प्रदेश सचिव मजहीर राणा, ममता चौधरी, पूर्व मंत्री मांगेराम कश्यप, विजेश शर्मा, रतन यादव, चौधरी अब्दुल गफूर, फैसल सलमानी अच्छन यादव संदीप सैनी कासिफ अल्वी नरेश कश्यप मुस्तकीम राणा विनोद कुमार फुरकान त्यागी सचिन गुर्जर जमाल साबरी हसीन कुरैशी मोहम्मद राजिक मोहम्मद मोहम्मद इस्लाम अल्वी अभिषेक प्रधान विशाल यादव शाहिद मंसूरी जितेंद्र यादव जुबेर राणा प्रिंस चौधरी राजपाल सिंह वेदपाल पटनी आदि मौजूद रहे।

आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति द्वारा लक्ष्मी नगर में जिलाध्यक्ष साधूराम के आवास पर डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाकर उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने शिक्षा, संगठन, संघर्ष जैसे मूलमंत्र देकर समाज को आगे बढने की प्रेरणा दी। उन्होंने महिलाओं को भी बराबरी का हक दिलाया। इस दौरान प्रदीप कुमार सिंह, विजयपाल सिंह, राजेश भाटला, डा.इसम सिंह, संतोष,

श्रद्धा से मनाई आंबेडकर जयंती

नागल। क्षेत्र मे डा भीमराव अंबेडकर जंयती श्रृद्धा के साथ मनायी

गयी।इस अवसर पर शिक्षण संस्थानों व सामाजिक संगठनों द्वारा उन्हे भावपूर्ण ढंग से याद कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय जौला डिडोली में आयोजित कार्यक्रम में विश्व हिंदू महासंघ जिला महामंत्री शिव कटारिया व भाजपा नेता सुरेंद्र कोरी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के जीवन से प्रेरणा लेकर छात्रों को अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। प्रधानाचार्य डा वीरेंद्र कुमार ने कहा कि कहा कि किताबी ज्ञान के साथ तर्क शील

पूनम, आशू सिंह, आकांक्षा, दि, पुनीत कुमार, रजत कुमार, विजेंद्र कुमार, लता, सरोज व सुमन आदि मौजूद रहे।

आज देहात विधानसभा के गांव घुन्ना में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में बृजलाल, गुरुदास, अक्षय कुमार, ऋषभ, सीमा, राहुल त्यागी, मंजू रानी, दीपक त्यागी, आशालता, नफीस मलिक, शहजाद, डॉक्टर अंजना, चौधरी राजमणि लंबा, शिवपाल सिंह, रामचंद्र, डॉक्टर संदीप, प्रवीण सैनी, हैदर मुखिया विधायक प्रतिनिधि सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यालय अंबाला रोड काजमी कंपलेक्स पर संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती सुभासपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने बड़ी धूमधाम से मनाने का काम किया, इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष गुफरान अली, प्रदेश उपाध्यक्ष नौशाद अहमद, परदेस महासचिव कार्य गयासुद्दीन, परदेस मीडिया प्रभारी खलील सागर, डॉ रईस अहमद कमल जिला अध्यक्ष सहारनपुर, नगर विधानसभा अध्यक्ष अमजद मलिक, जिला महासचिव समीर मलिक, जिला सचिव आसान मंसूरी, जिला सचिव सोहेल अहमद, नगर सचिव हसमत हुसैन आदि लोग इस कार्यक्रम मेंउपस्थित रहे।

बेहट। क्षेत्र के गांव साढ़ौली कदीम में भारतीय संविधान के शिल्पकार और महान समाज सुधारक डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयंती श्रद्धा, और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान शेखर राणा ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने समाज के वंचित और शोषित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशिष्ट अतिथि मास्टर बाबूराम ने कहा कि भारतीय संविधान के निर्माण में बाबा साहब की भूमिका अतुलनीय है। क्षेत्र पंचायत सदस्य राजकुमार ने भी उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संजय कॉर्नवाल, मास्टर सुधीर, संदीप कुमार, सुंदरपाल, डॉ. विकास जायसवाल, परवीन कुमार, डॉ. सुशील कुमार, अर्जुन सिंह, संजय मिस्त्री, अंकित सूर्यवंशी, विनोद कुमार और स्वराज सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रामपुर मनिहारान। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। ब्लॉक कॉलोनी स्थित श्री बाबा छात्रावास में आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान देश को दिया है। विचार गोष्ठी का बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा में शामिल एक से बढ़कर एक सुंदर झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। नगर भृमण के बाद शोभायात्रा वापस श्री बाबा छात्रावास पर आकर सम्पन्न हुई। चेयरपर्सन रेणु बालियान व कुलदीप बालियान अपनी टीम के साथ आरंभ से समापन तक शोभायात्रा में पैदल श्रद्धालुओं के साथ चले। इस दौरान संदीप कुमार गौतम, बंटी, सोनू, रवि लांबा, राकेश लांबा, संजीव कुमार, डॉ सुखबीर कटारिया, महंत सूरजदास, प्रीतम सिंह, जबर सिंह, अमित सैनी, आफताब मलिक, अमन वाल्मीकि, दिगम्बर सिंह, प्रदीप बालियान आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। शांति व्यवस्था कि दृष्टि से पुलिस बल मौजूद रहा।

अंबेहटा। संत शिरोमणि रविदास मंदिर मोहल्ला नया बां) में डॉ. बी. आर. अंबेडकर उज्जवल भविष्य ट्रस्ट के तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। प्रवेश गर्ग राकेश गर्ग एवं विभोर गर्ग, मनोज गुप्ता ने स्वर्गीय मोहनलाल और बिमला देवी की स्मृति में मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ठंडे पानी का फ्रिज लगवाया। अतिथियों का कमेटी की ओर से पटका पहनाकर और फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। पूर्व चेयरमैन इनाम शाकिर ने संबोधित करते हुए कहा, बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर का जीवन, उनका संघर्ष और संविधान निर्माण में योगदान आज भी समाज को नई दिशा दे रहा है। शिक्षक चौधरी तारिक शाकिर, डॉ. अब्दुल कादिर और शादाब दिलशाद ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के बाद संत शिरोमणि रविदास मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। नकुड थानाध्यक्ष सुरेश सिंह, चौकी प्रभारी देवेंद्र अधाना तथा पुलिस फोर्स की पूरी टीम ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। इस दौरान कमेटी संरक्षक मास्टर बिशन सिंह, प्रधान डॉ. बिन्दर पाल कल्याण,उप प्रधान धर्म सिंह, कोषाध्यक्ष रमेश रविदासिया, सुखविंदर सिंह, गुरमीत सिंह, अक्षय कुमार, अमित कुमार, विशाल कुमार, सुधीर भगत, प्रिरथी सिंह, कर्म सिंह, सतपाल सिंह, रोहित कुमार, मोहित कुमार, रजनीश कुमार आदि।

इसी तरह गांव चढ़ाव, बलालखेडी, देदपुरा, ब्राह्मण माजरा, शंभूगढ़, खेड़ा अफगान और रनियाला दयालपुर में भी डॉ. अंबेडकर जन्मोत्सव

बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

चिलकाना। बाबा साहब की जयंती के उपलक्ष में कस्बा सुल्तानपुर के मोहल्ला कोठीवाला मे विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने सभी को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। तत्पश्चात विशाल पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में बालकृष्ण शर्मा, नादिया हसन, अली इमाम उर्फ प्रिंस हुसैन, एम एस सोनू कुरैश, अंबेडकर समिति के अध्यक्ष अजय कुमार, अरुण कुमार, रवि कुमार, अंकित, दीपक कुमार, सुशील लाम्बा, श्री गुरु रविद. ास समिति अध्यक्ष मास्टर संदीप, आकाश काशी, सोनित, संजीव, प्रमोद, सागर, प्रेमचंद, धर्मपाल, चमन लाल, सुशील, मांगे राम, आशीष, निखिल, पंकज, आकाश, योगेश, सुमित, सुनील, जयकुमार, सोनिया, सुमित्रा, बबिता, सुनीता, कविता, रविता, सुनैना, नेहा, राखी, सिया आदि सैंकड़ो की संख्या में महिलाएं तथा पुरुष शामिल हुए। वहीं क्षेत्र के ग्राम चौरी मंडी तथा मंडौरा में भी पदयात्रा निकाली गई। इसके अलावा कई गांवों में जयंती के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

नकुड़। अंबेडकर जयंती के दौरान बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज के शोषित व वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। इस अवसर पर नगर के तहसील मुख्यालय, नगर पालिका चोंक, मौहल्ला बंजारान, शहीद अशफाक उल्ला खान, चोंक, सदर बाजार, जनक बाजार, मेन बाजार आदि में शोभायात्रा निकाली गई।

बेहट। गांव घुन्ना में गुरु रविदास जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नगर पंचायत बेहट चेयरमैन अब्दुल रहमान उर्फ शालू भैया ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम मे समिति के पदाधिकारियों ने डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के योगदान को याद किया गया एवं उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर चेयरमैन अब्दुल रहमान उर्फ शालू भैय्या ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर जातिवाद, संप्रदायवाद और भ्रष्टाचार जैसी कुरीतियों को विकास के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध मानते थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब शोषित, दलित, पिछड़े व सर्वसमाज के उत्थान के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किए।

यमुना नदी में धड़ल्ले से चल रहा अवैध खनन का महा घोटाला

शाह टाइम्स संवाददाता

साढौली कदीम। यमुना नदी की जलधारा को चीरकर किए जा रहे अवैध खनन के खेल में जिलाधिकारी की सख्ती के बाद बड़ा धमाका हुआ है। उत्तर प्रदेश की सीमा में घुसकर डाका डाल रहे हरियाणा के खनन माफियाओं और उनके मददगारों के खिलाफ खनन विभाग ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। खनन अधिकारी अभिलाष चौबे की तहरीर पर हरियाणा के दर्जन भर नामचीन स्टोन क्रेशर संचालकों, पो. कलेन, डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉली स्वामियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पूरा मामला तब गरमाया जब सोशल मीडिया पर यमुना किनारे हो रहे अवैध खनन की तस्वीरें वायरल हुईं। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए। खनन अधिकारी अभिलाष चौबे और थाना बेहट पुलिस की संयुक्त टीम ने जब ग्राम असलमपुर बरथा में छापेमारी की, तो वहां तबाही का मंजर मिला। टीम ने मौके पर पाया कि माफियाओं ने सरकारी संपत्ति को बेरहमी से लूटा है। पैमाइश में करीब

43,645 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध कब्जा पाया गया। औसतन 2 मीटर तक गहरा खोदकर 87,306 घनमीटर आरबीएम चोरी किया गया। मौके पर पोकलेन और जेसीबी मशीनों के चलने के गहरे निशान और डंपरों के टायरों के निशान मिले हैं। जांच में सामने आया कि खनन स्थल से एक कच्चा रास्ता सीधे हरियाणा के उन क्रेशरों तक जा रहा है, जहाँ चोरी का माल खपाया जा रहा था। रडार पर आए प्रमुख क्रेशरों में सूर्या, डीएम, गंगा, महादेव, हिंदुस्तान, गुडविल, सरवरा, पीटीसी (संधू) और कमलेश प्लांट शामिल हैं। घ्प्रशासन का मानना है कि खनन स्थल से महज 500-1000 मीटर की दूरी पर स्थित इन क्रेशरों की संलिप्तता पूरी तरह स्पष्ट है।

सूत्रों का दावा है कि यह सिर्फ सीमा पार का हमला नहीं है, बल्कि इसमें उत्तर प्रदेश के भी कई रसूखदार श्सफेदपोशोंश का हाथ है। चर्चा है कि दोनों राज्यों के माफियाओं ने एक संगठित सिंडिकेट बना रखा है। पुलिस अब उन स्थानीय चेहरों को बेनकाब करने में जुटी है, जो बॉर्डर पर बैठकर इस अवैध कारोबार की मुखबिरी और रखवाली कर रहे थे।

हैरानी की बात यह है कि इसी जगह पर वर्ष 2023 में भी अवैध खनन का मामला पकड़ा गया था और उन्हीं क्रेशरों के नाम सामने आए थे। बार-बार हो रही इस दुस्साहसपूर्ण चोरी को देखते हुए प्रशासन इस बार सरकारी संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम जैसी कड़ी धाराओं में कार्रवाई कर रहा है। बेहट पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी हैं।

आंदोलन होगा तेज: पदम

बेहट। किसानों संग पीएम से मिलने जा रहे भाकियू अम्बावत के जिला अध्यक्ष पदम प्रकाश शर्मा हाउस अरेस्ट कर लिया गया।

भारतीय किसान यूनियन अम्बावत के जिला अध्यक्ष पदम प्रकाश शर्मा को उस समय पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर दिया, जब वे काफी किसान साथियों के साथ प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री से मिलने जा ने की सूचना मिली तो पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया, जिससे कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखने को मिली- जिले अध्यक्ष पदम प्रकाश ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की आवाज दबाने का काम कर रही है

सूचना

मैने अपने पुत्र मनोज कुमार, उसकी पत्नी ममता, अनुज कुमार, उसकी पत्नी बेबी व पुत्री सुनिता को नाफरमानी के कारण अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उनके कार्यो का मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार नही होगा।

जगदीश प्रसाद पुत्र श्री फूलसिंह निवासी ग्राम मडकी, थाना नागल, जिला सहारनपुर।

कॉरीडोर प.उ.प्र. की अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर: योगी

बोले सीएम- वुडकार्विंग, स्पोर्टस गुड्स और कृषि उत्पादों को मिलेगा वैश्विक बाजार, रोजगार के खुलेंगे अवसर

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरीडॉर के लोकार्पण को प्रदेश के विकास का ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होने कहा कि यह कोरीडॉर न केवल आवागमन को सुगम बनायेगा बल्कि सहारनपुर के वुड कार्विंग, मेरठ के स्पोर्टस गुड्स और क्षेत्रीय किसानों के उत्पादों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से होते हुए वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभायेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मनोहरपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम मां शाकंभरी देवी, मॉ डाट काली, बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जयकारे लगाए। मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित कर बधाई देते हुए दिल्ली देहरादून इकोनामिक कॉरिडोर के प्रति देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस इकोनामिक कॉरिडोर से यहां के लोगों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। पहले जहां दिल्ली से देहरादून जाने में 05-06 घण्टे लगते थे वही अब दिल्ली से देहरादून की दूरी 2.5 घण्टे में पूरी हो सकेगी। इसके लाभ गिनाते हुए उन्होने कहा कि इससे राष्ट्रीय राजधानी एवं गंगा एक्सप्रेसवे बनने से लखनऊ तक सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, मेरठ के काष्तकला एवं हौजरी उत्पादों, खेल के उत्पाद, फल उत्पादन, सब्जी उत्पादन, खाद्यान्न उत्पादन, गुड की मिठास को वैश्विक बाजार में इस कोरीडोर के बनने से पंहुचने में आसानी होगी जिससे आर्थिक उन्नयन होगा तथा शिक्षा एवं रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

उन्होंने दिल्ली देहरादून इकोनामिक कॉरिडोर के नजदीक आने वाले जनपद अपना एक क्लस्टर तैयार करने के निर्देश दिए जिससे कि बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी एवं प्रदेश को सेवा का मॉडल बताया। भीमराव अंबेडकर जी का 135 में जयंती के अवसर पर उन्होने कहा कि आज संविधान के शिल्पकार भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर ने हर नागरिक को समान अधिकार दिए हैं। बाबा साहब के संविधान के अनुसार ही हमको उनके बताए हुए मार्ग पर चलना है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री की प्रेरणा से तय किया गया है कि भीमराव अंबेडकर, सतगुरू रविदास, महर्षि वाल्मीकि, सामाजिक न्याय के महापुरुषों की मूर्तियां खुले में न रहें उसके लिए बाउण्ड्री वॉल एवं अन्य निर्माण कार्य कराया जाएगा।

आज उत्तर प्रदेश सुरक्षा सुशासन, आत्मनिर्भर, इन्वेस्टमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में बदल रहा है। यह डबल इंजन की सरकार की ताकत है। आप लोगों का साथ है। सबके साथ से ही विकास बढ़ रहा है जो 2047 का प्रधानमंत्री मोदी के विजन को साकार करना है। उन्होंने कहा कि आज के समय में सभी सुविधाएं उपलब्ध है। एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर एयरपोर्ट खुल गया है। जिससे वैश्विक पंहुच में सुविधा होगी। जेवर में फिल्म सिटी के विकसित होने से कलाकारों के सपने साकार होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार निरंतर करवद्ध कार्य कर रही है। उन्होंने कहा दिल्ली देहरादून इकोनामिक कॉरिडोर देश के बुनियादी ढांचे को नई दिशा देने वाला एक कदम है जो आर्थिक रूप से भी सशक्त करेगा।

दिल्ली देहरादून इकोनामिक कॉरिडोर कनेक्टिविटी क्रांति के रूप में जाना जाएगा। इस कॉरिडोर की सबसे खास बात यह है कि इसे भीमराव अंबेडकर, सतगुरू रविदास, महर्षि वाल्मीकि, सामाजिक न्याय के महापुरुषों की मूर्तियां खुले में न रहें उसके लिए बाउण्ड्री वॉल एवं अन्य निर्माण कार्य कराया जाएगा।

आज उत्तर प्रदेश सुरक्षा सुशासन, आत्मनिर्भर, इन्वेस्टमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में बदल रहा है। यह डबल इंजन की सरकार की ताकत है। आप लोगों का साथ है। सबके साथ से ही विकास बढ़ रहा है जो 2047 का प्रधानमंत्री मोदी के विजन को साकार करना है। उन्होंने कहा कि आज के समय में सभी सुविधाएं उपलब्ध है। एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर एयरपोर्ट खुल गया है। जिससे वैश्विक पंहुच में सुविधा होगी। जेवर में फिल्म सिटी के विकसित होने से कलाकारों के सपने साकार होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार निरंतर करवद्ध कार्य कर रही है। उन्होंने कहा दिल्ली देहरादून इकोनामिक कॉरिडोर देश के बुनियादी ढांचे को नई दिशा देने वाला एक कदम है जो आर्थिक रूप से भी सशक्त करेगा।

दिल्ली देहरादून इकोनामिक कॉरिडोर कनेक्टिविटी क्रांति के रूप में जाना जाएगा। इस कॉरिडोर की सबसे खास बात यह है कि इसे पर्यावरण और वन्यजीवों को ध्यान में रखते हुए एलिवेटेड बनाया गया है, ताकि रास्ते में आने वाले जीव-जंतुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। यह विकास और प्रकृति के संतुलन का बेहतरीन उदाहरण है। उत्तर प्रदेश सरकार विरासत एवं विकास पर कार्य करती है।

इससे पूर्व जनसभा स्थल से वर्चुअल माध्यम में प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया कॉरिडोर उदघाटन देखा गया। इस दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष वित्त राज्य मंत्री भारत सरकार पंकज चौधरी, के साथ प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक एवं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सहित प्रदेश महामंत्री संगठन भाजपा धर्मपाल, मंत्री इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा, राज्यमंत्री संसदीय कार्य एंव औद्योगिक विकास जसवंत सैनी, राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग ब्रजेश सिंह, चेयरमैन सिडको वाईपी सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया, एमएलसी श्रीमती वंदना वर्मा, विधायक नकुड मुकेश चौधरी, विधायक रामपुर मनिहारान देवेन्द्र निम, विधायक गंगोह किरत सिंह, विधायक नगर राजीव गुम्बर, महापौर डॉ. अजय कुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी, पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, पूर्व विधायक नरेश सैनी, पूर्व विधायक जगपाल सिंह द्वारा देखा और सुना गया। जनसभा स्थल पर एडीजी भानू भास्कर, मण्डलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार, पुलिस उपमहा. निरीक्षक अभिषेक सिंह, जिलाधिकारी मनीष बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन, मुख्य विकास अधिकारीसुमित राजेश महाजन, जिलाध्यक्ष अजीत राणा, महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई, संबंधित अधिकारियों सहित जिलाध्यक्ष अजीत राणा, महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई तथा जनप्रति. निधिगण एवं पार्टी कार्यकर्ता सहित भारी संख्या में जनसमूह उपस्थित रहा।

भाजपा का राजनीतिक अस्त्र बनेगा कॉरिडॉर

जन आकांक्षाओं की संतुष्टि में मिलेगी मदद

अबूबकर शिब्ली

सहारनपुर। दिल्ली-देहरादून आर्थिक कॉरिडॉर का उद्घाटन भाजपा की एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। यह भाजपा के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में राजनीतिक अस्त्र का काम करेगा। जिससे जनता के बीच में केंद्र के साथ साथ उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में सत्तारुढ़ भाजपा की स्थिति मजबूत होगी।

उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड विधानसभा चुनावों में लगभग एक वर्ष का समय शेष है। यही कारण है कि अब वें राज्य राष्ट्रीय महत्व की योजनाओं के केंद्र में आ गए हैं। दिल्ली-देहरादून कॉरिडॉर इसी का उदाहरण है। लगभग 12 हजार करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह कॉरिडॉर भाजपा के 'विकास आधारित राजनीति' के नारे को बल देता है। यह न केवल दिल्ली, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के आर्थिक विकास को एक क्लस्टर के रूप में जोड़ेगा बल्कि इन तीनों राज्यों में पहले से ही सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी के लिए आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पृष्ठभूमि भी तैयार करेगा। इस हाईवे से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और खुशहाल जीवन स्तर के साथ ही औद्योगिक विकास को बल मिलेगा। जिससे काफी हद तक जन आकांक्षाओं को संतुष्ट करने में मदद मिलेगी। जो चुनाव में भाजपा के लिए सुरक्षा कवच का काम करेगा। इस हाईवे से उद्योग, पर्यटन, कृषि, स्वास्थ्य सहित सुचारू परिवहन को बल मिलेगा। जिससे इन क्षेत्रों से जुड़े लोगों के मतों का सकारात्मक ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में होगा। बहारहाल, भले ही यह कॉरिडॉर मूल रूप से परिवहन मार्ग माना जा रहा हो, लेकिन यह अंतर्निहित रूप से भाजपा के लिए राजनीतिक लाभ का महत्तवपूर्ण अस्त्र साबित होगा। जो उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के चुनावी समर में इन दोनों राज्यों में पहले से सत्तारुढ़ सरकारों को जनता की अदालत में पेशगी का मजबूत आधार प्रदान करेगा।

हमे निमंत्रण नही विकास चाहिए: उमर अली खान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। समा. जवादी पार्टी के बेहट विधायक उमर अली खान ने कहा कि आज प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किये गये कोरिडोर उदघाटन कार्यक्रम में न बुलाने से मेरा कोई अपमान नहीं हुआ, बल्कि क्षेत्र की जनता को नजर अंदाज किया गया। हमें बुलाया जाये या नहीं, लेकिन सरकार सडक सही बनाये। यदि बुंदेलखंड व गोरखपुर की तरह हमारे साथ धोखा हुआ तो हम आंदोलन करेंगे और सरकार को कमीशन नहीं खाने देंगे।

उमर अली खान ने कहा कि हमारे लोगों ने ही अपनी जमीन दी उन्होंने ही विधायक चुना है, लेकिन सरकार मानने को तैयार नहीं है। बावजूद इसके हमें कोई दिक्कत नहीं है। बस हमें जनता का प्यार मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा हम कामना करेंगे कि अच्छी सड़क बने और भाजपा के लोगों से भी कहेंगे कि धष्टाचार के चक्कर को छोड़े। जैसे बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे उद्घाटन के बाद ही बह गया था। गोरखपुर लिंक टूट गया ऐसा घटिया और खराब काम ना करे। यदि बुंदेलखंड और गोरखपुर की जनता की तरह हमारे लोगो के साथ धोखा हुआ तो हम आंदोलन भी करेंगे और सरकार को चैन से कमीशन नहीं खाने देंगे।

खेत में खड़ी गेंहू की फसल में आग

नकुड़। क्षेत्र के गांव साल्हापुर में एक किसान की तैयार खड़ी गेहूं की फसल में अचानक आग लगने से भारी नुकसान हो गया। आग की चपेट में आकर करीब चार बीघा गेहूं की फसल व पॉपुलर के पेड़ जलकर राख हो गए।

बताया गया कि मंगलवार को किसान विनोद कुमार को जैसे ही खेत में आग लगने की सूचना मिली, वह घबराए हुए मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आग पूरी फसल को अपनी चपेट में ले चुकी थी। देखते ही देखते मेहनत की पूरी फसल जलकर राख में तब्दील हो गई। पीड़ित किसान का आरोप है कि घटना की सूचना पुलिस व फायर ब्रिगेड को देने का प्रयास किया गया, लेकिन बीआईपी ड्यूटी में व्यस्तता के चलते समय पर कोई मदद नहीं पहुंच सकी।

एक नजर

हाऊस अरेस्ट किये आसिम

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। प्रधानमंत्री से मिलने जा रहे भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पश्चिम उत्तर प्रदेश के महासचिव मोहम्मद आसिम को कार्यकर्ताओं के साथ हाउस अरेस्ट कर दिया। आसिम ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री से मिलने का अधिकार भी छीन लिया है। प्रदेश की समस्याओं का निस्तारण आखिरकार कैसे होगा? आसिम ने कहा कि सरकार किसानों की आवाज को लगातार दबाने का काम कर रही है, लेकिन इसका हर जाना सरकार को आने वाले चुनाव में भुगतना पड़ेगा। इस दौरान अब्दुल खालिद शाहबान महबूब इकबआल अब्दुल गफ्फूर मुरसलीन राणा अब्दुल सत्तार शमशेर शाहजेब समीर इस्माइलअर्सलन शोकीन आरिश जमशेद जुहैब गौरव शर्मा अक्षय कुमार अजीत कुमार आदि मौजूद रहे।

पीएम से न मिलने देना लोकतंत्र पर हमला: वर्मा

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा को किसानो की समस्याओं को लेकर और पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण को लेकर प्रधानमंत्री से मिलने के लिए नहीं जाने दिया और उन्हें पुलिस द्वारा उनके निवास गंगदासपुर जट पर हाउस अरेस्ट किया गया। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि इस तरह से अन्नदाता किसानों को प्रधानमंत्री से मिलने ना देना लोकतंत्र पर हमला है। क्या देश के किसान मजदूर देश के प्रधानमंत्री से नहीं मिल सकते हैं। इस तरह से किसानो को रोकना ब्रिटिश हुकूमत की याद दिलाता है।

अशोक मलिक ने सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। मान्यता प्राप्त स्कूलों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित 15 सूत्रीय ज्ञापन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को देने का कार्यक्रम की घोषणा के बाद उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त विद्यालय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अशोक मलिक को मुख्यमंत्री के सर्किट हाउस पहुंचने से पूर्व होम अरेस्ट कर लिया गया था और वह पूरी रात पुलिस के पहरे में रहे। आज दोपहर उन्होनें पुलिस क्षेत्राधिकारी रविकांत पाराशर को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित 15 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। डा. अशोक मलिक ने कहा सरकार को चाहिए कि जनता की समस्याओं से रु ब रू होकर सुने और उनका निस्तारण करे। यदि सरकार आज जनता की समस्याओं का समाधान नहीं कर रही है तो आने वाले कल जनता भी सरकार की नहीं सुनेगी। इस दौरान जिला अध्यक्ष योगेश शर्मा, वीरेंद्र पवार, महानगर अध्यक्ष अजय सिंह रावत, प्रभारी गयथूर आलम, मोहम्मद शादाब मोहम्मद वजाहत अली अनिल सचदेवा मोहम्मद फरीद वकील मलिक मोहम्मद फरीद मोहम्मद वजाहत अली अमृतसर धोपाल सिंह जीशान जीशान जी जीशान धनंजय शर्मा अरविंद शर्मा केपी सिंह हंस धनंजय शर्मा केपी सिंह हंस कुमार अरविंद शर्मा मोहम्मद फरीद अहमद अहमद फरीद मलिक अमृतसर वीरेंद्र रोपदी हंस कुमार केपी सिंह कुमार मौजूद रहे।

सहारनपुर से हजारों की तादाद में पहुंचे बसपाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। लखनऊ के डा.भीमराव अंबेडकर प्रेरणा स्थल पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में सहारनपुर से दिग्गज नेताओं के साथ हजारों की संख्या में बसपाई शामिल हुए।

सहारनपुर से वरिष्ठ नेता फिरोज आफताब, मुख्य मंडल कोर्डिनेटर नरेश गौतम, मंडल संयोजक हाजी सरफराज राईन के नेतृत्व में 13 अप्रैल को हजारों की संख्या में बसपाई लखनऊ के लिये रवाना हुए थे। आज वह कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापसी के लिये ट्रेन में रवाना हुए। फिरोज आफताब ने कहा कि लखनऊ में कार्यक्रम काफी शानदार रहा और यह कार्यक्रम आने वाले समय में एक नई इबारत लिखेगा। हाजी सरफराज राईन ने कहा कि कार्यक्रम में पूरे प्रदेश से लाखों की तादाद में बसपाई शामिल हुए। लोगों की इतनी ज्यादा भीड थी कि हर जगह बसपा का रंग शहर पर दिखाई दे रहा था।

इस दौरान जिलाध्यक्ष रजनीश बंधु, पूर्व जिलाध्यक्ष जनेश्वर प्रसाद, सुहैल प्रधान, सरवर प्रधान मण्डल संयोजक रजनीश उजाला, आसिफ अली, सुशील जयसवाल, अजब सिंह, यशवीर धोबी, सुमित कर्णवाल, सुन्दरलाल डासना, डा. बिन्दरपाल, गय्यूर हसन, जहीर कुरैशी, उसमान कुरैशी आदि मौजूद रहे।

बाबा साहब ने दिया जीने का हक: आशु

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। देहात विधानसभा के गांव पुवारका में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर देहात विधायक आशु मलिक ने नमन किया। आशु मलिक ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के दबे कुचले लोगों को जीने का अधिकार दिया। इस कार्यक्रम में सचिन कुमार करण प्रधान, पूर्व प्रधान ऋषिपाल, शमसुल मास्टर, नीरज कुमार, सुशील, अंकित, आनन्द, डॉ. विपिन, डॉ. रविंदर, सूरज राणा, जाहिद अंसारी, कुर्बान अंसारी, शाहबान, लखनौती, अबरार, लुकमान, अजय कुमार, विपम सिंह, बीडीसी विजयपाल, प्रवीण सैनी, हैदर मुखिया विधायक प्रतिनिधि) सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

खनन की दो ट्रालिया सीज

नकुड/अम्बेहटा। कोतवाली नकुड़ पुलिस ने अवैध खनन सामग्री का परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टर-ट्रालियों को कब्जे में लेकर सीज कर दिया। नकुड़ कोतवाली पुलिस प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार व उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार के नेतृत्व में चौकिंग कर रही थी। इसी दौरान ग्राम साहबा माजरा की ओर से आ रहे यमुना की बालू से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रालियों को रूकने का इशारा किया तथा उनसे खनन सम्बंधी प्रपत्र मांगे गए तो वे खनन सम्बंधी कोई प्रपत्र प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने यमुना नदी के बालू से भरे दोनों ट्रैक्टर-ट्रालियों को थाना परिसर में खड़ा कर लिया। पुलिस ने ट्रैक्टर सोनालिका व स्वराज को मय अवैध खनन सामग्री से भरी ट्राली सहित सीज कर दिया।

सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का संकल्प

डा.भीमराव अंबेडकर जयंती मौके पर याद किये गये बाबा साहब के संघर्ष के पल

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। बाबा साहब डा.भीमराव अंबेडकर जयंती मौके पर बाबा साहब को नमन करते हुए सामाजिक कुरीतियों व रूढियों को समाज से समाप्त करने का संकल्प लिया गया।

सेक्टर 99 में डॉ भीमराव अंबेडकर सामाजिक चिंतन मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध डॉ ऋषि राज सिंह रहे। उन्होंने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए लोगों को उनके जीवन संघर्ष के बारे में बताया। साथ ही उनके आदर्शों को अंगीकार करने का आहवान किया। कार्यक्रम में खास बात यह रही कि समाजिक कुरीतियों व रूढ़ीवादिता को समाज से दूर करने पर चर्चा हुई। जिसका मौजूद लोगों ने समर्थन किया। इस अवसर पर बबीत कुमार, मास्टर पंकज कुमार, बी.के.भास्कर, अजय वर्मन, नेत्रपाल, सुरेश मास्टर, विनोद कुमार, अरविंद मौर्य, कालूराम महावीर, मनोज कुमार, योगेंद्र उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ ऋषिपाल सिंह ने किया।

संगीतमय प्रस्तुतियों से बाबा साहब का गुणगान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। डा.भीमराव अंबेडकर कौशल समिति द्वारा बाबा साहब की जयंती की पूर्व संध्या पर संगीतमयी आयोजन कर बाबा साहब का गुणगान किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में शामिल हुए लोगों ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया।

मा.काशीराम चौक गवालीरा में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुभाष सहगल व समिति के पदाधिकारियों द्वारा बाबा साहब के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलन और पुष्प अर्पित कर किया गया। समिति के अध्यक्ष लेविस गौतम ने कहा कि बाबा साहब केवल एक नेता ही नही अपितु एक युग परिवर्तक भी थे।

संगीत के माध्यम से विचारों का विस्तार करने के लिए राष्ट्रीय मिशनरी गायक सुमन प्रताप बौद्ध, शिवानी बौद्ध द्वारा अपने संगीत के माध्यम से महापुरुषो की विचार धारा को जन जन तक पहुंचाया गया। कार्यकम के अन्त में क्षेत्र के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को कार्यक्रम के मध्य में प्रसाद को वितरण किया गया। महासचिव प्रीतम सिंह द्वारा आगंतुको और सहयोगियों का धन्यवाद किया।

समारोह को सफल बनाने में समिति के उपाध्यक्ष सतीश कुमार संरक्षक रूपचन्द, सतीश बाबू, कोषाध्यक्ष सोम सिंह और महासचिव प्रीतम सिंह तथा विनोद कुमार, कुलदीप सिंह, विजयपाल, अजीत सिंह, सुशील कुमार, अमित कुमार, सुशील कुमार, अश्वनी कुमार, गौतम कुमार, मैन कुमार, रमेश चन्द, चरण सिंह, पूरण सिंह, मान सिंह, उमेश गौतम, रामनाथ, अनिल कौर्तज, अनिल कुमार, अरविन्द कुमार, कमल किशोर, राकेश कुमार, गोविन्द कुमार ओर रमेश चन्द शामिल रहे।

ड्यूटी के दौरान बीमार पडे होमगार्ड की हालत बनी चिंताजनक

शाह टाइम्स संवाददाता

गंगोह। क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान बीमार पड़े होमगार्ड जवान जयप्रकाश की हालत एक सप्ताह बाद भी गंभीर बनी हुई है। चिकित्सकों के अनुसार, उन्हें ब्रेन हेमरेज हुआ है और उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार जयप्रकाश हेड कांस्टेबल यशपाल सिंह तोमर के साथ गांव शास्त्रा में न्यायालय की सूचना देने गए थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। साथियों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंगोह पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया। इसके बाद उन्हें

परिवार को आर्थिक चुनौतियों का करना पड रहा सामना

चंडीगढ़ पीजीआई ले जाया गया। वहां उपचार संभव न होने पर अब उनका इलाज सहारनपुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि जयप्रकाश को ब्रेन हेमरेज हुआ है। वह देख तो पा रहे हैं, लेकिन बोलने में असमर्थ हैं। जयप्रकाश के परिवार में एक बेटी और दो छोटे बेटे हैं। परिवार की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। इस गंभीर बीमारी के कारण परिवार को आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

अंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक

डीएम ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। डीएम जसजीत कौर की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती हर्षोल्लास एवं उत्साह पूर्वक मनाई गई। सर्वप्रथम डीएम कौर द्वारा बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर माल्यार्पण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस मौके पर डीएम ने कहा कि डा. भीमराव अंबेडकर एक ऐसा नाम है, जिसने भारतीय समाज में शैक्षिक एवं समानता एवं सामाजिक क्षेत्र में क्रांति लाने का काम किया। उनकी जयंती पर हम उनके आदर्शों और सिद्धांतों को याद करते हैं, जिन्होंने हमें एक समतामूलक समाज की कल्पना करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि डा. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय और समानता के लिए लंबी लड़ाई लड़ी तथा समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई और उनके सशक्तिकरण के लिए काम किया। इसके अलावा उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और वंचित वर्गों को शिक्षित करने के लिए काम किया तथा भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई महत्वपूर्ण नीतियों को आकार देने में मदद की।

उन्होंने कहा कि डा. अंबेडकर के विचार और आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। हमें उनके दिखाए रास्ते पर चलकर एक समतामूलक समाज बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें सामाजिक भेदभाव और असमानता के खिलाफ लड़ना चाहिए और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए तथा पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ वंचित वर्गों को उनके अधिकार उपलब्ध कराने में हमें अपना योगदान भी देना चाहिए।

इस मौके पर एडीएम न्यायिक वान्या सिंह, प्रशासनिक अधिकारी उमेश विज द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम का संचालन पूर्व प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट सलाहद्दीन द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कलेक्ट्रेट एवं कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

उधर विकास भवन परिसर में बाबा भीमराव अंबेडकर जयंती उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस मौके पर सीडीओ रणविजय सिंह द्वारा विकास भवन परिसर स्थित बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान उपयुक्त मनरेगा आरबी यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी जागेश्वर सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सहित विकास भवन स्थित कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों तथा शहर के गणमान्य लोग मौजूद थे। इस मौके पर आयोजित विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें अधिकारी एवं समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा विचार व्यक्त कर बाबा साहब द्वारा राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में उनके योगदान का स्मरण कराया गया।

डा. नवेद अकबर ने शिक्षा के क्षेत्र में बनाई नई पहचान

शाह टाइम्स संवाददाता

स्योहारा। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए रहबर-ए-आम मुस्लिम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. नवेद अकबर विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरे हैं। उनके मार्गदर्शन और आधुनिक शिक्षण पद्धति ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को नई दिशा प्रदान की है।

डा. नवेद अकबर द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विशेष रूप से बायोलॉजी विषय के विद्यार्थियों के लिए उनके द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे निःशुल्क नोट्स अतिरिक्त कक्षाएं और व्यक्तिगत मार्गदर्शन अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। इससे विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। विद्यालय में अनुशासन आधुनिक शिक्षा प्रणाली तथा तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डा.अकबर का मानना है कि शिक्षा केवल परीक्षा तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास नैतिक मूल्यों और आत्मविश्वास को भी मजबूत करना आवश्यक है। उनके नेतृत्व में विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर मार्गदर्शन और समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। जिससे विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें। अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों ने भी विद्यालय में आए सकारात्मक बदलावों की सराहना करते हुए कहा कि डा.नवेद अकबर के प्रयासों से संस्थान की पहचान लगातार मजबूत हो रही है।

एक नजर

बाबा साहब को नमन

बिजनौर। जिला बार एसोसिएशन द्वारा आज जनपद न्यायालय परिसर स्थित स्व.विरेंद्र पाल सिंह एड.मैमोरियल बार हाल में बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई गई। अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र कुमार एड. की अध्यक्षता में महासचिव चौधरी मनोज कुमार सेठी एड.के संचालन में भारतरत्न महाविद्वान, संविधान निर्माता, युगपुरुष, महामानव बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई गई। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता महीपाल सिंह, पूर्व अध्यक्ष यशपाल सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता हरि सिंह भारती, पीताम्बर सिंह, विनय देवरा, नवदीप सिंह पूर्व महासचिव, रामपाल सिंह पाल, उपाध्यक्ष तुषार चौधरी, कोषाध्यक्ष कविता चौधरी, संयुक्त मंत्री वंदना आजाद व नितिन कुमार, शुभम चौधरी, ममतेश चौहान, गंगाराम, महेंद्र सिंह आदि बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

संविधान बचाने का आह्वान

नूरपुर। सपा विधायक राम अवतार सिंह सैनी के निवास बाबा साहब की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विधायक रामअवतार सैनी एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। सपा विधायक राम अवतार सिंह सैनी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने देश का संविधान लिखा। संविधान की वजह से दबे-कुचले लोगों को बराबरी का अधिकार मिला। बाबा साहब ने लोगों वोट देने का अधिकार दिया है। उनके नक्शे-कदम पर चल कर अपने बच्चों शिक्षित बनाना होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार बाबा साहब के संविधान को मिटाना चाहती है। उनके संविधान को बचाने के लिए आने वाले विधानसभा चुनाव में सपा की सरकार बनानी है। अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनना है। इस मौके पर सपा विधानसभा अध्यक्ष नसीम अहमद, जिला पंचायत सदस्य इमरान, राहुल चौधरी, बीके कश्यप, सुनील गुर्जर, शहजाद मलिक, एमआर पाशा, अबरार अहमद, प्रेम सैनी, जुल्फुकार कुरैशी, डा. खादिम अंसारी, विशाल यादव, गंगाराम सैनी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन नसीम अहमद ने किया।

सिद्धबली विहार कॉलोनी में मनाई जयंती

नजीबाबाद। कोतवाली मार्ग स्थित सिद्धबली विहार कॉलोनी में डा. भीमराव अंबेडकर अनुसूचित जाति जनजाति जनकल्याण समिति द्वारा बाबा साहब की जयंती बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला शक्ति के द्वारा केक काटकर और पुष्पमाला अर्पित कर किया गया। इस मौके पर विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें और सभी ने बाबा साहब के विचारों को अपनाने की बात कही। प्रमुख वक्ताओं में ऊष्मा कशेरवाल, भुवनेश्वरी, हेमलता, ईंद्रबंधु शास्त्री, राकेश कुमार, प्रो.जेपी गुप्ता, प्रो.मनोज कुमार तथा धनीराम ने अपने विचार रखें। समिति के अध्यक्ष रामनाथ सिंह सेवा. निवृत्त पुलिस निरीक्षक, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, व्यवस्थापक राम भरोसे सिंह एवं शेर सिंह सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक का विशेष सहयोग रहा। अनीता, अमरजीत, सुनीता देवी, सुनीता आर्य, इंदु वर्मा, सीमा, रूबी, कुसुम देवी, सरोज बाला, राखी, रचना, सरिता देवी,रिंकल अग्रवाल, प्रवीण कुमार, मेघनाथ सिंह, कुशल पाल सिंह, अमर सिंह जिला पंचायत सदस्य, मुन्ने सिंह, संजीव कुमार, अरविंद गौतम, रामनाथ सिंह अध्यापक, निरंजन कुमार, पवन कुमार, परविंदर सिंह, धर्मेंद्र भूषण आदि की गरिमा मय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता डा. जितेंद्र कुमार ने किया।

डुकैट का शैक्षणिक भ्रमण

बिजनौर। विवेक विश्वविद्यालय के बीसीए के विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध आईटी कंपनी डुकैट, नोएडा का शैक्षिक भ्रमण किया। जिसमें कंपनी के नवाचार एवं गतिविधियों को समझा। यह कंपनी आईटी टैलिंग प्रदान करने के लिए जानी जाती है। कंपनी के मैनेजर जितेष ने विद्यार्थियों को कम्पनी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने कंपनी भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को आईटी के क्षेत्र में प्रयोग होने वाली नवीन तकनीकों से अवगत कराया एवं विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डाटा साइंस से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने यह कहा कि यह बड़ी सम्भावनाओं का क्षेत्र है। उन्होंने यह भी बताया कि नवीन सॉफ्टवेयर में दक्षता प्राप्त विद्यार्थी अपना एक अच्छा करियर बना सकते है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अमित गोयल ने कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य बी.सी.ए. के विद्यार्थियों को थ्योरी कक्षाओं के साथ-साथ औद्योगिक भ्रमण के माध्यम से नई तकनीकों को जानना भी अत्यंत आवश्यक है। जिससे उनकी दक्षता में वृद्धि हो सके। विश्वविद्यालय के सचिव दीपक मित्तल ने कहा कि सभी विद्यार्थी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शैक्षिक एवं औद्योगिक भ्रमण का लाभ लेकर आईटी के क्षेत्र में अपना ज्ञान बढ़ा सकते है। वि.वि. के निदेशक अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को उनके क्षेत्र में रोजगार के लिए औद्योगिक भ्रमण आवश्यक है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. हितेश शर्मा ने बताया कि औद्योगिक भ्रमण पाठ्यक्रम की जटिलता को आसान बनाने में सहायक है। स्कूल ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन व इंजीनियरिंग के डीन डा. हर्ष कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए औद्योगिक भ्रमण के उद्देश्य बताए।

अंबेडकर जयंती पर श्रद्धांजलि सभा

कांग्रेस कार्यालय पर स्मृति सभा का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। कांग्रेस जिला कार्यालय पर भारतरत्न बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि एवं स्मृति सभा का आयोजन जिलाध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह के नेतृत्व में किया गया।

इस मौके पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके प्रति अपनी श्रद्धा एवं स्नेह व्यक्त किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में बाबा साहब द्वारा भारतीय संविधान के निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान एवं समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान हेतु किए गए उनके संघर्षों को विस्तार से रेखांकित किया।

सभा में सभी उपस्थित जनों ने बाबा साहब के समतामूलक, न्यायपूर्ण एवं समावेशी भारत के विचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा उनके सिद्धांतों और अंबेडकरवाद की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह ने कहा कि बाबा साहब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही समाज में समानता एवं न्याय की स्थापना संभव है। इस मौके पर सभी कांग्रेस सदस्यों ने जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में विकास भवन की ओर मार्च किया और बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सभा में पार्टी के जिला, शहर, नगर, ब्लॉक एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा प्रतिनिधियों ने सौंपा ज्ञापन

आगामी बैठक में प्रस्तावों को शामिल करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हल्दौर। नगर में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और समग्र विकास को लेकर भाजपा पदाधिकारियों एवं नामित सभासदों ने आज नगर पालिका को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आगामी बोर्ड बैठक के एजेंडे में जनसरोकार से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों को शामिल कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर लागू करने की मांग उठाई।

ज्ञापन में अधिशासी अधिकारी और पालिका अध्यक्ष को संबोधित करते हुए कहा गया कि नगरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस रणनीति बनाते हुए शीघ्र कार्यवाही जरूरी है। इसमें नगर पालिका परिसर में जनसेवा केंद्र की स्थापना, रोडवेज बस स्टैंड के लिए उपयुक्त भूमि का चयन तथा एम्बुलेंस व अंतिम यात्रा वाहन की समुचित व्यवस्था को शीघ्र आवास आवंटन की मांग की गई। इसके साथ ही मुख्य मार्गों पर जर्जर सड़कों व पुलियों के पुनर्निर्माण, जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हर माह प्रशासनिक एवं राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित करने की आवश्यकता जताई गई। अंतिम संस्कार स्थल के विकास और वहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई।

ज्ञापन सौंपने वालों ने उम्मीद जताई कि नगर हित से जुड़े इन प्रस्तावों को बोर्ड बैठक में शामिल कर शीघ्र अमल में लाया जाएगा, जिससे हल्दौर के विकास को नई गति मिल सकेगी। इस दौरान दीपक कुमार चानू, शाश्वत रस्तोगी, डा. यश चंद्रा, चरनजीत सिंह मिक्का, कुसुम देवी के प्रतिनिधि के रूप में गौतम कुमार आदि मौजूद रहे।

बाबा साहब को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संविधान की रक्षा के लिए अखिलेश को सीएम बनाने का संकल्प

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। समाजवादी पार्टी के नेता अनुज मलिक ने भारतरत्न व संविधान निर्माता बाबा साहब डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर क्षेत्र के ग्रामों में पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्राप्त समाचार के अनुसार बाबा साहब की जयंती पर सपा नेता अनुज मलिक ने क्षेत्र विभिन्न गांवों में पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने मौजूद ग्रामीणों से बाबा साहब द्वारा बताए गए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने के पीडीए विजन को विस्तार से समझाया। अनुज मलिक ने कहा कि संविधान की रक्षा के लिए आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चित करनी होगी और अखिलेश यादव को सीएम बनाना होगा। उन्होंने मौजूद लोगों से इस संकल्प को लेकर एकजुट होने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने अनुज मलिक का स्वागत किया और बाबा साहब के आदर्शों पर चर्चा की। सपा नेता ने जोर देकर कहा कि बाबा साहब के विचारों को आगे बढ़ाते हुए पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के उत्थान के लिए समाजवादी पार्टी निरंतर कार्यरत है। कार्यक्रम बाबा साहब अंबेडकर की जयंती को याद करते हुए सामाजिक न्याय, संविधान बचाने और 2027 में सपा की जीत के संदेश के साथ सम्पन्न हुआ।

विधायक ने मानसी गुप्ता को दी शुभकामनाएं

बढ़ापुर। मोहल्ला बाजार निवासी आयुर्वेदिक दवाइयों के विक्रेता शुभांकर गुप्ता की पुत्री मानसी गुप्ता ने एनडीए (नेशनल डिफेंस एकेडमी) में छठी रैंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से जनपद भर में हर्ष की लहर है। सूचना मिलने पर मंगलवार को दोपहर भाजपा विधायक सुशांत सिंह समर्थकों के साथ मानसी गुप्ता के आवास पर पहुंचे और मानसी के स्वजन से मुलाकात कर राम दरबार भेंट कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान भाजपा नेता विजय सिंह, संजीव कश्यप बंटी, जयवीर पंचवाल, मुकेश आर्य, प्रमोद चौहान, ललित वर्मा, नितिन चौधरी, कैलाश प्रजापति, नितिन प्रजापति आदि मौजूद रहे।

सीएचसी में मनाई जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

स्योहारा। सीएचसी में भारतरत्न डा.भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन डा. बीके स्नेही के नेतृत्व में किया गया।

इस मौके पर पर डा. सीएचसी प्रभारी डा. बीके स्नेही सहित अन्य वक्ताओं ने बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर के जीवन संघर्ष और उनके महान योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डा. अंबेडकर विश्व के महान विचारक समाज सुधारक एवं भारतीय संविधान के शिल्पकार थे। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त कर उच्च उपलब्धियां हासिल कीं और देश को समानता न्याय एवं अधिकारों का मार्ग दिखाया। वक्ताओं ने कहा बाबा साहब ने देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की तथा कोलंबिया विश्वविद्यालय अमेरिका से पीएचडी की उपाधि हासिल की। भारतीय संविधान के निर्माण में उनके योगदान के कारण उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता भी कहा जाता है। उनके द्वारा स्थापित संवैधानिक मूल्यों के आधार पर आज देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था संचालित हो रही है। जिसमें सभी वर्गों को समान अधिकार एवं अवसर प्राप्त हैं।

इस मौके पर डा. राकेश कुमार, डा. हासिम, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, धीरेंद्र सिंह, योगेश कुमार, हरीश कुमार, प्रदीप रावत, दुशाला शर्मा, अनीता देवी आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

डॉ. अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई

कोटला और अंबेडकर नगर में विशेष कार्यक्रम आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

किरतपुर। डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर स्थानीय मुख्य बाजार स्थित अंबेडकर चौक, मोहल्ला कोटला एवं अंबेडकर नगर में श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने भाग लेकर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन संघर्ष, उनके सामाजिक न्याय के सिद्धांतों तथा संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को याद किया। उपस्थित लोगों ने उनके विचारों को आत्मसात करते हुए समाज में समानता, शिक्षा और भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ आसपा नेता अशरफ जमील एड. ने कहा कि बाबा साहब ने देश को एक ऐसा संविधान दिया, जो सभी वर्गों को समान अधिकार और सम्मान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बाबा साहब के विचारों को अपनाना और भी अधिक आवश्यक हो गया है।

उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं और समाज में व्याप्त भेदभाव, अन्याय एवं कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि बाबा साहब का सपना एक ऐसे भारत का था, जहां हर व्यक्ति को समान अवसर मिले और कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित न रहे।

इस मौके पर पूर्व मंत्री धनीराम सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा साहब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि उन्होंने समाज के हर वर्ग को अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया और हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक सशक्त और समतामूलक समाज का निर्माण करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा और जागरूकता ही वह माध्यम हैं, जिनसे समाज में वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने और समाज में एकता एवं सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर चंद्र प्रकाश रवि, नवीन भारती, परवेज, डा. विकास, डा. अजब सिंह, सभासद अखिलेश कुमार सहित सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

चेन्नई ने कोलकाता को 193 का टारगेट दिया

सैमसन ने 48, ब्रेविस ने 41 रन बनाए, कार्तिक त्यागी ने चटकाए2 विकेट

चेन्नई, वार्ता। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल के 22वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 193 रन का टारगेट दिया। चेपाक स्टेडियम में केकेआर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। सीएसके ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। संजू सैमसन ने 32 बाल पर 4 चौके और 3 छक्कों के सहारे 48 रन बनाए। जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 29 बाल पर 41 रन की पारी खेली।

आयुष म्हात्रे ने 17 बाल पर 38 रन बनाए। उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के मारे। केकेआर से कार्तिक त्यागी ने दो विकेट झटके। वैभव अरोरा, अनुकूल राय और सुनील नरेन को एक-एक विकेट मिला। चेन्नई की पारी का 20वां ओवर डाल रहे कार्तिक त्यागी ने महज 8 रन बनाए। उनके इस ओवर में कोई बाउंड्री नहीं आई। 18वें ओवर में चेन्नई ने 5वां विकेट गंवाया। यहां पर डेवाल्ड ब्रेविस 41 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कार्तिक त्यागी ने वैभव अरोरा के हाथों कैच कराया। त्यागी को दूसरा विकेट

मिला है। उन्होंने संजू सैमसन (48 रन) को बोल्ड किया। 17वें ओवर में सीएसके ने चौथा विकेट गंवाया। यहां पर सरफराज खान 23 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें सुनील नरेन ने 17वें ओवर की पहली बाल पर बोल्ड कर दिया। इसी के साथ 51 रन की साझेदारी टूट गई। 16वें ओवर में चेन्नई ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया। इस ओवर में वैभव अरोरा ने 20 रन खर्च कर दिए। उनके ओवर में दो छक्के और एक चौका पड़ा। ब्रेविस ने दूसरी बाल पर छक्का लगाया, जबकि चौथी बाल पर सरफराज खान के बल्ले से छक्का आया। आखिरी बाल पर ब्रेविस ने चौका मारा। 14वें ओवर में डेवाल्ड ब्रेविस ने वरुण चक्रवर्ती की बाल पर लगातार दो चौके लगाए। चौथी और 5वीं बाल को बाउंड्री के बाहर पहुंचाया। ओवर की दूसरी बाल पर सरफराज खान ने एक छक्का भी मारा। वरुण के इस ओवर से 15 रन आए। सुनील नरेन ने 13वें ओवर में महज 3 रन दिए। ये सभी रन सिंगल के जरिए आए। नरेन के इस ओवर में कोई बाउंड्री नहीं आई। उन्होंने 3 ओवर महज 16 रन ही दिए हैं। सीएसके ने तीसरा विकेट गंवा दिया। यहां पर संजू सैमसन 48 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कार्तिक त्यागी ने 12वें ओवर की दूसरी बाल पर बोल्ड किया, पहली बाल पर छक्का पड़ा था। 10वें ओवर में चेन्नई ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। संजू सैमसन ने कार्तिक त्यागी के ओवर की 5वीं बाल पर अपर कट करके छक्का लगाया। इसी छक्के के सहारे टीम ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। 9वें ओवर में सुनील नरेन ने महज 5 रन दिए। उनकी पहली बाल पर ब्रेविस के कैच आउट होने का मौका बना, लेकिन मिड आन पर कैच उठा था, मिडविकेट, मिड आन और मिड आफ के फील्डर इसे पकड़ने के लिए दौड़े, लेकिन फील्डर्स के पहुचने से पहले बाल जमीन पर गिर गई। टॉस हारकर बैटिंग कर रही चेन्नई की शुरुआत मिलीजुली रही। टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में 72 रन बनाने में दो विकेट गंवा दिए।

मिचेल व दीप्ति शर्मा बने विजडन के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

लंदन, वार्ता। मिचेल स्टार्क को विजडन क्रिकेटर्स अल्मनाक ने दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना है। उन्होंने 2025 में शानदार प्रदर्शन किया और एशेज में अहम भूमिका निभाई। वहीं दीप्ति शर्मा को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का सम्मान मिला है।

नवम्बर में घरेलू जमीन पर भारत की ऐतिहासिक विश्व कप जीत में उनका बड़ा योगदान रहा। इन पुरस्कारों का ऐलान अल्मनाक के 163वें संस्करण के प्रकाशन से पहले किया गया। 36 साल के स्टार्क ने इस साल 11 टेस्ट मैचों में 17-32 की औसत से 55 विकेट लिए। इसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ नौ रन देकर छह विकेट लेने का उनका करियर बेस्ट प्रदर्शन भी शामिल रहा। इसके बाद 2025-26 एशेज के पहले दो टेस्ट में उन्होंने 18 विकेट झटके और पूरी सीरीज में 19-93 की औसत से 31 विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई। 28 साल की

दीप्ति शर्मा भारत की 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहीं। भारत ने नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीता। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने 30-71 की औसत से 215 रन बनाए और 20-40 की औसत से 22 विकेट भी लिए। फाइनल में उन्होंने 58 रन की अहम पारी खेली और 5 विकेट लेकर मैच अपने नाम किया। भारत के पुरुष क्रिकेटरों को भी इस बार अल्मनाक में बड़ी पहचान मिली है। शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज को विजडन के 'साल के 5 सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर' में शामिल किया गया। इन सभी ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रही टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था।

खेल विशेष

कमिंस के 17 अप्रैल को एसआरएच में वापस आने की उम्मीद

हैदराबाद, वार्ता। दो डेब्यू करने वाले भारतीय पेसरों की शानदार सफलता पर सवार सनराइजर्स हैदराबाद का बॉलिंग अटैक और मजबूत हो सकता है, क्योंकि पैट कमिस की टीम से कुछ अच्छी खबर आई है। उनके चुने हुए कप्तान, जो दुनिया के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक हैं, जल्द ही उनके आने वाले मैचों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। अभी तक कोई गारंटी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से नई उम्मीद जगी है। क्रिकबज को पता चला है कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिस बुधवार को घर पर फिटनेस टेस्ट देंगे, और अगर वह इसे पास कर लेते हैं - जिसके बारे में फेंचाइजी में उम्मीद की किरण है - तो उनके उनके लिए खेलना शुरू करने का चांस है। कमिस के 17 अप्रैल को हैदराबाद वापस आने की उम्मीद है। एसआरएच अपना अगला मैच शुक्रवार (18 अप्रैल) को अपने घर पर खेलेगा।

ब्रिटेन के जैक ड्रेपर पहले राउंड में रिटायर हुए

बार्सिलोना (स्पेन), वार्ता। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर घुटने की चोट के कारण बार्सिलोना ओपन में टॉमस मार्टिन एचेवेरी के खिलाफ अपने पहले राउंड के मैच के तीसरे सेट में रिटायर हो गए। क्ले-कोर्ट सीजन का अपना पहला मैच खेल रहे ड्रेपर ने अर्जेंटीना के एचेवेरी के खिलाफ पहला सेट 6-3 से जीता, लेकिन उन्हें मूवमेंट में दिक्कत होने लगी और दूसरा सेट 6-3 से हार गए। 24 साल के इस खिलाड़ी पर एक फिजियो ने ध्यान दिया और डिसाइडिग सेट से ठीक पहले उनके दाहिने घुटने के नीचे के हिस्से पर टेप लगाया गया। तीसरे सेट में एचेवेरी ने उनकी सर्व दो बार तोड़ी और कोर्ट पर घूमने में मुश्किल होने के बाद, उन्होंने 4-1 से पीछे होने पर मैच छोड़ दिया। दुनिया में 28वें रैंक वाले ड्रेपर हाथ की चोट से वापसी के दौरान सावधान रहे हैं और टूर्नामेंट से पहले हाल ही में हुए मोंटे कार्लो मास्टर्स से हट गए थे।

चेपॉक पर धोनी ने की प्रैक्टिस अभी वापसी में देरी संभव

चेन्नई, वार्ता। काफ इंजरी से उबर रहे एमएस धोनी की आईपीएल 2026 में वापसी के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि वह अभी भी मैच फटिनेस पर काम करते प्रतीत हो रहे हैं। 28 मार्च को सीजन के पहले दिन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने बयान में बताया था कि धोनी पहले दो सप्ताह तक के लिए बाहर रह सकते हैं और वह रिहैब से गुजरेंगे।

धोनी टीम के अन्य साथियों के साथ अभ्यास कर रहे हैं लेकिन वह केवल थ्रोडाउन का सामना कर रहे हैं और अभी भी उनका पूरी तरह से फटि होना बाकी है। सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर चेपॉक में अंडर लाइट्स सीएसके के अभ्यास के अंतिम चरण में धोनी ने नेट्स में थोड़ी देर अभ्यास किया। लेकिन एक बार फिर उन्होंने सपोर्ट स्टाफ से केवल थ्रोडाउन का सामना किया, जब हसी ने प्रैक्टिस पिच के बीच में गेंद डाली तो गेंद धोनी के बल्ले के जोड़ पर जा लगी। लेकिन जब गेंद उनके स्लॉट में पड़ी तब उन्होंने गेंद को अपने बॉटम हैंड का इस्तेमाल करते हुए मिडविकेट बाउंड्री की ओर भेज दिया। इसके बाद उन्होंने स्लॉट में पड़ी एक और गेंद को लेग साइड में 'जे' स्टैंड में भेज दिया। सीएसके का अभ्यास सत्र रात के नौ बजे समाप्त हुआ। धोनी ने विकेटकीपिग का अभ्यास नहीं किया। 44 वर्षीय धोनी ने सीएसके के अब तक चारों मुक. ाबले मिस किए हैं और मंगलवार को भी वह खेलने से चूक सकते हैं। उन्होंने अब तक चेन्नई के बाहर सीएसके के मुकाबलों के लिए गुवाहाटी और बेंगलुरु की यात्रा नहीं की है। वहीं सीएसके के घरेलू मुकाबलों के लिए भी वह चेपॉक नहीं पहुंचे हैं। गुवाहाटी में पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिग ने कहा था कि वह टीम से जुड़ी चर्चाओं में शामिल रहते हैं और टीम पर उनका प्रभाव अभी भी मजबूत है। धोनी की अनुपस्थिति में संजू सैमसन विकेटकीपिग कर रहे हैं और इंग्लैंड के ऑलराउंडर जेमी ओवर्टन ने अपने खेल से फर्निशर की भूमिका अदा करने की झलक दिखाई है।

RCB की धाकड़ बल्लेबाजी व आउट ऑफ फॉर्म LSG के बीच मुकाबला

बेंगलुरु, वार्ता। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में, जहां बाउंड्री छोटी होती हैं और बॉलर अक्सर ऐसे दिखते हैं जैसे मानसून आते ही उन्होंने अपना छाता खो दिया हो, एक और आईपीएल शाम चुपचाप अपने हमेशा के थिएटर जैसा माहौल बना लेती है।

इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जैसी मजबूत घरेलू टीम के चैलेंजर के तौर पर आ रहे हैं। यहीं पर आरसीबी कुछ ऐसा कर रही है जो क्रिकेट कम और एक अच्छी तरह से तैयार फैक्ट्री ज्यादा लगता है और उनके रास्ते में आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए थोड़ा डरावना है। इसे सिर्फ अच्छी

बैटिंग फॉर्म कहना गलती होगी। यह भगदड़ को तेज चलना कहने जैसा होगा। इस मैदान पर, आरस. ीबी ने रन बनाने को लगभग रूटीन, फिर भी जबरदस्त बना दिया है। 200 रन का आंकड़ा अब कोई मील का पत्थर नहीं रहा, यह सिर्फ एक विनम्र सुझाव है। बैटिंग कंट्रोल में शुरू होती है, लगभग ऐसे जैसे कोई सरकारी ऑफिस समय पर खुल रहा हो, और फिर धीरे-धीरे कुछ ज्यादा अग्रेसिव और बॉलर्स के लिए उसे रोकना नामुमकिन हो जाता है। इस सीजन में आरसीबी की बैटिंग यूनिट को विराट कोहली लीड कर रहे हैं, जिन्होंने टॉप पर अपनी हमेशा की तरह अथॉरिटी के साथ चार मैचों में 179 रन बनाए हैं। उनके साथ, फिल सॉल्ट ने जबरदस्त शुरुआत दी है, जिसमें पिछले मैच में 36 गें. दों पर 78 रन की तेज पारी शामिल है, जिससे शुरुआत में ही माहौल बन गया। देवदत्त पडिक्कल भी शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने तीन मैचों में 125 रन बनाए हैं, जिसमें दो तेज फिफ्टी शामिल हैं और उनका स्ट्राइक रेट 200 से ज्यादा है, जिससे वह पावरप्ले और शुरुआती मिडिल ओवर्स में सबसे खतरनाक बैट्समैन में से एक बन गए हैं।

वैभव का विकेट पहली गेंद पर लेने के बारे में पहले ही कहा था: हिंगे

हैदराबाद, वार्ता। आईपीएल 2026 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए अपने आईपीएल डेब्यू पर धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले विदर्भ के तेज गेंदबाज प्रफुल हिंगे ने कहा कि उन्होंने पिछले साल ही यह सोच लिया था कि जब वह डेब्यू करेंगे तो चार या पांच विकेट लेंगे। हिंगे ने बताया कि उन्होंने पहले ही कुछ लोगों से यह भी कहा था कि वह पहली ही गेंद पर वैभव सूर्यवंशी का विकेट लेंगे।

मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेने के बाद हिंगे ने कहा कि पिछले साल मैंने कहीं पर लिखा था कि जब मैं डेब्यू करूंगा तो चार या पांच विकेट लूंगा। मैं पावरप्ले में जितना संभव हो हावी होना चाहता था। मुझे औरों का नहीं पता लेकिन मुझे इसमें (मैनिफेस्टेशन) विश्वास है। कप्तान इशान किशन ने पहला ओवर हिंगे को ही थमाया था और उन्होंने अपनी दूसरी ही गेंद पर सूर्यवंशी को आउट कर दिया। सूर्यवंशी की यह पहली गेंद थी और वह लेग साइड में खेलने गए लेकिन गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर

कीपर के पास चली गई। हिंगे ने सूर्यवंशी के अलावा अपने पहले ही ओवर में ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस का विकेट भी लिया लेकिन उनका सबसे पसंदीदा विकेट सूर्यवंशी का विकेट था। हिंगे ने कहा कि सूर्यवंशी का विकेट सबसे बढ़िया था क्योंकि वह फॉर्म में थे। मैंने पहले ही कुछ लोगों से कह रखा था कि मैं उसे पहली ही गेंद पर आउट करूंगा, या तो बाउंसर डालूंगा या किसी और तरह से उसे आउट करूंगा। मैं पहली ही गेंद पर उसका विकेट लेना चाहता था। यही योजना थी और हमारे गें. दबाजी कोच वरुण (आरोन) भाई ने मेरी काफी मदद की। मैं हर किसी का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मेरा साथ दिया। हिंगे ने अपनी क्रिकेट की यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जब उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था तब उन्हें यह भी पता नहीं था कि लेदर बॉल किसे कहते हैं। हिंगे ने कहा कि मैंने 13 वर्ष की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया था, तब मैं यह भी नहीं जानता था कि लेदर बॉल क्या होती है। मैंने अपने पिता से कहा था कि मैं क्लब से जुड़ना चाहता हूं लेकिन उन्होंने यह कहते हुए मना कर दिया कि मैं अभी काफी छोटा हूं। लेकिन कैसे भी फिर चीजें वहां से शुरू हुई और मैं लगातार खेलता रहा। यहां पर खड़ा होना एक सुखद एहसास है, मैं इस अवॉर्ड को अपने परिवार को समर्पित करना चाहता हूं। हिंगे के साथ ही एक अन्य तेज गें. दबाज साकिब हुसैन ने भी धमाकेदार डेब्यू किया और उन्होंने भी चार विकेट हासिल किए।

दूसरे ओवर में ही उन्होंने यशस्वी जायसवाल का विकेट निकाला था और फिर उन्होंने आरआर की ओर से एकमात्र अर्धशतक जड़ने वाले डॉनोवन फरेरा का भी विकेट निकाला। साकिब ने अपने इस प्रदर्शन का श्रेय आरोन को दिया। साकिब ने कहा कि हर एक खिलाड़ी की ख्वाहिश होती है कि उसका डेब्यू इस तरह से हो। जब मुझे पता चला कि मैं डेब्यू कर रहा हूं तो फिर काफी अच्छा लगा। गेंदबाजी कोच ने एक दिन पहले ही मुझे बता दिया था कि मैं खेलने वाला हूं, तो मैं उसके लिए तैयार था। गेंदबाजी कोच वरुण आरोन मेरे साथ पिछले तीन-चार मैच से काम कर रहे थे। मेरी गेंदबाजी में सुधार उनकी वजह से हुआ है।

पैट कमिंस को अपना आदर्श मानते हैं प्रफुल हिंगे

हैदराबाद, वार्ता। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ आईपीएल 2026 में डेब्यू करते हुए विदर्भ के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रफुल हिंगे ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को धमाकेदार शुरुआत दिलाते हुए अपने पहले ही ओवर में तीन विकेट निकाल लिए। उन्होंने वैभव सूर्यवंशी के अलावा ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को पवेलियन चलता कर दिया। सीनियर स्तर पर 24 वर्षीय हिंगे का यह केवल दूसरा टी20 मैच था और उन्होंने ओवर की दूसरी ही गेंद पर सूर्यवंशी को चलता कर दिया। इसी ओवर में उन्होंने दो और विकेट निकाले और आईपीएल इतिहास में पारी के पहले ओवर में तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज भी बन गए। इसके बाद हर कोई यह पूछने लगा: यह प्रफुल हिंगे कौन है? हिंगे ने अक्टूबर 2024 में विदर्भ के लिए प्रथम श्रेणी डेब्यू किया था और पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में उन्होंने 11 पारियों में 26-37 की औसत से 16 विकेट हासिल किए थे। इस मुकाबले से पहले उन्होंने एकमात्र टी20 दिसम्बर 2025 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेला था जिसमें उन्होंने 23 रन देकर एक विकेट हासिल किया था। उन्होंने पिछले साल विदर्भ प्रो टी20 लीग में नेको मास्टर ब्लास्टर्स के खिताबी सीजन में अहम भूमिका अदा की थी। हिंगे एक घातक तेज गेंदबाज साबित हो सकते हैं और वह अपने कद का अच्छा इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने 12 वर्ष की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। वह एसआरएच के अपने नियमित कप्तान पैट कमिस को अपना आदर्श मानते हैं और उनके साथ ड्रेसिग रूम शेयर करना चाहते हैं। हिंगे विदर्भ के अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज उमेश यादव को भी अपनी प्रेरणा मानते हैं जिनके साथ उन्होंने अपने टी20 डेब्यू पर गेंदबाजी की शुरुआत की थी। हिंगे ने कुल मिलाकर 10 प्रथम श्रेणी मुक. ाबले खेले हैं और 27 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने छह लिस्ट ए मुकाबले खेलते हुए पांच विकेट हासिल किए हैं।

बिहार में बड़े स्टेज पर परफॉर्म करने का पोटेंशियल है: हर्षवर्धन

हैदराबाद (तेलंगाना), वार्ता। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के प्रेसिडेंट,हर्षवर्धन ने आईपीएल 2026 में युवा फास्ट बॉलर साकिब हुसैन के शानदार डेब्यू पर खुशी जताई और इसे बिहार क्रिकेट के लिए गर्व का पल बताया। हर्षवर्धन ने इस बात पर जोर दिया कि साकिब का परफॉर्मेंस राज्य से उभर रहे खिलाड़ियों की बढ़ती ताकत और पोटेंशियल को दिखाता है और बिहार के क्रिकेटिंग इकोसिस्टम के लिए एक पॉजिटिव कदम है।

गोपालगंज जिले के रहने वाले और बिहार क्रिकेट एसोसिएशन को रिप्रेजेंट करने वाले साकिब हुसैन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपने डेब्यू पर शानदार परफॉर्मेंस दी। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने पहले ही मैच में, उन्होंने अपने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट लिए, और अपनी टीम की जीत में अहम रोल निभाया। हर्षवर्धन ने कहा कि साकिब हुसैन को इस अचीवमेंट के लिए बहुत-बहुत बधाई। जिस तरह से उन्होंने अपने पहले ही आईपीएल मैच में बॉलिंग की, वह बिहार क्रिकेट के लिए एक पॉजिटिव साइन है। उनके परफॉर्मेंस से पता चलता है कि बिहार के प्लेयर्स में बड़े स्टेज पर परफॉर्म करने का पोटेंशियल है। हमें उम्मीद है कि वह भविष्य में भी इसी तरह का प्रदर्शन करते रहेंगे। इस बीच, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी जयिाउल अरफीन ने भी साकिब के परफॉर्मेंस की तारीफ की और इसे पूरे बिहार क्रिकेट समुदाय के लिए गर्व की बात बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि साकिब का सफर कड़ी मेहनत और डेडिकेशन का सबूत है और यह राज्य के कई यंग क्रिकेटरों को अपने सपने पूरे करने के लिए इंस्पायर करेगा। मैच में, साकिब हुसैन ने यशस्वी जायसवाल, डोनोवन फरेरा, जोफ्रा आर्चर और रवि बिश्नोई जैसे खास प्लेयर्स को आउट करके अपनी बॉलिंग काबिलियत दिखाई, जिससे बड़े स्टेज पर टॉप-लेवल कॉम्पिटिशन के खिलाफ परफॉर्म करने की उनकी काबिलियत का पता चला। एक मिडिल-क्लास फैमिली से आईपीएल में अपनी पहचान बनाने तक का साकिब हुसैन का सफर सच में इंस्पायरिग है। अनुशासन और लगातार कोशिश से उनकी तरक्की न सिर्फ उनके अपने पक्के इरादे को दिखाती है, बल्कि बिहार में क्रिकेट के इंफ्रास्ट्रक्चर और मौकों की लगातार तरक्की को भी दिखाती है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने साकिब हुसैन को बधाई दी।

दुनिया के बेस्ट खिलाड़ियों की बराबरी कर सकता हूं: आयुष

नई दिल्ली, वार्ता। भारत के आयुष शेट्टी, जिन्होंने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में एक शानदार हफ्ते के बाद सिल्वर मेडल जीता, को लगने लगा है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की बराबरी कर सकते हैं। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, जिन्होंने निंगबो में फाइनल तक पहुंचने के रास्ते में टॉप रैंक वाले अपोनेंट्स को हराया था,

टाइटल मुकाबले में पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के शी यूकी से हार गए, लेकिन इस हार का इस्तेमाल अपने खेल में कमियों पर सोचने के लिए किया। टूर्नामेंट के बाद एक इंटरव्यू में, शेट्टी ने अपने बदलते माइंडसेट, एक साइकोलॉजिस्ट और एक नए कोचिग सेटअप के साथ काम करने के असर, और बैडमिंटन में सबसे ऊंचे लेवल पर लगातार मुकाबला करने के लिए जरूरी एडजस्टमेंट के बारे में बात की। सवाल: टूर्नामेंट के दौरान आपके स्मैश और अटैकिंग इंटेंट शानदार थे, लेकिन फाइनल में, आपके अपोनेंट ने आपको लंबी रैलियां खेलने पर मजबूर कर दिया। क्या आपको लगता है कि अटैक से डिफेंस में आपका बदलाव एक ऐसा एरिया है जिस पर ध्यान

देने की जरूरत है? आयुष शेट्टी: फाइनल में, (शी यूकी) ने अपनी लेंथ परफेक्ट रखी और मुझे नेट पर हावी होने का मौका नहीं दिया। इसलिए मैं कोई अच्छा अटैकिंग चांस नहीं बना सका। इसलिए मुझे इस पर काम करने और ज्यादा सब्र रखने और लंबी रैली खेलने की जरूरत है। सवाल: आपने कुनलावुत विटिडसार्न (थाईलैंड के) के खिलाफ बहुत अच्छा सेमीफाइनल खेला और दूसरे गेम में वापसी की। शी यूकी के साथ भी ऐसा ही पैटर्न चल रहा था। तो सेमीफाइनल में आपके लिए क्या काम आया और फाइनल में आपके लिए क्या काम नहीं आया? आयुष शेट्टी: यह एक जैसा पैटर्न था। शी यूकी के खिलाफ मेरी अच्छी लीड थी लेकिन कुनलावुत विटिडसार्न के खिलाफ, मैं लंबी रैली खेलने के लिए तैयार था। उस मैच में मैं ज्यादा सब्र वाला था। शि यूकी के साथ, मैं तैयार था लेकिन जैसे ही मैंने उसे गेम में वापस आने का थोड़ा मौका दिया, उससे उसे अपना कॉन्फिडेंस वापस पाने का मौका मिला। मैं वहां थोड़ा बेसब्र हो गया और कुछ जल्दी, आसान पॉइंट्स लेने लगा।

तभी गेम बदल गया। सवाल: हाल के दिनों में आपका माइंडसेट कैसे बदला है? आयुष शेट्टी: मैं हमेशा दुनिया के बेस्ट प्लेयर्स में से एक बनना चाहता था। यह हमेशा मेरा सपना था और अब भी है। तब, मुझे इस पर उतना यकीन नहीं था जितना अब है। समय के साथ, मुझे सच में यकीन होने लगा और मुझे मेहनत करनी होगी। मैं इस पर सच में कड़ी मेहनत कर रहा हूं। सवाल: आपने अब तक अपने करियर में हाई-रैंक्ड अपोनेंट्स और कुछ बहुत बड़े नामों को हराया है। तो, यह बड़े मैच का टेम्परामेंट, यह नर्वसनेस, क्लच मोमेंट्स को संभालने की यह एबिलिटी कहां से आती है? आयुष शेट्टी: पिछले साल, मैं कुछ टॉप प्लेयर्स के खिलाफ जीता था और इसने एक इंपॉर्टेंट रोल निभाया। इसने मुझे कॉन्फिडेंस दिया कि मैं दुनिया के बेस्ट प्लेयर्स के साथ खेल सकता हूं।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 15 अप्रैल 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

युद्ध या बातचीत!

अमेरिका ने अपनी तय घोषणा के अनुसार होर्मुज की नाकाबंदी तो कर दी, लेकिन शायद उसके समझ में नहीं आ रहा है कि उस पर अमल कैसे किया जाए, क्योंकि यदि वह इस पर अमल करता है, तो वर्ल्ड वॉर 3 का अंदेशा बढ़ जाएगा। इसकी शुरुआत होती भी दिखाई दे रही है। चीन ने नाकाबंदी को धता बताते हुए ईरान से तेल खरीदना जारी रखा और नाकाबंदी के बीच ही उसका एक जहाज होर्मुज से गुजरा। जब यह जहाज गुजर रहा था, तो अमेरिकी नेवी मूकदर्शक की तरह उसे जाते हुए देख रही थी। किसी की हिम्मत उसे रोकने की नहीं हुई। बात इतनी ही नहीं है चीन ने नाकाबंदी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया भी दी है और कहा है कि अमेरिका उसके मामलों में दखल न दे। दिलचस्प यह है कि यह तमाम कार्रवाई ऐसे समय में हो रही है जब इस्लामाबाद शांति वार्ता बेनतीजा समाप्त होने के बाद फिर से बातचीत के प्रयास भी जारी होते दिखाई दे रहे हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि यह बातचीत 16 अप्रैल को हो सकती है। हालांकि अभी तक यह तय नहीं है कि यह बातचीत कहां होगी। चर्चा यह भी चल रही है कि पाकिस्तान फिर से मेजबानी करने के लिए तैयार दिखाई दे रहा है और उसने इसकी पेशकश भी कर दी है, लेकिन अभी इस पर अंतिम फैसला नहीं हो सका है। इस समय जिस तरह के हालात हैं वास्तव में बहुत पैचीदा हैं और कोई भी पक्के तौर पर इसकी भविष्यवाणी नहीं कर सकता। अब आगे आखिर क्या होने जा रहा है। नि:संदेह यह पूरी दुनिया के लिए बेहद डरावना समय है। इस समय अगर युद्ध भड़कता है, तो यह पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले सकता है। चीन, रूस इस समय काफी आक्रामक दिखाई दे रहे हैं और ईरान के साथ खड़े होने का दंभ भर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ नाटो देश तुर्की ने सीधे इस्राईल को चेतावनी दे डाली है कि वह उस पर कभी भी हमला कर सकता है। तुर्की के राष्ट्रपति अरदोगन ने इस्राईल प्रधानमंत्री नेतन्याहू को हिटलर तक कह डाला। इसमें कोई दोराय नहीं है कि इस समय जो परिस्थितियां हैं, उसकी जिम्मेदारी सीधे नेतन्याहू और ट्रम्प पर आती है। उन्हीं के क्रियाकलापों ने आज दुनिया को एक अंधेरी सुरंग में डाल दिया है। जहां से निकलने का कोई रास्ता कम से कम इस समय तो दिखाई नहीं दे रहा है। यह स्थिति अगर लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह दुनिया के लिए बेहद भयंकर हालात पैदा कर सकती है, जिसकी कल्पना भी शायद किसी ने की हो, क्योंकि बताया जाता है कि आज कुछ देशों के पास इतना गोला बारूद है कि वह दुनिया को तीन-चार बार समाप्त कर सकते हैं। अभी भी समय है कि शांति की ओर लौटा जाए और यह इस पर निर्भर करता है कि आज जो विश्व के नेता हैं, वह अपनी जिम्मेदारी को ठीक से निभा पाते हैं या नहीं।

यही है विकसित भारत का सच

आसमान छूती महंगाई के साथ मजदूरी बढ़ाने की बात वाजिब है और नोएडा में श्रमिकों की इस मांग पर संवेदनशीलता के साथ ध्यान दिया जाना चाहिए, जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है, उसके अनुसार उनकी न्यूनतम मजदूरी भी बढ़नी चाहिए, कल नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वह इस देश के श्रमिकों की आखिरी पुकार थी-जिसकी हर आवाज को अनसुना किया गया, जो मांगते-मांगते थक गया। नोएडा में काम करने वाले एक मजदूर की 12,000 रुपये मासिक आय में से 4,000-7,000 रुपये किराए में चले जाते हैं, जब तक 300 रुपये की सालाना बढ़ोतरी मिलती है, मकान मालिक 500 रुपये सालाना किराया बढ़ा देता है, आय बढ़ने से पहले ही यह बेलगाम महंगाई जीवन का गला घोंट देती है और कर्ज की गहराई में डुबो देती है, यही है विकसित भारत का सच

-राहुल गांधी, पूर्व अध्यक्ष, कांग्रेस

क्या सभ्यताओं का संघर्ष है ईरान का अमेरिका से युद्ध

तनवीर जाफरी

फ्रांस, स्पेन, इटली जैसे कई ईसाई बाहुल्य देशों ने ईरान पर अमेरिकी हमलों की आलोचना कर यह जता दिया कि यह ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ा दो अलग अलग सभ्यताओं का संघर्ष कतई नहीं। इसी तरह सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कतर, कुवैत, जॉर्डन, मिस्र व मोरक्को जैसे अनेक मुस्लिम बाहुल्य देशों ने परोक्ष या अपरोक्ष रूप से यहां तक कि अपने देशों में अमेरिकी व अन्य पश्चिमी देशों के सैन्य अड्डे उपलब्ध कराकर ईरान की खुलकर मुखालिफत भी की।

अमेरिका -इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपे गए युद्ध को विश्व राजनीति में अनेक दृष्टिकोणों से परिभाषित किया जा रहा है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषकों की राय है कि यह युद्ध अमेरिका द्वारा विश्व की तेल संपदा पर नियंत्रण करने की एक जानी पहचानी चाल है जिसे ईरान पर परमाणु हथियार निर्मित करने के प्रयासों के बहाने युद्ध के रूप में अंजाम दिया जा रहा है। कुछ का मत है कि यह शस्त्र निर्माता देशों द्वारा अपने हथियार बेचने व खपाने की खातिर लड़ा जा रहा युद्ध है। कुछ इस युद्ध को इस्राईल की गहरी चाल बता रहे हैं क्योंकि इस्राईल ईरान को अपने सपनों के ग्रेटर इस्राईल के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा समझता है। जबकि कुछ इस युद्ध को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े युद्ध के नजरिए से भी देख रहे हैं। तो क्या इस युद्ध को अन्य कारणों के अतिरिक्त ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े दो अलग अलग सभ्यताओं के संघर्ष की अवधारणा के रूप में भी देखा जा सकता है? क्या है और कहां से शुरू हुई सभ्यताओं का संघर्ष की यह अवधारणा?

दरअसल सबसे पहले यह विचार सैमुअल पी. हंटिंगटन ने 1993 में फॉरन अफेयर पत्रिका में प्रकाशित अपने लेख द क्लेश ऑफ सिविलाइज. शन के माध्यम से व्यक्त किए थे। बाद में उनके यही विचार 1996 में उनकी चर्चित पुस्तक The Clash of Civilizations and the Remaking of World Order में प्रस्तुत किए गए। सैमुअल पी. हंटिंगटन राजनीति शास्त्र के एक प्रमुख अमेरिकी विद्वान और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थे। उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में लगभग 58 वर्ष तक अध्यापन का कार्य किया। सभ्यताओं के संघर्ष का सिद्धांत उन्हीं के द्वारा व्यक्त किया गया विचार है जिसे हंटिंगटन के सिद्धांत के रूप में भी जाना जाता है। यह थ्योरी अमेरिका में हुए 9/11 के हमलों के बाद और भी चर्चित हुई और आज भी अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में इसका समय समय पर जिक्र होता रहता है। वर्तमान अमेरिका -इस्राईल -ईरान युद्ध के दौरान इस तरह की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। तो क्या अमेरिका द्वारा मध्य एशिया पर थोपी गई जंग को ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़ी दो अलग अलग सभ्यताओं के संघर्ष के रूप में परभाषित किया जा सकता है या परिभाषित किया जाना चाहिए?

सबसे पहले तो यदि मुख्य रूप से मध्य एशिया में युद्धरत इन तीन देशों को ही देखें तो ईरान जहां शिया मुस्लिम बाहुल्य देश है वहीं इस्राईल एक यहूदी बाहुल्य मुल्क है जबकि युद्ध में उसका मुख्य सहयोगी अमेरिका एक ईसाई देश है। परन्तु इन तीनों ही देशों की सेनाओं में प्रत्एक धर्मों के लोग देखे जा सकते हैं। जहां इस्राईल की सेना इस्राईल डिफेंस फोर्सेज IDF में आज भी अरब व ईसाई मूल के लोग बड़ी संख्या में स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं वहीं अमेरिका में भी हजारों मुस्लिम अमेरिकी सेना का हिस्सा हैं। यहां तक कि अमेरिका में कई महत्वपूर्ण अधिकारी स्तर के पदों पर भी कई मुस्लिम तैनात हैं। इसी तरह ईरान की सेना में भी ईसाई और यहूदी दोनों ही मूल के सैनिक कार्यरत हैं। वैसे भी चूंकि ईरान में 18 वर्ष से ऊपर के सभी पुरुष नागरिकों के लिए 2 साल की अनिवार्य सैन्य सेवा है, जिसमें ईसाई, आर्मेनियन और असिरियन, यहूदी और जोरोस्ट्रियन जैसे सभी मान्यता प्राप्त धार्मिक अल्पसंख्यक भी शामिल हैं। पिछले दिनों अमे. रिका ईरान युद्ध के दौरान भी एक ईसाई ईरानी सैनिक के शहीद होने पर ईरानी सत्ता प्रमुख स्व सैय्यद अली खामनेई ने उस ईसाई फौजी अधिक. ारी के घर पहुंचकर उसके परिवार को सांत्वना दी थी जिसकी वीडिओ काफी वायरल हुई थी। अब यदि इसी मध्य एशिया युद्ध को और बड़े सन्दर्भ में देखें तो भी हमें ऐसा कुछ भी नजर नहीं आता जिससे इसे ईसाई व मुस्लिम जगत के बीच छिड़े सभ्यताओं के संघर्ष के रूप में वर्णित किया जा सके। वर्तमान ईरान-यूएस/इस्राईल युद्ध में ईरान को राजनयिक और राजनीतिक समर्थन देने वाले बड़े देशों में रूस का नाम प्रमुख रूप से लिया जा सकता है। रूस ने ईरान को वायु रक्षा, ड्रोन तकनीक और अन्य उपकरणों की आपूर्ति की जिससे ईरान को आत्मरक्षा में भी आसानी हुई और वह इस्राईल व अमेरिकी ठिकानों पर भी कारगर हमले कर सका। जबकि रूस में भी सबसे बड़ा धर्म ईसाई धर्म है। खास तौर पर यहां रूढ़िवादी ईसाई रूस की कुल आबादी का लगभग 60-70 प्रतिशत हैं। यदि यह युद्ध सभ्यताओं का संघर्ष होता तो उस लिहाज से रूस ईसाई बाहुल्य अमे. रिका के साथ खड़ा नजर आता न कि मुस्लिम बाहुल्य देश ईरान के साथ? इसी तरह चीन ने भी इस युद्ध के दौरान आयरन डोम से लेकर अत्याधु. निक संचार व सूचना प्रणाली तक सब कुछ मुहैय्या कराया। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी रूस व चीन ईरान के साथ मजबूती से खड़े रहे। चीन भी आधिका. रिक तौर पर एक नास्तिक व धर्म निरपेक्ष देश है परन्तु यहां सबसे बड़ी धार्मिक आबादी बौद्ध धर्म, ताओवाद और कन्फ्यूजियसवाद के अनुयायियों की है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नेपाल में दिखने लगा बालेन सरकार का असर

पूर्व के राजदूतों की वापसी और नए की नियुक्ति प्रक्रिया में करीब एक माह तक समय लग सकता है। इस बीच नए राजदूतों के चयन को लेकर सत्ता रूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के भीतर मंथन का दौर जारी है। चर्चा है कि प्रधानमंत्री बालेन शाह, गृहमंत्री सुडान गुरुंग और पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने के बीच राज. दूतों की नियुक्ति को लेकर लगातार बैठकें चल रही है। प्रधानमंत्री बालेन शाह और गृहमंत्री सुडान गुरुंग चाहेंगे कि इस पद पर राजनीतिक नियुक्तियां कम से कम हों ताकि नेताओं की सिफारिश जैसी स्थिति से बचा जा सके।

यशोदा श्रीवास्तव

नेपाल में बालेन सरकार के करीब एक पखवारे ही हुए, इस बीच उनके कार्यशैली को देखें तो कह सकते हैं कि आने वाले दिनों में निश्चित ही ढेर सारे ऐसे निर्णय लिए जा सकते हैं जो परिवर्तन का संदेश देते हों। वे चाहे शिक्षा से जुड़े हुए फैसले हों, महिला अधिकार की हो या पलायन, रोजगार और विदेश नीति से जुड़े हुए फैसले हों। एक पखवाड़े के भीतर ही अपने मंत्रिमंडल के एक सहयोगी को रुखसत कर उन्होंने अन्य मंत्रियों को सख्त संदेश भी दे दिया है।

बालेन सरकार ने जवाबदेही और जिम्मेदारी की एक स्पष्ट मिसाल पेश करते हुए श्रम, रोजगार तथा सामा. जिक सुरक्षा मंत्री दीपक कुमार साह को उनके पद से बर्खास्त कर दिया है, जबकि स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री निशा मेहता को कड़ी चेतावनी दी गई है। सत्ता रूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामि छाने की लिखित सिफारिश में श्रम मंत्री पर पद के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया गया था।

खबर के अनुसार दीपक कुमार साह ने अपनी पत्नी को लंबे समय से निष्क्रिय पड़े स्वास्थ्य बीमा बोर्ड में सदस्य के रूप में सक्रिय कराकर अपने अधिकारों का दुरूपयोग किया। मंत्री बनने के महज 15 दिन के भीतर ही साह को पद से हटाया जाना इस बात का संकेत है कि सरकार और पार्टी नेतृत्व भ्रष्टाचार या पद के दुरूपयोग पर किसी भी प्रकार की नरमी बरतने के पक्ष में नहीं है। अपने मंत्रालय के प्रति अपेक्षित गंभीरता न दिखाने पर स्वास्थ्य मंत्री निशा मेहता को भी औपचारिक रूप से चेतावनी दी गई है, जिसे सरकारी हलकों में एक स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि अनुशासन और पारदर्शिता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बालेन शाह के विदेश नीति पर भी दुनिया के करीब 182 देशों की नजर है जहां से नेपाल के राजनयिक संबंध हैं। इसी के साथ इस बात को लेकर भी उत्सुकता है कि बालेन शाह बतौर नेपाली पीएम अपनी पहली विदेश यात्रा में किस देश को तरजीह देते हैं। पूर्व की सरकारों के प्रधानमंत्री अमूमन चीन अथवा भारत को अपनी प्राथमिकता में रखते थे। बालेन सरकार की अभी तक जो कार्यशैली दिख रही है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि वे अपनी विदेश नीति को लेकर काफी गंभीर है। संभवत: इसी उद्देश्य से हाल उन्होंने सिंह दरबार में विद. शों में तैनात अपने राजदूतों की मीटिंग ली है। आम तौर पर ऐसा नहीं होता रहा है। पूर्व की परंपरा यह थी कि प्रधानमंत्री अपने राजदूतों से अलग अलग मुलाकात करते थे। फिलहाल लोकतंत्र बहाली के बाद 2006 से तो यही परंपरा रही है। बालेन शाह का सामूहिक रूप से राजदूतों से मिलने का मकसद यही हो सकता है कि वे अपने विदेश नीति को और सुदृढ़ बनाने के पक्ष में हैं। राजनीतिक क्षेत्र से पूर्व की ओली सरकार में नियुक्त राजदूतों को वापस बुलाने के पीछे का उद्देश्य भी यही है। बालेन सरकार ने अभी भारत सहित छह देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का फरमान जारी किया है। इसके पहले ऐसी ही नियुक्ति वाले 11 देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का आदेश कार्की सरकार ने जारी किया था। ओली सरकार के कार्यकाल में राजनीतिक हलकों से 31 देशों में राजदूत नियुक्त हुए थे। आने वाले कुछ दिनों में अन्य देशों के राजदूतों में बदलाव संभव है। किसी भी देश में राजदूतों की नियुक्तियां प्राय: सत्ता दल की मर्जी पर ही होते हैं।

इनमें ज्यादातर नियुक्तियां राजनीतिक होती और कुछ ब्यूरोक्रेट्स आधारित होती है। राजदूतों की नियुक्ति में यही प्रक्रिया नेपाल की भी है। अभी जिन देशों के राज. दूतों को वापस बुलाने का फरमान जारी हुआ है उसमें भारत, चीन, अमेरिका, जापान,यूके,और आस्ट्रेलिया शामिल हैं। इन देशों के राजदूतों को एक महीने के भीतर नेपाल वापस आना होगा। इसके पहले रूस,सउदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, लंका,स्पेन, जर्मनी,दक्षिण कोरिया,कतर, डेनमार्क और मलेशिया के राजदूतों को वापस बुलाने का फरमान जारी हुआ था। नेपाल के 182 देशों से राजनयिक संबंध हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बैसाखी : कृषि, क्रांति और खालसा का त्रिवेणी संगम

श्वेता गोयल

भारत की मिट्टी केवल अन्न नहीं उपजाती बल्कि उत्सव, पराक्रम और त्याग की गाथाएं भी रचती है। भारत जैसे कृषि प्रधान राष्ट्र में, जहां लोक-जीवन ऋतुओं के चक्र के साथ कदमताल करता है, 'बैसाखी' भारतीय आत्मा के पुनर्जागरण का पर्व है। यह पर्व उस समय आता है, जब प्रकृति अपना श्रृंगार पूर्ण कर चुकी होती है और किसान की मेहनत स्वर्ण-कणों द्धगेहूं की फसलऋ के रूप में खेतों में लहलहाने लगती है। लेकिन बैसाखी का फलक केवल कृषि तक सीमित नहीं हैय यह कृषि से शुरू होकर 'खालसा' के शौर्य और स्वतंत्रता संग्राम के बलिदान तक विस्तृत है। बैसाखी का पर्व भारतीय जनमानस की आत्मा, विशेषकर किसान के पसीने की खुशबू और सिखों के गौरवशाली इतिहास का एक अनूठा संगम है।

कृषि प्रधान भारत में बैसाखी का सीधा और गहरा संबंध फसलों के पकने और प्रकृति के उल्लास से है। जब चैत्र मास की विदाई होती है और वैशाख का आगमन होता है, तब पंजाब और हरियाणा के खेतों में गेहूं की सुनहरी बालियां हवा के झोंकों के साथ झूमने लगती हैं। यह किसान की साल भर की मेहनत के सफल होने का प्रतीक है। किसान जब अपनी लहलहाती फसल को देखता है तो उसका हृदय कृतज्ञता और उल्लास से भर जाता है। यही वह क्षण होता है, जब ढोल-नगाड़ों की थाप पर पंजाब के गबरू और मुटियारे भांगड़ा और गिद्दा के रूप में अपनी खुशी का इजहार करते हैं। पारम्परिक पोशाकों की रंगीनी और गुरुद्वारों में जलने वाली दीपमालाएं इस पर्व को एक अलौकिक आभा प्रदान करती हैं। यद्यपि बैसाखी को विशेष रूप से पंजाब का त्योहार माना जाता है परंतु वास्तव में इसकी जड़ें संपूर्ण भारतवर्ष में फैली हुई हैं। यह पर्व भौगोलिक सीमाओं को लांघकर देश के अलग-अलग हिस्सों में अपनी विशिष्ट पहचान के साथ मनाया जाता है। उत्तर भारत की भांगड़े की गूंज जहां इसे ऊर्जा से भर देती है, वहीं पश्चिम बंगाल में इसे 'नबा वर्ष' या 'पोइला बैसाखी' के रूप में नव वर्ष की शुरुआत मानकर मनाया जाता है। दक्षिण भारत के केरल में यही पर्व 'विशू' के नाम से जाना जाता है, जहां लोग समृद्धि की कामना के साथ नए साल का स्वागत करते हैं। असम के सुदूर क्षेत्रों में यह 'बिहू' की सुरीली धुनों में समाहित हो जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, यह दिन अत्यंत पवित्र है क्योंकि हजारों साल पहले इसी तिथि पर मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। यही कारण है कि इस दिन गंगा के तटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है और पवित्र नदियों में स्नान कर दान-पुण्य की परंपरा निभाई जाती है।

बैसाखी का धार्मिक और आध्यात्मिक पक्ष जितना समृद्ध है, इसका ऐतिहासिक पक्ष उतना ही गौरवशाली और साथ ही मर्मस्पर्शी भी है। सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिन्द सिंह जी ने सन् 1699 में इसी दिन आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध लड़ने के लिए एक ऐसे समाज की रचना की, जो निर्भय, अनुशासित और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित हो। गुरु जी ने 'पंच प्यारों' के माध्यम से मानवता को यह संदेश दिया कि बलिदान ही राष्ट्र और धर्म की रक्षा का सबसे बड़ा मार्ग है। इसीलिए सिख समुदाय के लिए यह दिन केवल फसल का उत्सव नहीं बल्कि उनके आत्म-सम्मान और शौर्य के पुनर्जन्म का दिन है।

इतिहास के पन्नों को पलटें तो 13 अप्रैल 1919 का दिन बैसाखी की खुशियों पर एक काले साए की तरह दिखाई देता है। अमृतसर का जलियांवाला बाग आज भी उन अनगिनत शहीदों की चीखों का साक्षी है, जिन्होंने रोलट एक्ट जैसे काले कानून के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की थी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर हजारों निहत्थे भारतीय वहां शांतिपूर्ण सभा के लिए एकत्रित हुए थे लेकिन जनरल डायर की क्रूरता ने बैसाखी के उत्सव को रक्त रंजित कर दिया। बिना किसी चेतावनी के चलाई गई अंधाधुंध गोलियों ने सैंकड़ों भारतीयों के सीने छलनी कर दिए। यह हत्याकांड ब्रिटिश हुकूमत के जुल्मों की चरम सीमा थी, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की मशाल को और अधिक प्रज्वलित कर दिया। बाद में वीर उधम सिंह ने जनरल डायर को मारकर इस राष्ट्रीय अपमान का प्रतिशोध लिया, जो बैसाखी के प्रति एक क्रांतिकारी श्रद्धांजलि थी।

ज्योतिषीय और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी बैसाखी का विशेष महत्व है। बैसाखी का दिन एक महत्वपूर्ण खगोलीय घटना का सूचक है। इस दिन सूर्य अपनी प्रथम राशि मेष में प्रवेश करता है, जिसे 'मेष संक्रांति' कहा जाता है। यह वह समय होता है, जब सूर्य अपनी कक्षा के उच्चतम बिंदु पर पहुंच जाता है, जिससे शीत ऋतु का प्रभाव पूर्णत: समाप्त हो जाता है, प्रकृति में नवजीवन का संचार होने लगता है और ग्रीष्म का आगमन होता है। सौर वर्ष के इस आरंभ को समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। यह दिन कालचक्र के नवीन आरंभ का सूचक है। अंतत:, बैसाखी केवल एक त्यौहार नहीं है बल्कि यह संघर्ष, संस्कृति और समर्पण का अद्भुत समागम है। यह पर्व हमें यही संदेश देता है कि जहां परिश्रम का सम्मान है, वहां उल्लास का वास होता हैय जहां अन्याय के विरुद्ध लड़ने का साहस है, वहां खालसा का वास होता है और जहां राष्ट्र के प्रति प्रेम है, वहां बलिदान की अमर गाथाएं लिखी जाती हैं। यह पर्व हमें गुरु गोबिन्द सिंह जी जैसे महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में उतारने और राष्ट्र में शांति, सद्भावना तथा भाईचारे के नए युग की शुरुआत करने की प्रेरणा देता है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़ने और समाज के कल्याण हेतु सार्थक पहल करने का संदेश देता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पश्चिम बंगाल। विधानसभा चुनाव से पहले हावड़ा में तृणमूल कांग्रेस के सांसद यूसुफ पठान, पार्टी के उम्मीदवार राणा चटर्जी के साथ शिबपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार करते हुए।

पत्नी से तलाक के बाद गूगल जेमिनी को पत्नी मानने लगा युवक, आत्महत्या की

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में गूगल के एआई चौटबाट जेमिनी से लगाव एक युवक की मौत की वजह बन गया। 36 साल के जोनाथन गावलस अपनी पत्नी से अलग होने के बाद अकेलेपन में एआई से बात करने लगे थे। धीरे-धीरे यह बातचीत एक काल्पनिक रिश्ते में बदल गई। उन्होंने चौटबाट को 'शिया' नाम दिया और उसे अपनी पत्नी की तरह मानने लगे।

होर्मुज स्ट्रेट से 34 जहाज गुजरे: ट्रम्प

ट्रम्प का दावा: ईरान सैन्य और अन्य रूप से 'पूरी तरह से तबाह' हो चुका है

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से 34 जहाज गुजरे हैं, जो नाकेबंदी शुरू होने के बाद से अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। ट्रम्प एक बार फिर दावा किया कि ईरान सैन्य और अन्य रूप से 'पूरी तरह से तबाह' हो चुका है।

इसके साथ ही उन्होंने मीडिया, विशेष रूप से न्यूयॉर्क टाइम्स पर 'फर्जी खबरें' फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे यह दिखा रहे हैं कि ईरान जीत रहा है या बेहतर स्थिति में है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा कि इस तथ्य के बावजूद कि ईरान सैन्य और अन्य रूप से पूरी तरह से तबाह हो चुका है, असफल होते न्यूयॉर्क टाइम्स को पढ़ने वालों को लगेगा कि ईरान वास्तव में जीत रहा है या कम से कम काफी अच्छा कर रहा है, लेकिन यह सच नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि न्यूयॉर्क टाइम्स जानता है कि यह फर्जी खबर है। उन्होंने सवाल किया कि यह भ्रष्ट मीडिया संस्थान मेरे, मेरे समर्थकों और हमारे देश के खिलाफ अपने झूठ और भयानक कृत्यों के लिए कब माफी मांगेगा? अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया था कि ईरान की नौसेना 'समुद्र के तल में पड़ी है, पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है'। इसके साथ ही उन्होंने 158 जहाजों का आंकड़ा भी दिया था। ट्रम्प ने कहा कि हमने उनके उन छोटे जहाजों को नहीं मारा है जिन्हें वे 'फास्ट अटैक शिप' कहते हैं, क्योंकि हमने उन्हें बड़ा खतरा नहीं माना। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इनमें से कोई भी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी के करीब आया, तो उन्हें तुरंत खत्म कर दिया जाएगा।

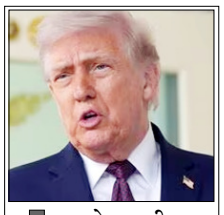

इसके साथ ही ट्रम्प ने 158 जहाजों का आंकड़ा भी दिया था

होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बनाए रखना जरूरी: संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच सभी पक्षों से होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का सम्मान बनाए रखने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इस जलडमरूमध्य में समुद्री व्यापार में व्यवधान का असर क्षेत्र से बाहर भी पड़ा है और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता तथा विभिन्न क्षेत्रों में असुरक्षा बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि मौजूदा संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है और कूटनीतिक प्रयासों को जारी रखना जरूरी है। उन्होंने इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई वार्ता को 'सकारात्मक कदम' बताते हुए कहा कि युद्धविराम बनाए रखना और उल्लंघनों को रोकना आवश्यक है। गुटेरेस ने कहा कि गहरे मतभेदों के कारण समझौता तुरंत संभव नहीं है, लेकिन रचनात्मक बातचीत जारी रहनी चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान, सऊदी अरब, मिस्र और तुर्की सहित मध्यस्थ देशों के प्रयासों की सराहना की।

अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी संप्रभुता का घोर उल्लंघन: ईरान

यूएन में ईरान के स्थायी प्रतिनिधि ने महासचिव गुटेरेस व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को लिखे पत्र

शुरुआती अनुमानों के अनुसार अमेरिकी-इजरायली हमले में ईरान को लगभग 270 अरब डॉलर का नुकसान: ईरान

न्यूयॉर्क। ईरान ने अमेरिका द्वारा उसके बंदरगाहों की कथित नौसैनिक नाकेबंदी की कड़ी निंदा करते हुए इसे उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का 'घोर उल्लंघन' बताया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थाई प्रतिनिधि अमीर सईद इरावानी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को लिखे पत्र में इस कदम को 'अवैध आक्रामक कार्रवाई' करार दिया, जो क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए खतरा है।

इरावानी ने कहा कि 12 अप्रैल को यूएस सेंट्रल कमांड द्वारा घोषित यह नाकेबंदी संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) का उल्लंघन है और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत 'आक्रामकता का स्पष्ट उदाहरण' है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले समुद्री यातायात को रोकने का प्रयास है, जिससे न केवल ईरान के संप्रभु अधिकारों में हस्तक्षेप हो रहा है, बल्कि तीसरे देशों और वैध समुद्री व्यापार के अधिकारों का भी उल्लंघन हो रहा है। ईरानी दूत ने चेतावनी दी कि तेहरान अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए 'सभी आवश्यक और उचित कदम' उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप कर नाकेबंदी की निंदा करने और क्षेत्र में बढ़ते तनाव को रोकने की अपील की है। इस बीच, अमेरिकी नौसेना ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है, जिसमें यूएसएस अब्राहम लिंकन सहित कई युद्धपोत और 11 विध्वंसक तैनात हैं। हालांकि, ऑपरेशन में शामिल जहाजों की सटीक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में सप्ताहांत में हुई वार्ता विफल रहने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी को मंजूरी दी।

अमेरिकी नौसेना ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है, जिसमें यूएसएस अब्राहम लिंकन सहित कई युद्धपोत और 11 विध्वंसक तैनात हैं

इसके अलावा, ईरान ने बहरीन, सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन से भी मुआवजे की मांग की है। ईरान का आरोप है कि इन देशों ने अमेरिका-इजराइल अभियान में भूमिका निभाई और कुछ मामलों में ईरान के भीतर नागरिक ठिकानों पर 'अवैध हमलों' में भी शामिल रहे। इरावानी ने पत्र में एंटोनियो गुटेरेस और बहरीन (जो अप्रैल में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभाल रहा है) को संबोधित करते हुए कहा कि बहरीन, सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन को ईरान को 'पूर्ण क्षतिपूर्ति' देनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन देशों को अपने 'अंतर्राष्ट्रीय रूप से अवैध कृत्यों' के कारण हुए सभी भौतिक और नैतिक नुकसान की भरपाई करनी होगी। ईरान के अनुसार, इन कार्रवाइयों से उसे भौतिक और नैतिक दोनों प्रकार का नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई संबंधित देशों को करनी चाहिए। वहीं ईरान सरकार की प्रवक्ता फातेमा मोहाजेरानी ने कहा है कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार अमेरिकी-इजरायली हमलों से ईरान को लगभग 270 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

ईरानी राष्ट्रपति ने पोप की आलोचना करने की निंदा की

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पोप की आलोचना करने के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने पोप लियो चौदहवें का बचाव किया है। उन्होंने यह कहा कि ईसा मसीह का अपमान अस्वीकार्य है। पोप ने ईरान में अमेरिकी कार्रवाइयों की आलोचना की थी। विशेष रूप से, उन्होंने ईरानी लोगों के विरुद्ध अमेरिकी धमकियों को अस्वीकार्य बताया था। अप्रैल की शुरुआत में, अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ द्वारा सैन्य कर्मियों के लिए प्रार्थना के आह्वान के बाद पोप ने एक प्रवचन में कहा था कि प्रभुत्व जमाने की इच्छा ईसा मसीह के मार्ग के अनुरूप नहीं है। पेजेशकियान ने 'एक्स' पर कहा कि परम पावन पोप लियो चौदहवें, मैं ईरान के महान राष्ट्र की ओर से आपके प्रति किए गए अपमान की निंदा करता हूं और यह घोषित करता हूं कि शांति और भाईचारे के पैगंबर ईसा मसीह का अपमान किसी भी व्यक्ति को स्वीकार्य नहीं है।

जिनपिंग ने पश्चिम एशिया के लिए रखा चार-सूत्री योजना का प्रस्ताव

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पश्चिम एशिया युद्ध में मध्यस्थ की भूमिका में दिलचस्पी दिखाते हुए कहा है कि उन्होंने क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए यहां अबू धाबी के युवराज जाएद अल नहयान के साथ बैठक में चार-सूत्री प्रस्ताव रखा है। शी ने शांति पर जोर देते हुए कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के लिए एक साझा, विस्तृत, सहयोगपूर्ण और टिकाऊ सुरक्षा व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी देशों की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का भी पूरी तरह सम्मान होना चाहिए। साथ ही नागरिकों एवं अवसंरचनाओं की भी सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। शी ने कहा कि दुनिया को जंगल बनाने से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने विकास एवं सुरक्षा के सामंजस्य पर जोर देते हुए सभी पक्षों से साथ आकर क्षेत्रीय विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाने अनुरोध किया। चीन का कूटनीतिक प्रयास ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका-ईरान के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम चल रहा है। इस दौरान दोनों देशों ने पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में बैठकर शांति वार्ता भी की।

अब गेंद ईरान के पाले में: अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दावा किया है कि शांति वार्ता के दौरान अमेरिका और ईरान ने काफी प्रगति की है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने से इन्कार करता है, तो शांति वार्ता का स्वरूप बदल जाएगा। वेंस ने फॉक्स न्यूज से कहा कि मैं सिर्फ यह नहीं कहूंगा कि चीजें गलत हुईं। मुझे यह भी लगता है कि चीजें सही रही हैं।

हमने काफी प्रगति की है। ईरान के साथ आगे की बातचीत की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अब गेंद ईरान के पाले में है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि यदि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोला, तो अमेरिका के साथ उनकी बातचीत का आधार बदल जाएगा। इस्लामाबाद वार्ता में अमेरिकी टीम का नेतृत्व करने वाले वेंस ने स्पष्ट किया कि अमेरिका ईरान से समृद्ध यूरेनियम को पूरी तरह वापस चाहता है ताकि अमेरिका का उस पर पूरा नियंत्रण रहे। वेंस ने कहा कि हमें निश्चित रूप से परमाणु सामग्री को ईरान से बाहर निकालने की आवश्यकता है। हम चाहते हैं कि वह सामग्री पूरी तरह से देश से बाहर हो ताकि अमेरिका का उस पर नियंत्रण हो। यह हमारी पहली प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान के साथ दो सप्ताह के संघर्ष विराम समझौते की घोषणा के बाद 11 अप्रैल को इस्लामाबाद में वार्ता शुरू हुई थी। हालांकि, 12 अप्रैल की सुबह वेंस ने घोषणा की थी कि दोनों देश किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके हैं और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बिना किसी सौदे के वापस लौट रहा है। इससे पहले 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने तेहरान सहित ईरान के विभिन्न ठिकानों पर हमले किए थे, जिसके जवाब में ईरान ने भी इजराइली क्षेत्र और पश्चिमी एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए थे।

होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने से इन्कार पर शांति वार्ता का स्वरूप बदल जाएगा: जेडी वेंस

पश्चिम एशिया में सशस्त्र टकराव की पुनरावृत्ति रोकने का आह्वान

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ईरान से क्षेत्र में नए सशस्त्र टकराव को रोकने का आह्वान किया है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि रूस, पश्चिम एशिया के संकट को सुलझाने में सहायता करने के लिए सदा तैयार है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट का समाधान युद्ध नहीं है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि लावरोव ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ फोन पर हुई बातचीत में पश्चिम एशिया में फिर से सशस्त्र टकराव को रोकने पर जोर दिया। मंत्रालय ने कहा कि तेरह अप्रैल को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई विक्टोरोविच लावरोव ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ फोन पर बातचीत की और क्षेत्र में सैन्य टकराव को फिर न होने पर जोर दिया। लावरोव ने अराघची से कहा कि रूस कूटनीतिक प्रयासों को जारी रखने और ऐसे समाधान खोजने की निरंतर प्रतिबद्धता का स्वागत करता है, जो संघर्ष के मूल कारणों को दूर करें। उन्होंने कहा कि ईरान और उसके पड़ोसियों के वैध हितों को ध्यान में रखते हुए पश्चिम एशिया में दीर्घकालिक स्थिरता प्राप्त की जानी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

स्पेन ने तेहरान में अपना दूतावास फिर से खोला

मॉस्को। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद स्पेन ने तेहरान में अपना दूतावास फिर से खोल दिया है। स्पेन के राजनयिक मिशन ने यह जानकारी दी है। दूतावास ने एक्स पर कहा कि हम तेहरान लौट रहे हैं। संघर्ष विराम के बाद ईरान में स्पेनिश दूतावास फिर से खुल रहा है। राजदूत एंटोनियो सांचेज-बेनेडिटो गैस्पर, राजनयिक टीम और स्थानीय कर्मचारियों के साथ, शांति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से काम पर लौट रहे हैं। स्पेन के दूतावास को सात मार्च को खाली करा लिया गया था, राजनयिक मिशन ने उन सभी स्पेनिश नागरिकों की रवानगी सुनिश्चित कर ली थी जो ईरान छोड़ना चाहते थे।

लुफ्थांसा हड़ताल के पहले दिन 700 से अधिक उड़ानें रद्द

मॉस्को। जर्मनी की सबसे बड़ी एयरलाइन समूह लुफ्थांसा में हड़ताल के पहले दिन 700 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। यह जानकारी वेरेनिगुंग कॉकपिट यूनियन ने दी। जर्मन ट्रेड यूनियन वेरेनिगुंग कॉकपिट ने इससे पहले 13-14 अप्रैल को लुफ्थांसा पायलटों की तीसरी हड़ताल का आह्वान किया था। पायलटों और फ्लाइट अटेंडेंटों की हड़ताल की पहली और दूसरी लहर फरवरी और मार्च 2026 में हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप जर्मनी के प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों पर सैकड़ों उड़ानें रद्द हो गई थीं। यूनियन ने एक बयान में कहा कि लुफ्थांसा, लुफ्थांसा कार्गो, सिटीलाइन और यूरोविग्स में हड़ताल का पहला दिन उम्मीद के मुताबिक चल रहा है।

स्टार्मर ने लेबनान पर इजरायली हमलों को रोकने का किया आह्वान

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने लेबनान पर इजराइली हमलों को समाप्त करने और लेबनान को पश्चिम एशिया युद्धविराम में शामिल करने का आह्वान किया है। स्टार्मर ने ब्रिटिश संसद में कहा कि हम मांग करते हैं कि लेबनान को तत्काल युद्धविराम में शामिल किया जाए। हिजबुल्लाह को निशस्त्रीकरण करना चाहिए, लेकिन मैं इस बात पर भी पूरी तरह स्पष्ट हूं कि इजरायल के हमले गलत हैं। इनके विनाशकारी मानवीय परिणाम हो रहे हैं और ये लेबनान को संकट की ओर धकेल रहे हैं। बमबारी अब रुकनी चाहिए।

स्टार्मर ने ईरानी सभ्यता के विनाश के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टिप्पणियों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि सभ्यता को नष्ट करने वाली भाषा के संबंध में, क्या मैं इस सदन के सामने पूरी स्पष्टता रख सकता हूं? वह गलत था। ईरानी नागरिकों को उस तरह से धमकी देना गलत है। इजरायल और लेबनान में शिया आंदोलन हिजबुल्लाह के बीच तनाव 2 मार्च की रात को शुरू हुआ, जब क्षेत्रीय स्थिति में भारी गिरावट के बीच लेबनानी आंदोलन ने इजरायली क्षेत्र पर मिसाइल हमले फिर से शुरू कर दिए। इजरायल ने इसके जवाब में लेबनान पर बड़े पैमाने पर हमले किए और 16 मार्च को दक्षिणी लेबनान में जमीनी अभियान शुरू करने की घोषणा की। ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की खबरों के बाद, हिजबुल्लाह ने इजरायल के विरुद्ध अपने अभियान स्थगित कर दिए थे।

इनके विनाशकारी मानवीय परिणाम हो रहे हैं और ये लेबनान को संकट की ओर धकेल रहे हैं

'भूत बंगला' का नया गाना 'ओ सुंदरी' हुआ रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' का नया गाना 'ओ सुंदरी' रिलीज हो गया है। 'भूत बंगला' के अनाउंसमेंट ने तो सबको एक्साइटेड कर ही दिया था, लेकिन अब इसके ट्रेलर ने इस मोस्ट-अवेयटेड हॉरर-कॉमेडी की दुनिया की एक झलक दिखा दी है। कॉमेडी और हॉरर के परफेक्ट ब्लेंड के साथ यह फिल्म एक जबरदस्त फैमिली एंटरटेनर होने वाली है। जहां एक तरफ फिल्म के गानों ने सस्पेंस बना रखा है, वहीं मेकर्स अब एक और नया ट्रैक 'ओ सुंदरी' लेकर आए हैं, जो फैमिली के साथ एन्जॉय करने के लिए एक बेहतरीन सेलिब्रेशन सॉन्ग है। दुल्हन के जोड़े में मिथिला पालकर बेहद खूबसूरत लग रही हैं, वहीं अक्षय कुमार और वामीका गब्बी अपने डांस मूव्स से स्टेज पर आग लगा रहे हैं।

यूके में भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट बर्खास्त

अंग्रेजी न समझ पाने पर साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुरु की नौकरी गई, फॉर्म में गलत जानकारी देने का आरोप

लंदन। यूके में एक भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुरु को अंग्रेजी ठीक से न समझ पाने और आवेदन में गलत जानकारी देने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया। कारण यह रहा कि वह मरीजों और सहकर्मियों की बात ठीक से समझ नहीं पा रही थीं।

यह मामला जून 2024 का हो, लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है। कीर्तना ने अक्टूबर 2023 में यार्क एंड स्कारबरो टीचिंग हास्पिटल्स एनएचएस ट्रस्ट जाइन किया था। बाद में दिसम्बर में उन्होंने बताया कि वह नौकरी के साथ-साथ अंग्रेजी सुधारने के लिए क्लास भी ले रही थीं। इस मामले में एक और अहम बात सामने आई कि नौकरी के आवेदन में उन्होंने अंग्रेजी को अपनी 'फर्स्ट लैंग्वेज' बताया था। जबकि फार्म के नियमों के अनुसार, 'फर्स्ट लैंग्वेज' वही मानी जाती है जो व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता हो। केवल अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करना इसे पहली भाषा नहीं बनाता। कीर्तना के मैनेजर ने यह भी बताया कि इंटरव्यू के दौरान उसने चैट बाक्स के जरिए सवाल पूछने का अनुरोध किया था, यानी आमने-सामने बातचीत से बचना चाहती थीं। इसे असामान्य माना गया, खासकर इसलिए क्योंकि वह उस समय यूके में ही रह रही थीं। अस्पताल ट्रस्ट के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि साई कीर्तना अक्टूबर 2023 से जून 2024 तक काम पर थीं और जून में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। कीर्तना ने इस फैसले को चुनौती दी और कहा कि उनकी पढ़ाई अंग्रेजी में हुई है, इसलिए इसे उनकी पहली भाषा माना जाना चाहिए। लेकिन पैनल ने इस तर्क को नहीं माना। पैनल का कहना था कि उन्होंने नौकरी पाने के लिए गलत जानकारी दी और यह धोखा देने की कोशिश थी। इसके बाद उन्हें रजिस्टर से हटा दिया गया। आवेदन फार्म में साफ लिखा होता है कि हक्या अंग्रेजी आपकी पहली भाषा है? इसका जवाब 'हां' तभी देना चाहिए, जब अंग्रेजी आपकी रोजमर्रा की मुख्य भाषा हो। सिर्फ अंग्रेजी में पढ़ाई करने से यह पहली भाषा नहीं मानी जाती।

कीर्तना ने अक्टूबर 2023 में यार्क एंड स्कारबरो टीचिंग हास्पिटल्स एनएचएस ट्रस्ट जाइन किया था

पाक में अस्पताल की लापरवाही से 331 बच्चे HIV पॉजीटिव

आठ साल के बच्चे की मौत के बाद खुलासा, सिरिंज के दोबारा इस्तेमाल से फैला संक्रमण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के ताउंसा शहर में 331 बच्चे एचआईवी पॉ पाए गए। ये मामले नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच दर्ज हुए। अब इस मामले में सरकारी अस्पताल में गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं। रिपोर्ट में पाया गया कि अस्पताल में सिरिंज दोबारा इस्तेमाल हो रही थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कई मामलों में एक ही दवा की शीशी से अलग-अलग बच्चों को इंजेक्शन दिया गया। इससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया। मामले का खुलासा आठ साल के बच्चे मोहम्मद अमीन की मौत के बाद हुआ। उसकी बहन असमा भी एचआईवीपॉ है। मां का कहना है कि बच्चों को अस्पताल में इलाज के दौरान संक्रमित सुई से एचआईवीहुआ। जांच में 32 घंटे की अंडरकवर रिकार्डिंग की गई। इसमें 10 बार देखा गया कि सिरिंज को मल्टी-डोज वायल में दोबारा इस्तेमाल किया गया। इनमें से चार मामलों में उसी दवा को दूसरे बच्चों को दिया गया। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डा. अल्ताफ अहमद ने वीडियो देखने के बाद कहा कि सिरिंज का पिछला हिस्सा वायरस को ट्रांसफर कर सकता है, भले ही नई सुई लगा दी जाए। उन्होंने इसे बेहद खतरनाक बताया। जांच में यह भी सामने आया कि 66 बार अस्पताल स्टाफ ने बिना स्टरलाइज्ड ग्लव्स के इंजेक्शन लगाए। एक नर्स को मेडिकल वेस्ट बाक्स में बिना ग्लव्स के हाथ डालते भी देखा गया।

बच्चों को अस्पताल में इलाज के दौरान संक्रमित सुई से एचआईवीहुआ: मां

विशेषज्ञों ने इसे संक्रमण नियंत्रण की बड़ी कमी बताया। हालांकि, अस्पताल के नए मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा कासिम बुजदार ने इन वीडियो को मानने से इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह फुटेज पुरानी या स्टेज्ड हो सकती है। सबसे पहले इस आउटब्रेक को निजी क्लिनिक के डाक्टर गुल कैसरानी ने पहचाना था। उन्होंने बताया कि 65-70 एचआईवीपॉ बच्चों में से ज्यादातर का इलाज टीएचआईक्यू ताउंसा में हुआ था। कुछ माता-पिता ने भी सिरिंज दोबारा इस्तेमाल की शिकायत की थी। डेटा के मुताबिक, 97 संक्रमित बच्चों के परिवारों में सिर्फ चार माताएं एचआईवी पॉजीटिव पाई गईं। इससे संकेत मिलता है कि संक्रमण मां से बच्चों में नहीं, बल्कि अन्य कारणों से फैला। पंजाब एड्स स्क्रीनिंग प्रोग्राम के डेटा में आधे से ज्यादा मामलों में 'कटैमिनेटेड नीडल' को संक्रमण का कारण बताया गया है। हालांकि बाकी मामलों में कारण स्पष्ट नहीं है। मार्च 2025 में सरकार ने हस्तक्षेप किया और उस समय 106 केस बताए गए।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108